

वार्षिक रिपोर्ट ANNUAL REPORT 2016-17



रानी लक्ष्मी बाई केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
झांसी 284 003, भारत
Rani Lakshmi Bai Central Agricultural University
Jhansi 284 003, India

रा.ल.बा. के.कृ.वि.
वार्षिक रिपोर्ट
2016-17

जुलाई 2016 - जून 2017



रानी लक्ष्मी बाई केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
झांसी 284 003, भारत

वार्षिक रिपोर्ट 2016-2017

(जुलाई 2016 से जून 2017)

दूरभाष	:	0510-2730555, 0510-2730777
फैक्स	:	0510-2730555
ई-मेल	:	vcrlbcau@gmail.com
वेबसाइट	:	http://www.rlbcau.ac.in

प्रकाशन:

डॉ. मुकेश श्रीवास्तव

कुलसचिव

रानी लक्ष्मी बाई केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
झांसी 284003

संकलन और संपादन:

डॉ. कुसुमाकर शर्मा

सलाहकार

डॉ. मीनाक्षी आर्य

वैज्ञानिक (पादप रोगविज्ञान)

डॉ. मधुलिका पाण्डे

शिक्षण एसोसिएट

डॉ. मुकेश श्रीवास्तव

कुलसचिव

रानी लक्ष्मी बाई केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
झांसी 284003

आभार:

कृषि ज्ञान प्रबंध निदेशालय (डीकेएमए)

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, कृषि अनुसंधान भवन-1,
पूसा, नई दिल्ली 110012

प्राक्कथन

मुझे रानी लक्ष्मी बाई केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय (आरएलबीसीएयू), झांसी का तृतीय वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए अत्यंत प्रसन्नता हो रही है। इस प्रतिवेदन में वर्ष 2016-17 की अवधि के दौरान विश्वविद्यालय की महत्वपूर्ण गतिविधियों व उपलब्धियों पर प्रकाश डाला गया है।

विश्वविद्यालय ने राष्ट्रीय महत्व की एक संस्था के रूप में अपने निर्धारित उद्देश्यों को प्राप्त करने में निरंतर प्रगति की है। इस वर्ष बी.एससी. (ऑनर्स) बागवानी तथा बी.एससी. (ऑनर्स) वानिकी उपाधियों के लिए दो नए पूर्वस्नातक कार्यक्रमों को आरंभ कर गुणवत्तापूर्ण शैक्षणिक गतिविधियों को और सबल बनाया गया है। इसके साथ ही बी.एससी. (ऑनर्स) कृषि उपाधि के लिए शैक्षणिक कार्यक्रम को जारी रखा गया है। इस विश्वविद्यालय में छात्रों को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा कृषि तथा सम्बद्ध विज्ञान के पूर्वस्नातक कार्यक्रमों हेतु आयोजित की गई अखिल भारतीय प्रवेश परीक्षा (एआईईईईए) के माध्यम से प्रवेश प्रदान किया जाता है। इससे प्रवेश पाए हुए छात्रों में राष्ट्रीय स्वरूप परिलक्षित होता है। स्नातकोत्तर अध्ययनों के लिए रानी लक्ष्मी बाई केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय शैक्षणिक विनियम-2016 भी तैयार कर संसद के समक्ष प्रस्तुत किए गए हैं, ताकि कृषि एवं सम्बद्ध विज्ञानों में स्नातकोत्तर कार्यक्रमों को विनियमित किया जा सके। विश्वविद्यालय ने छात्रों तथा संकाय सदस्यों के लिए आईटी सेवाओं सहित प्रयोगशालाओं, पुस्तकालय तथा अध्ययन संबंधी अन्य संसाधनों को भी और सबल बनाया है।

अनुसंधान कार्य मुख्यतः भा.कृ.अ.प. की चने पर अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना के अंतर्गत प्रजनन, रोग प्रतिरोध, बीजोत्पादन, सहरोपण तथा पोषक तत्व एवं जल प्रबंध के बहुआयामी दृष्टिकोण के साथ बुंदेलखंड क्षेत्र में चने का उत्पादन बढ़ाने पर केन्द्रित किया गया। उपज के लिए वांछित विविधता, घटक गुणों तथा प्रमुख रोगों के विरुद्ध प्रतिरोध से युक्त प्रजनन सामग्री सृजित करने के लिए नए संकर तैयार करने का प्रयास किया गया है। आईवीटी1, एवीटी1, एवीटी2 (देसी, काबुली, बरानी, पछेती बुवाई वाली) चने की अनेक प्रविष्टियों का मूल्यांकन क्षेत्र में मौजूद चना के प्रमुख रोगों जैसे उकठा (विल्ट) तथा शुष्क जड़ गलन के विरुद्ध किया गया है।

निर्धनों के प्रति अनुकूल आर्थिक वृद्धि के अग्रणी उपाय के रूप में कृषि परामर्श सेवाएं कृषि उत्पादन को बढ़ाने, खाद्य सुरक्षा की वृद्धि करने, ग्रामीण आजीविकाओं को सुधारने तथा कृषि प्रवर्धन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। विश्वविद्यालय संकाय ने कृषक प्रशिक्षण तथा अग्र-पंक्ति प्रदर्शनों, कृषक भ्रमणों तथा गोष्ठियों का सफलतापूर्वक आयोजन किया, ताकि फार्म उत्पादकता और उत्पादन बढ़ाने के लिए मेरा गांव मेरा गौरव (एमजीएमजी) के तत्वावधान के अंतर्गत गतिविधियों में शामिल होने के साथ-साथ खेती की सर्वश्रेष्ठ विधियों को बढ़ावा दिया जा सके। शिक्षकों तथा



रानी लक्ष्मी बाई केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय

विद्यार्थियों ने स्वच्छ भारत अभियान (एसबीए), राष्ट्रीय सामाजिक सेवा (एनएसएस), राष्ट्रीय कृषि उत्सव तथा अखिल भारतीय अंतरकृषि विश्वविद्यालय खेलकूद समागम में सक्रिय रूप से भाग लिया।

कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग (डेयर), कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा विश्वविद्यालय को लगभग 300 एकड़ भूमि हस्तांतरित किए जाने के पश्चात् बुनियादी ढांचे के विकास में काफी तेजी आई है। झांसी परिसर में प्रयोगशालाओं, कार्यालयों तथा छात्रों की तात्कालिक आवश्यकता को पूरा करने के लिए पूर्व-निर्मित संरचनाओं के निर्माण का कार्य पूरा किया गया है। इसके अतिरिक्त विश्वविद्यालय के विभिन्न वैधानिक निकायों द्वारा झांसी परिसर में अनिवार्य संरचनाओं (कृषि, बागवानी तथा वानिकी महाविद्यालय के लिए शैक्षणिक भवन, प्रशासनिक भवन, कुलपति निवास, छात्रावासों आदि) के मास्टर प्लान तथा स्थापत्य डिज़ाइनों की स्वीकृति के पश्चात् निर्माण कार्य आरंभ हो गया है।

पिछले तीन वर्षों के दौरान विश्वविद्यालय के निष्पादन का मूल्यांकन डॉ. एस.एल. मेहता, पूर्व उप महानिदेशक (शिक्षा), भा.कृ.अ.प. की अध्यक्षता के अंतर्गत डेयर द्वारा गठित व्यय प्रबंध समिति द्वारा किया जा रहा है। इसके साथ ही 'डेयर' ने अधिष्ठाताओं, निदेशकों तथा पुस्तकालयाध्यक्ष जैसे वैधानिक पदों को भरने की प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान कर दी है। भारत सरकार के वित्त मंत्रालय की आवश्यक स्वीकृति के पश्चात् नियमित संकाय की भर्ती तथा तैनाती के उपरांत इन विकास कार्यों में और तेजी आने की संभावना है।

विश्वविद्यालय श्री प्रणब मुखर्जी, विश्वविद्यालय के माननीय विजिटर, श्री राधा मोहन सिंह जी, माननीय केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री, भारत सरकार तथा डॉ. पंजाब सिंह, माननीय कुलाधापति का उनके मार्गदर्शन, प्रोत्साहन एवं वांछित सहायता के लिए आभारी है। मैं केन्द्र तथा राज्य सरकारों, डॉ. टी. महापात्रा, सचिव, कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार तथा महानिदेशक, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, विश्वविद्यालय के प्रबंध मंडल तथा वित्त समिति के माननीय सदस्यों का हमारी विभिन्न गतिविधियां सम्पन्न करने में मार्गदर्शन करने तथा सहायता प्रदान करने के लिए आभार व्यक्त करता हूँ। मैं श्री मुकेश श्रीवास्तव, कुलसचिव, श्री जवाहर लाल शर्मा, प्रशासनिक अधिकारी, भा.कृ.अ.प.-सीएएफआरआई, झांसी तथा श्री महेश मुलानी, वित्त एवं लेखा अधिकारी, भा.कृ.अ.प.-आईजीएफआरआई, झांसी को विश्वविद्यालय के क्रमशः शैक्षणिक, प्रशासनिक तथा वित्तीय मामलों की देखभाल करने के लिए धन्यवाद देता हूँ। मैं अपने उन सभी साथियों, परामर्शकों तथा छात्रों से प्राप्त की गई सहायता के लिए उनका आभार ज्ञापित करता हूँ, जिन्होंने इन उपलब्धियों को संभव बनाने में अपना अमूल्य योगदान दिया है। मैं इस वार्षिक प्रतिवेदन को समय पर तैयार करने के लिए प्रो. डॉ. कुसुमाकर शर्मा को विशेष रूप से बधाई देता हूँ।

अरविन्द कुमार

दिनांक: 26.07.2017

स्थान : झांसी

(अरविन्द कुमार)

कुलपति

विषय-सूची

प्राक्कथन	iii
विश्वविद्यालय	1
1. प्रस्तावना	2
2. लक्ष्य	2
3. विश्वविद्यालय प्राधिकारी एवं शासन	2
4. शैक्षणिक गतिविधियां	5
5. संकाय	6
6. अखिल भारतीय समन्वित चना अनुसंधान परियोजना - उप केन्द्र	11
7. विस्तार गतिविधियां	15
8. बुनियादी ढांचे का विकास	18
9. वित्त एवं बजट	23
10. अन्य प्रमुख गतिविधियां/घटनाएं	23
11. सम्मेलनों/प्रशिक्षणों/बैठकों में संकाय सदस्यों की भागीदारी	31
12. पुरस्कार एवं सम्मान	33
13. प्रकाशन	34
14. वर्ष 2017-18 के लिए भावी कार्य योजना	35
अनुबंध I	36
अनुबंध II	38
अनुबंध III	39
अनुबंध IV	46
अनुबंध V	47
अनुबंध VI	48
अनुबंध VII	49
अनुबंध VIII	50



विश्वविद्यालय





1. प्रस्तावना

राष्ट्रीय महत्व की एक संस्था के रूप में रानी लक्ष्मी बाई केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय की स्थापना कृषि एवं सम्बद्ध विज्ञानों के अभिवर्धन तथा अनुसंधान लक्ष्य और अधिक प्रगति प्राप्त करने के लिए भारत सरकार द्वारा संसद के अधिनियम के अंतर्गत 5 मार्च 2014 को हुई थी। विश्वविद्यालय का मुख्यालय उत्तर प्रदेश राज्य के झांसी में विकसित किया जा रहा है। विश्वविद्यालय स्तर पर शिक्षा, अनुसंधान एवं विस्तार शिक्षा संबंधी कार्यक्रमों के संदर्भ में इसका कार्य क्षेत्र और उत्तरदायित्व सम्पूर्ण देश में फैला हुआ है, किंतु बुंदेलखण्ड क्षेत्र से संबंधित कृषि समस्याओं को विशेष प्राथमिकता दी जाएगी। विश्वविद्यालय के प्राधिकार के अंतर्गत स्थापित सभी महाविद्यालय, अनुसंधान और प्रायोगिक केन्द्र या अन्य संस्थाएं विश्वविद्यालय के अधिकारियों और प्राधिकारियों के पूर्ण प्रबंध व नियंत्रणाधीन होते हुए विश्वविद्यालय का घटक होंगे। विश्वविद्यालय अधिनियम के पैरा 4(2) के प्रावधानों के अंतर्गत विश्वविद्यालय ने झांसी में अपना मुख्यालय तथा कृषि महाविद्यालय व बागवानी और वानिकी महाविद्यालय स्थापित किया है। दो महाविद्यालय नामतः पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय और मात्स्यिकी महाविद्यालय, दतिया, मध्य प्रदेश में स्थापित किए जा रहे हैं। विश्वविद्यालय को कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली से सीधे निधियां प्राप्त होती हैं।

2. लक्ष्य

रानी लक्ष्मी बाई केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय अधिनियम 2014 के अनुसार विश्वविद्यालय के उद्देश्य स्पष्ट रूप से परिभाषित हैं जो निम्नानुसार हैं :

क. जैसा उचित हो, कृषि तथा सम्बद्ध विज्ञानों की विभिन्न शाखाओं में उचित शिक्षा प्रदान करना;

- ख. कृषि तथा संबंध विज्ञानों में अधिगम या सीखने तथा अनुसंधान करने में और अधिक प्रगति करना;
- ग. बुंदेलखंड में तथा अपने न्यायिक क्षेत्र के राज्यों के जिलों में विस्तार शिक्षा के कार्यक्रम चलाना;
- घ. राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय शैक्षणिक संस्थाओं के साथ साझेदारी और सम्पर्कों को बढ़ावा देना; और
- ड. समय-समय पर निर्धारित किए गए अन्य ऐसे कार्यों को सम्पन्न करना।

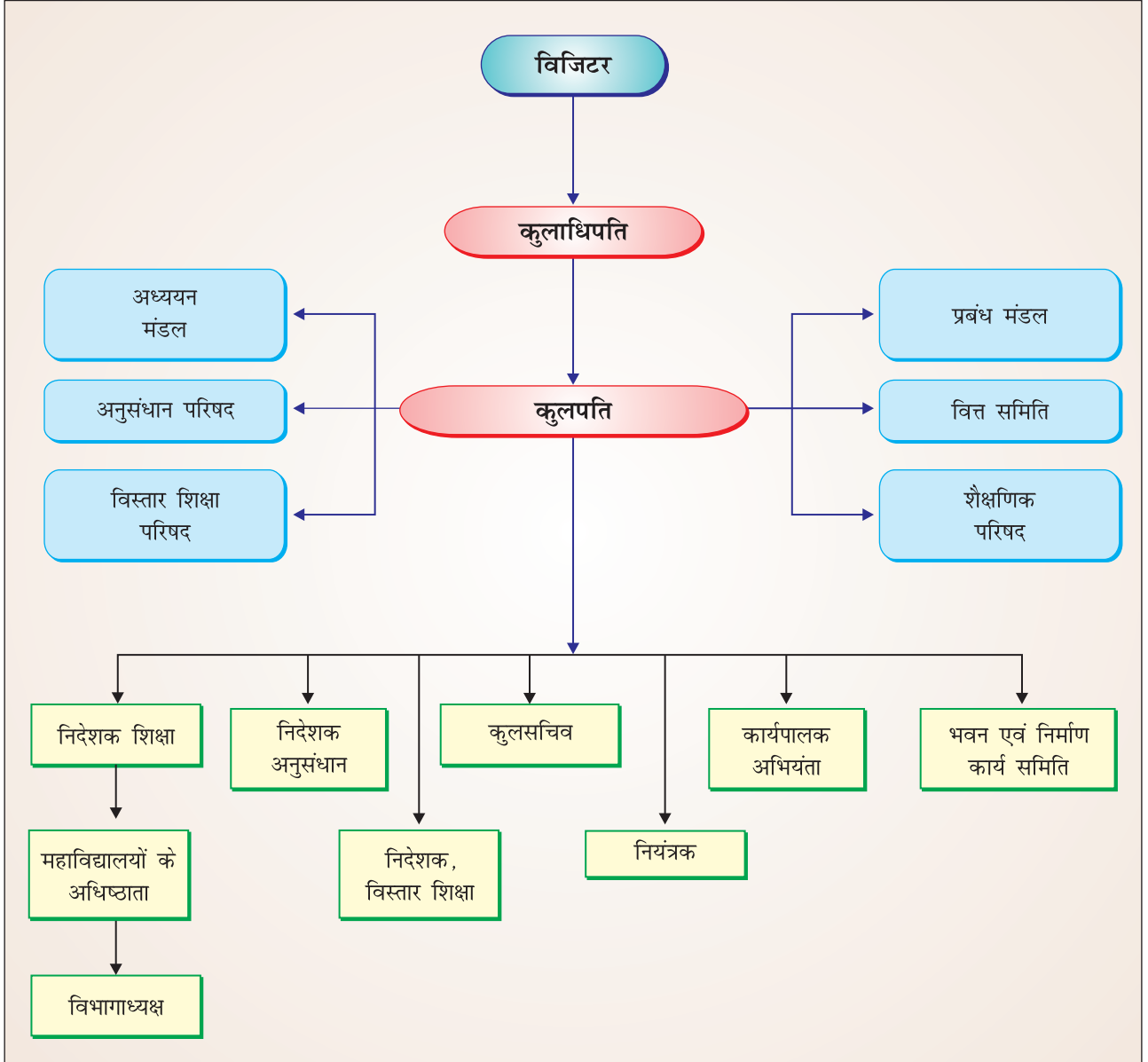
3. विश्वविद्यालय प्राधिकारी एवं शासन

कुलपति विश्वविद्यालय के प्रधान कार्यपालक व शैक्षणिक प्रमुख तथा प्रबंध मंडल, वित्त समिति और शैक्षणिक परिषद के पदेन अध्यक्ष हैं। प्रबंध मंडल, वित्त समिति और शैक्षणिक परिषद शीर्ष निकाय हैं जो प्रशासनिक, वित्तीय व शैक्षणिक मामलों में निर्णय लेते हैं। विश्वविद्यालय की प्रस्तावित शासन संरचना चित्र (1) में दर्शायी गई है।

3.1. प्रबंध मंडल

प्रबंध मंडल विश्वविद्यालय का मार्गदर्शन करता है। यह नीति निर्माण करने वाला निकाय है तथा विश्वविद्यालय के प्रबंध के लिए उत्तरदायी है। रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान प्रबंध मंडल का संघटन अनुबंध-1 में दिया गया है। मंडल की दिनांक 9 जनवरी 2017 को आयोजित चौथी बैठक में लिए गए मुख्य निर्णय निम्नानुसार हैं :

- स्नातकोत्तर अध्ययनों के लिए आरएलबीसीएयू शैक्षणिक विनियमन-2016 की स्वीकृति;
- माननीय विजिटर को प्रस्तुत किए जाने हेतु शैक्षणिक वर्ष 2014-15 तथा 2015-16 के लिए वार्षिक प्रतिवेदन की स्वीकृति;
- वर्ष 2017-18 के लिए विश्वविद्यालय के



चित्र 1 : विश्वविद्यालय की शासन संरचना

शैक्षणिक कैलेण्डर की स्वीकृति;

- शैक्षणिक वर्ष 2017-18 के दौरान विश्वविद्यालय के विभिन्न पूर्वस्नातक कार्यक्रमों में प्रवेश पाने वाले छात्रों की निर्धारित संख्या की स्वीकृति;
- विश्वविद्यालय द्वारा चलाए जा रहे सिविल कार्यों की प्रगति व स्थिति का मूल्यांकन तथा वर्ष 2016-17 के दौरान प्रस्तुत किए गए प्राथमिक

आकलनों की स्वीकृति;

- विश्वविद्यालय अधिनियम की धारा 31 (1) के अनुसार अनिवार्य लेखापरीक्षा के लिए वर्ष 2015-16 के तुलन-पत्र व आय एवं व्यय विवरण के अतिरिक्त वार्षिक लेखों की स्वीकृति;
- वित्त वर्ष 2014-15 के लिए आरएलबीसीएयू, झांसी के लेखों पर लेखापरीक्षा प्रतिवेदन का



प्रबंध मंडल की चतुर्थ बैठक का दृश्य

3.2. वित्त समिति

विश्वविद्यालय की वित्त समिति के अध्यक्ष कुलपति हैं तथा वित्तीय सलाहकार, कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग; मंडल द्वारा नामित तीन व्यक्ति जिनमें से कम से कम एक मंडल का सदस्य होना चाहिए; विजिटर द्वारा नामित 3 व्यक्ति सदस्य हैं तथा विश्वविद्यालय के लेखानियंत्रक इसके पदेन सदस्य सचिव है (अनुबंध II)। इसके गठन के पश्चात् रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान वित्त समिति की 2 बैठकें आयोजित हुई हैं (तालिका 1)।

क्र.सं.	बैठक	दिनांक	उपस्थित वित्त समिति के सदस्यों की संख्या
1.	तृतीय	4 अगस्त 2016	08
2.	चतुर्थ	16 मई 2017	06

मूल्यांकन तथा संसद के समक्ष लेखे प्रस्तुत किए जाने हेतु अनुशंसा;

- आरएलबीसीएयू, झांसी की महत्वपूर्ण लेखाकरण नीतियों के अनुबंध 3.2 में संशोधन-अचल सम्पत्तियों के मूल्यह्रास की दरों में सुधार;
- विश्वविद्यालय द्वारा विभिन्न वैधानिक पदों पर भर्ती की स्वीकृति हेतु डेयर को प्रस्ताव भेजे जाने का अनुमोदन;
- युवा व्यवसायविदों, कार्यालय सहायता तथा वाहन चालन के लिए निविदा सेवाओं को किराए पर लेने हेतु स्वीकृति;
- कक्षाओं के लिए लैपटॉप व प्रोजेक्टर खरीदने हेतु स्वीकृति;
- आरएलबीसीएयू, झांसी के कुलसचिव को वित्तीय शक्तियां प्रदान करने हेतु स्वीकृति;
- संशोधित निर्गत बजट 2016-17 से 2019-20 का मूल्यांकन;
- 12वीं योजना के दौरान ईएफसी के प्रावधानों का मूल्यांकन;
- पूंजी शीर्ष के अंतर्गत पॉली/नेट हाउसों के निर्माण के लिए बजट की स्वीकृति;
- भारत सरकार के नियमों के अनुसार वाहनों की खरीद की स्वीकृति।

वित्त समिति की बैठकों में कार्यसूची की जिन मदों पर चर्चा हुई तथा जो प्रमुख निर्णय लिए गए वे इस प्रकार हैं:

तृतीय बैठक

- अनिवार्य लेखापरीक्षा के लिए वर्ष 2015-16 के वार्षिक लेखों की स्वीकृति;
- वित्तीय वर्ष 2014-15 के लिए आरएलबीसीएयू, झांसी के लेखों पर लेखापरीक्षा प्रतिवेदन का मूल्यांकन तथा लेखा परीक्षित लेखों को संसद के समक्ष प्रस्तुत किए जाने हेतु अनुशंसा;
- आरएलबीसीएयू, झांसी तथा दतिया में पूर्व निर्मित तथा निर्मित होने वाली अन्य संरचनाओं हेतु प्राथमिक आकलनों की स्वीकृति;
- विश्वविद्यालय कुलसचिव को वित्तीय शक्तियां प्रदान किए जाने की स्वीकृति;
- संशोधित निर्गत बजट 2016-17 से 2019-20 का मूल्यांकन;
- 12वीं योजना के दौरान ईएफसी के प्रावधानों का मूल्यांकन।

चतुर्थ बैठक

- अनिवार्य लेखापरीक्षा के लिए वर्ष 2016-17 के वार्षिक लेखों की स्वीकृति।
- वर्ष 2017-18 से 2019-20 के लिए बजट आकलनों के अंतर्गत आबंटनों तथा ईएफसी 2017-18 से 2019-20 में प्रस्तावित शीर्षवार आकलनों का मूल्यांकन।

4. शैक्षणिक गतिविधियां

विश्वविद्यालय ने झांसी तथा निकटवर्ती क्षेत्रों में स्थित भा.कृ.अ.प. अनुसंधान संस्थानों, राज्य विश्वविद्यालयों/सरकार के विभागों के अतिथि संकाय, शैक्षणिक एसोसिएट तथा वैज्ञानिक स्टाफ की सहायता से बी.एससी. (ऑनर्स) कृषि उपाधि कार्यक्रम को जारी रखते हुए बी.एससी. (ऑनर्स) बागवानी तथा बी.एससी. (ऑनर्स) वानिकी के दो नए पूर्वस्नातक पाठ्यक्रमों की शुरुआत की। शैक्षणिक सत्र 2016-17 के लिए भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा आयोजित पूर्व स्नातक कार्यक्रमों के लिए कृषि एवं सम्बद्ध विज्ञानों में अखिल भारतीय प्रवेश परीक्षा के माध्यम से प्रवेश देने की क्षमता तथा पंजीकृत छात्रों की संख्या का विवरण तालिका 2 में दिया गया है।

तालिका 2: विभिन्न पूर्वस्नातक पाठ्यक्रमों के लिए छात्रों को प्रवेश देने की क्षमता तथा पंजीकृत छात्रों की संख्या

छात्र	बी.एससी. (ऑनर्स)			
	कृषि	बागवानी	वानिकी	कुल
प्रवेश क्षमता	30	20	20	70
पंजीकृत	30	13	15	58

विश्वविद्यालय का तृतीय शैक्षणिक सत्र डॉ. मुकेश श्रीवास्तव, कुलसचिव द्वारा नए प्रवेश पाए छात्रों को विश्वविद्यालय के संक्षिप्त परिचय के साथ 25 जुलाई 2016 से आरंभ हुआ। इस परिचय में विश्वविद्यालय

की पृष्ठभूमि, लक्ष्य तथा हाल की उपलब्धियों के साथ-साथ संकाय की अपेक्षाओं का उल्लेख किया गया। विश्वविद्यालय में पहुंचना एक बड़ा परिवर्तन है। अतः 16 अगस्त 2016 को विश्वविद्यालय के अभिमुखन कार्यक्रम को इस प्रकार प्रायोजित किया गया कि प्रवेश पाए प्रथम वर्ष के सभी छात्रों के लिए यह परिवर्तन अपेक्षाकृत आसान हो। इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के नए व वरिष्ठ सभी छात्रों, संकाय सदस्यों तथा स्टाफ ने भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ छात्रों, संकाय सदस्यों तथा मुख्य अतिथि डॉ. अरविन्द कुमार, कुलपति के स्वागत से हुआ, जिन्होंने स्वयं उपस्थित होकर इस अवसर की शोभा बढ़ाई। इसके पश्चात् विश्वविद्यालय कुलसचिव तथा डॉ. देवी सिंह, परामर्शक ने विश्वविद्यालय का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत किया जिसमें हाल की उपलब्धियों, शैक्षणिक विषयों, वित्तीय सहायता तथा छात्रवृत्तियों, छात्र कल्याण, आचार संहिता, खेलों आदि के महत्व के बारे में बताया। कार्यक्रम की सूत्रधार डॉ. मीनाक्षी आर्य थीं। कुलपति डॉ. अरविन्द कुमार ने नए छात्रों का विश्वविद्यालय परिवार में स्वागत किया तथा उन्हें सामान्य रूप से शिक्षा और विशेष रूप से वैश्विक तथा भारतीय संदर्भ में उच्च कृषि शिक्षा के महत्व को समझने का परामर्श दिया। उन्होंने देश में कृषि शिक्षा तथा आर्थिक एवं सामाजिक-सांस्कृतिक विकास के बीच पारस्परिक संबंधों की व्याख्या की और बताया कि कृषि देश की लगभग आधी जनसंख्या को आजीविका प्रदान करती है। उन्होंने छात्रों का महाविद्यालय/विश्वविद्यालय में मूल कौशल प्राप्त करने तथा उसे सुधारने के साथ-साथ उनके अधिगम के विशिष्ट क्षेत्र के विकास के प्रति जागरूक रहने के लिए आह्वान किया तथा व्यक्तित्व के विकास, पहल लेने व सृजनशीलता के लिए परिसर के अवसरों का उपयोग करने का भी परामर्श दिया। अंत में सांस्कृतिक कार्यक्रम के पश्चात रात्रिभोज का आयोजन किया गया।



5. संकाय

शैक्षणिक, अनुसंधान, विस्तार शिक्षा, प्रशासनिक, मंत्रालयीन व अन्य पदों को सृजित करने व नियुक्ति करने की निहित शक्ति के अंतर्गत विश्वविद्यालय अधिनियम की धारा 6 (x, xi) के अंतर्गत विश्वविद्यालय की वित्त समिति व प्रबंध मंडल ने मुख्यालय तथा चार घटक महाविद्यालयों (कृषि महाविद्यालय; बागवानी एवं वानिकी महाविद्यालय; पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय और मात्स्यिकी महाविद्यालय) के लिए 254 शैक्षणिक व 234 शैक्षणिक इतर पदों के सृजन का अनुमोदन किया। विश्वविद्यालय ने भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा निर्धारित मानदंडों के अनुसार पशुचिकित्सा विज्ञान को छोड़कर कृषि विज्ञान की विभिन्न शाखाओं में पूर्व स्नातक/स्नातकोत्तर शिक्षा के न्यूनतम मानकों को अपनाते हुए संकाय संख्या प्रस्तावित की है। पशुचिकित्सा शिक्षा संबंधी मानदंडों का विनियमन भारतीय पशुचिकित्सा परिषद द्वारा निर्धारित मानदंडों के अनुसार किया जाएगा। तथापि, वित्त मंत्रालय ने पदों के सृजन हेतु वित्तीय स्वीकृति प्रदान करने हेतु प्रस्ताव पर विचार करने के पूर्व व्यय प्रबंध समिति (ईएमसी) के माध्यम से जीएफआर 2017 (IX) के अनुसार विश्वविद्यालय

का मूल्यांकन कराए जाने की इच्छा व्यक्त की है। तदनुसार कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार ने आदेश सं. 5-6/2017-सीएयू दिनांक 11 मई 2017 के द्वारा डॉ. एस.एल. मेहता, पूर्व उप महानिदेशक (शिक्षा), भा.कृ.अ.प. की अध्यक्षता में वित्त प्रबंध समिति (ईएमसी) का गठन किया है। इस समिति द्वारा किए जाने वाला मूल्यांकन कार्य प्रगति पर है। इसके अतिरिक्त कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग ने पत्र सं. 5-34/2017-सीएयू दिनांक 23.06.2017 के द्वारा अधिष्ठाता, पशुचिकित्सा विज्ञान एवं मात्स्यिकी महाविद्यालय पदों के अतिरिक्त विश्वविद्यालय के सभी वैधानिक पदों की भर्ती के लिए प्रस्तुत प्रस्ताव का अनुमोदन कर दिया है। इसके साथ ही विश्वविद्यालय ने 34 संविदा/अतिथि संकाय, वैज्ञानिकों तथा शिक्षण एसोसिएटों की सहायता से शैक्षणिक गतिविधियों को जारी रखा है तथा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराया है (अनुबंध III)। विश्वविद्यालय ने पंचम अधिष्ठाता समिति की अनुशंसाओं को इस सत्र से लागू कर शैक्षणिक वर्ष 2016-17 के दौरान प्रवेश पाए छात्रों के लिए पाठ्यक्रम को भी तदनुसार संशोधित किया है।

बी.एससी. (ऑनर्स) कृषि के प्रथम, द्वितीय व तृतीय वर्ष के छात्रों तथा बी.एससी. (ऑनर्स) बागवानी व बी.एससी. (ऑनर्स) वानिकी के प्रथम वर्ष के छात्रों को रिपोर्टाधीन शैक्षणिक वर्ष के दौरान विश्वविद्यालय द्वारा निम्नलिखित पाठ्यक्रम उपलब्ध कराए गए:

बी.एससी. (ऑनर्स) कृषि प्रथम वर्ष

I. सेमिस्टर

क्र.सं.	पाठ्यक्रम सं.	पाठ्यक्रम शीर्षक	क्रेडिट घंटे
1.	एएनसी 166	मानव मूल्य एवं नीति	1(1+0)
2.	एआरसी 173	कृषि विरासत	1(1+0)
3.	एएसी 148	ग्रामीण समाज विज्ञान एवं शैक्षणिक मनोविज्ञान	2(2+0)
4.	एआरसी 172	प्राथमिक गणित	2(2+0)

वार्षिक रिपोर्ट 2016-17

क्र.सं.	पाठ्यक्रम सं.	पाठ्यक्रम शीर्षक	क्रेडिट घंटे
5.	एएसी 147	अंग्रेजी में समझ तथा संचार कौशल	2(1+1)
6.	एबीबी 155	पादप जैव रसायन तथा जैवप्रौद्योगिकी के मूल तत्व	3(2+1)
7.	एपीएस 118	मृदा विज्ञान के मूल तत्व	3(2+1)
8.	एपीए 101	सस्यविज्ञान के मूल तत्व	4(3+1)
9.	एपीएफ 179	वानिकी का परिचय	2(1+1)
10.	एपीएच 176	बागवानी के मूल तत्व	2(1+1)
11.	एएनसी 167	राष्ट्रीय सामाजिक सेवा (एनएसएस)	

II. सेमिस्टर

क्र.सं.	पाठ्यक्रम सं.	पाठ्यक्रम शीर्षक	क्रेडिट घंटे
1.	एईई 132	परिचयात्मक मृदा एवं जल संरक्षण अभियांत्रिकी	2(1+1)
2.	एपीपी 138	पादप रोगविज्ञान के मूल तत्व	4(3+1)
3.	एबीबी 157	फसल कार्यान्वयन के मूल तत्व	2(1+1)
4.	एजीपी 113	आनुवंशिकी के मूल तत्व	3(2+1)
5.	एबीबी 156	कृषि सूक्ष्मजीवविज्ञान	2(1+1)
6.	एपीई 121	कीटविज्ञान के मूल तत्व	4(3+1)
7.	ईसी 127	कृषि अर्थशास्त्र के मूल तत्व	2(2+0)
8.	एएसी 149	कृषि विस्तार शिक्षा के मूल तत्व	3(2+1)
9.	एएसी 150	संचार कौशल एवं व्यक्तित्व विकास	2(1+1)
10.	एएनसी 167	एनएसएस	

बी.एससी. (ऑनर्स) कृषि द्वितीय वर्ष

III. सेमिस्टर

क्र.सं.	पाठ्यक्रम संख्या	पाठ्यक्रम शीर्षक	क्रेडिट घंटे
1.	एपीए 202	जैविक खेती	2(1+1)
2.	एएलएम 266	पशुधन उत्पादन एवं प्रबंधन	3(2+1)
3.	एबीपी 251	फसल कार्यान्वयन	3(2+1)
4.	एपीई 221	कीट आकृति विज्ञान एवं वर्गीकरण विज्ञान	3(2+1)



रानी लक्ष्मी बाई केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय

क्र.सं.	पाठ्यक्रम संख्या	पाठ्यक्रम शीर्षक	क्रेडिट घंटे
5.	एईसी 226	कृषि वित्त एवं सहकारिता	2(1+1)
6.	एपीएच 211	सब्जियों तथा पुष्पों के लिए उत्पादन प्रौद्योगिकी	3(2+1)
7.	एएसटी 241	बीज प्रौद्योगिकी के सिद्धांत	3(2+1)
8.	एआई 231	फार्म शक्ति एवं यंत्र	2(1+1)
9.	एपीए 201	प्रयोगात्मक फसलोत्पादन (खरीफ)	1(0+1)
10.	एएनसी 167	एनएसएस	

IV. सेमिस्टर

क्र.सं.	पाठ्यक्रम संख्या	पाठ्यक्रम शीर्षक	क्रेडिट घंटे
1.	एआई 232	सुरक्षित खेती एवं सस्योत्तर प्रौद्योगिकी	2(1+1)
2.	एपीपी 236	खेत फसलों के रोग एवं उनका प्रबंधन	3(2+1)
3.	एजीपी 211	खेत/बागवानी फसलों का प्रजनन	3(2+1)
4.	एपीएस 216	खाद, उर्वरक तथा कृषि रसायन	3(2+1)
5.	एपीएच 221	मसालों, सगंधीय, औषधीय एवं रोपण फसलों का उत्पादन	3(2+1)
6.	एपीई 222	कीट पारिस्थितिकी तथा आईपीएम सहित लाभदायक कीट	3(2+1)
7.	एईसी 227	कृषि विपणन, व्यापार एवं विधियां	2(1+1)
8.	एपीए 203	प्रयोगात्मक फसलोत्पादन II (रबी)	1(0+1)
9.	एएनसी 167	एनएसएस	

बी.एससी. (ऑनर्स) कृषि तृतीय वर्ष

V. सेमिस्टर

क्र.सं.	पाठ्यक्रम संख्या	पाठ्यक्रम शीर्षक	क्रेडिट घंटे
1.	एपीई 321	फसल नाशकजीव एवं भंडारित अनाज नाशकजीव व उनका प्रबंधन	2(2+1)
2.	एईसी 326	एफबीएम के मूल तत्व	2(1+1)
3.	एपीए 201	खेत फसलें -I	2(2+1)
4.	एएसी 346	ग्रामीण समाजविज्ञान एवं शैक्षणिक मनोविज्ञान के मूल तत्व	2(2+0)
5.	एपीएच 331	फलों और सब्जियों का सस्योत्तर प्रबंधन एवं मूल्यवर्धन	2(1+1)
6.	एजीपी 311	पादप जैवप्रौद्योगिकी के सिद्धांत	3(2+1)

वार्षिक रिपोर्ट 2016-17

क्र.सं.	पाठ्यक्रम संख्या	पाठ्यक्रम शीर्षक	क्रेडिट घंटे
7.	एपीए 302	फार्मिंग प्रणाली एवं टिकाऊ कृषि	2(1+1)
8.	एपीपी 366	बागवानी फसलों के रोग एवं उनका प्रबंधन	2(2+1)
9.	एएनसी 167	एनएसएस	

VI. सेमिस्टर

क्र.सं.	पाठ्यक्रम संख्या	पाठ्यक्रम शीर्षक	क्रेडिट घंटे
1.	एईसी 327	उत्पादन अर्थशास्त्र एवं फार्म प्रबंधन	2(1+1)
2.	एफईएस 371	पर्यावरण विज्ञान	2(1+1)
3.	एएसी 347	कृषि प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के लिए विस्तार की विधियां	2(1+1)
4.	एईई 331	अक्षय ऊर्जा	2(1+1)
5.	एपीए 304	खरपतवार प्रबंधन	2(1+1)
6.	एएसी 348	उद्यमशीलता का विकास तथा संचार कौशल	2(1+1)
7.	एपीए 303	खेत फसलें II (रबी)	3(2+1)
8.	एबीबी 351	जैव रसायनविज्ञान	3(2+1)
9.	एफएचएल 341	अंग्रेजी में समझ तथा संचार कौशल	2(1+1)
10.	एएनसी 167	एनएसएस	

बी.एससी. (ऑनर्स) बागवानी प्रथम वर्ष

I. सेमिस्टर

क्र.सं.	पाठ्यक्रम सं.	पाठ्यक्रम शीर्षक	क्रेडिट घंटे
1.	एचएनआर 131	मृदा विज्ञान के मूल तत्व	2(1+1)
2.	एबीबी 160	परिचयात्मक फसल कार्यिकी	2(1+1)
3.	एचएफएस 101	बागवानी के मूल तत्व	3(2+1)
4.	एबीबी 161	परिचयात्मक सूक्ष्मजीवविज्ञान	2(1+1)
5.	एफबीएस 142	संचार कौशल एवं व्यक्तित्व विकास	2(1+1)
6.	एबीबी 158	प्राथमिक सांख्यिकी एवं कम्प्यूटर अनुप्रयोग	3(2+1)
7.	एचएफएस 102	आनुवंशिकी एवं कोशिका आनुवंशिकी के सिद्धांत	3(2+1)
8.	एचएसएस 166	अर्थशास्त्र एवं विपणन	3(2+1)



रानी लक्ष्मी बाई केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय

क्र.सं.	पाठ्यक्रम सं.	पाठ्यक्रम शीर्षक	क्रेडिट घंटे
9.	एबीबी 159	प्राथमिक पादप जैव रसायनविज्ञान	2(1+1)
10.	एचएफएल 121	भूदृश्य स्थापत्य व वास्तुशास्त्र के सिद्धांत	1(0+1)

II. सेमिस्टर

क्र.सं.	पाठ्यक्रम सं.	पाठ्यक्रम शीर्षक	क्रेडिट घंटे
1.	एचएनआर 134	बागवानी फसलों में जल प्रबंधन	2(1+1)
2.	एबीबी 162	बागवानी फसलों की वृद्धि एवं विकास	2(1+1)
3.	एचएफएस 104	उष्णकटिबंधीय एवं उपोष्ण फल	3(2+1)
4.	एचएसएस 169	सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी	2(1+1)
5.	एचएनआर 132	मृदा उर्वरता एवं पोषक तत्व प्रबंधन	2(1+1)
6.	एचएनआर 133	पर्यावरणीय अध्ययन एवं आपदा प्रबंधन	3(2+1)
7.	एचएफएस 105	पादप प्रजनन के सिद्धांत	3(2+1)
8.	एचवीएस 101	उष्ण कटिबंधीय एवं उपोष्ण सब्जी फसलें	3(2+1)
9.	एचएफएस 103	पादप प्रवर्धन एवं नर्सरी प्रबंधन	2(1+1)
10.	एचएसएस 170	शारीरिक एवं स्वास्थ्य शिक्षा	1(0+1)
11.		एनएसएस	

बी.एससी. (ऑनर्स) वानिकी प्रथम वर्ष

I. सेमिस्टर

क्र.सं.	पाठ्यक्रम संख्या	पाठ्यक्रम शीर्षक	क्रेडिट घंटे
1	एफबीएस 143	पादप जैवरसायनविज्ञान	2(1+1)
2	एफबीएस 145	मौलिक गणित	2(2+0)
3	एफबीएस 144	वन वनस्पतिविज्ञान	2(1+1)
4	एफएसए 101	वानिकी का परिचय	2(2+0)
5	एफबीएस 142	संचार कौशल एवं व्यक्तित्व विकास	2(1+1)
6	एफएसए 102	वृक्षविज्ञान	3(2+1)
7	एचएनआर 116	सस्यविज्ञान एवं बागवानी का परिचय	3(2+1)
8	एचएनआर 117	भूगर्भ विज्ञान एवं मृदाएं	3(2+1)

क्र.सं.	पाठ्यक्रम संख्या	पाठ्यक्रम शीर्षक	क्रेडिट घंटे
9	एफबीएस 141	सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी	2(1+1)
10	एफबीएस 147	एनएसएस	

II. सेमिस्टर

क्र.सं.	पाठ्यक्रम संख्या	पाठ्यक्रम शीर्षक	क्रेडिट घंटे
1	एफडब्ल्यूएम 136	वन्य जीवन जीवविज्ञान	3(2+1)
2	एफबीटी 112	पादप कोशिका विज्ञान एवं आनुवंशिकी	2(1+1)
3	एफएसए 103	वन-वर्धन का सिद्धांत एवं अभ्यास	3(2+1)
4	एफपीयू 126	काष्ठ रचनाविज्ञान	3(2+1)
5	एफबीटी 111	पादप कार्यिकी	3(2+1)
6	एफबीएस 148	सांख्यिकी विधियां एवं प्रयोगात्मक डिजाइन	3(2+1)
7	एफएनआर 118	वन सुरक्षा	3(2+1)
8	एफबीएस 146	शारीरिक शिक्षा I	1(0+1)
9	एफबीएस 149	शारीरिक शिक्षा II	1(0+1)
10		एनएसएस	

6. अखिल भारतीय समन्वित चना अनुसंधान परियोजना - उप केन्द्र

भा.कृ.अ.प.-अखिल भारतीय समन्वित चना अनुसंधान परियोजना कार्यक्रम के अंतर्गत प्रजनन, रोग प्रबंधन, बीजोत्पादन, अंतर फसलन व पोषक



विश्वविद्यालय अनुसंधान केन्द्र में चने की आशाजनक प्रविष्टियों का मूल्यांकन

तत्व और जल प्रबंधन के बहु-आयामी दृष्टिकोण के साथ बुंदेलखंड क्षेत्र में चने का उत्पादन बढ़ाने के लिए अनुसंधान का तकनीकी कार्यक्रम जारी रहा। वर्ष 2016-17 के रबी मौसम के दौरान चने पर निम्नलिखित समन्वित परीक्षण किए गए:

6.1 पादप प्रजनन

- उपज में भिन्नता, घटक गुणों और प्रमुख रोगों के विरुद्ध प्रतिरोध से युक्त प्रजनन सामग्री सृजित करने के लिए सोलह नए संकर आजमाए गए:

क्र.सं.	संकर
1.	जेएकेआई 9218 × पीबीजी 1
2.	अन्निगेरी × पूसा 212
3.	सीएसजी 2 × डब्ल्यूसीजी 2



रानी लक्ष्मी बाई केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय

क्र.सं.	संकर
4.	डब्ल्यूसीजी 2 × डब्ल्यूसीजी 1
5.	एल-550 × आरजीएस 10
6.	एल-550 × दिग्विजय
7.	एल-550 × बीजी 1053
8.	डब्ल्यूसीजी 1 × डब्ल्यूसीजी 2
9.	दिग्विजय × डब्ल्यूसीजी 2
10.	डब्ल्यूसीजी-2 × डब्ल्यूसीजी 95-50

क्र.सं.	संकर
11.	बीजी 1003 × डब्ल्यूसीजी 2
12.	डब्ल्यूसीजी 1 × आईसीसीवी 11013
13.	डब्ल्यूसीजी 1 × आईसीसीवी 12016
14.	आरएसजी 10 × डब्ल्यूसीजी 2
15.	डब्ल्यूसीजीके-.2000-16 × डब्ल्यूसीजी 2
16.	डब्ल्यूसीजी × डब्ल्यूसीजीके-.2000-16

- अगली पीढ़ी में मूल्यांकन, चयन तथा आगे बढ़ाने के लिए प्रजनन सामग्री को विभिन्न पीढ़ियों में उगाया गया

पीढ़ी	संकरों की संख्या	एसपीएस	विपुल
एफ3	6 (जेजी 6 × जेजी 12; जेजी 6 × जेएससी 37; जेजी 16 × आईपीसी 2009-191; एसएकेआई 1956 × बीजी 2049; सीएसआई 515 × 1958; पूसा 391 × जीएनजी 1581)	154	6
एफ4	25 (आईपीसी 1155 × आईसीसीवी 7110; जेजी33 × जेजी 74; जेजी33 × जेजीके 43; इक्रीसेट से प्राप्त एफ4 समष्टि)	209	5
एफ5	1 (भा.कृ.अ.सं. से उपज परीक्षण)	25	23
एफ6	5 (भा.कृ.अ.सं. केन्द्र से परीक्षण)	25	30
एफ 7	15 (भा.कृ.अ.सं. केन्द्र से परीक्षण)	80	-
एजीबीएल	एजीबीएल सेहोर 17-113 (आईसीसी 4958 × फुले जी5), एजीबीएल सेहोर 17-110 (आईसीसीवी10 × आईसीसी87322), एजीबीएल सेहोर 17-105 (जेजी 74 × जेएससी 40)	-	3

विभिन्न केन्द्र परीक्षणों के दौरान आशाजनक प्रविष्टियों की उपज संक्षेप में दी जा रही है :

परीक्षण	प्रविष्टियों की संख्या	आशाजनक प्रविष्टियां तथा उनकी उपज (कि.ग्रा./हैक्टर)
इक्रीसेट आईसीवीटी-देसी	20	आईसीसीवी 16103 (3020 कि.ग्रा./है.), आईसीसीवी 16105 (3010 कि.ग्रा./है.), आईसीसीवी 16116 (2875 कि.ग्रा./है.), आईसीसीवी 16111 (2812 कि.ग्रा./है.)
इक्रीसेट आईसीवीटी-काबुली	20	आईसीसीवी 16303 (1500 कि.ग्रा./है.), आईसीसीवी 16307 (1514 कि.ग्रा./है.)
एसटी-2	26	एसटी-5-20 (2531 कि.ग्रा./है.), एसटी-5-21-1 (2125 कि.ग्रा./है.)
एसटी-1	8	बीजीएम 10243 (1631 कि.ग्रा./है.)
पीवाईटी	49	एफ5-1 (2711 कि.ग्रा./है.), एफ-5-26 (2356 कि.ग्रा./है.)

वार्षिक रिपोर्ट 2016-17

एनबीपीजीआर, नई दिल्ली से प्राप्त की गई चने की जननद्रव्य प्रविष्टियों को वर्ष के दौरान 3 विभिन्न स्थितियों में नामतः समय पर बुवाई, मध्यम पछेती बुवाई व पछेती बुवाई की दशाओं के अंतर्गत उर्वरकों की अनुशांसित खुराक के साथ उगाया गया व उनका अनुरक्षण तथा मूल्यांकन किया गया।

बुंदेलखंड में मौजूद बारानी दशाओं के लिए उपयुक्त चने की किस्मों के निष्पादन का मूल्यांकन अनुशांसित कवकनाशियों से उपचार के साथ रबी मौसम के दौरान प्रदर्शन प्लॉट (24.0 एम²) में किया गया (तालिका 3)।

तालिका 3: रबी 2016-17 के दौरान प्रदर्शन प्लॉटों में चने की विभिन्न किस्मों (अप्रतिकृत) का निष्पादन

क्र.सं.	किस्में/जीनप्ररूप	उपज (क्वि./ हैक्टर)	परिपक्वता (दिनों में)	बीज का आकार (ग्रा./100 बीज)	टिप्पणी
काबुली चना					
1.	बीजी 5023	10.37	120	38.80	रोग सहिष्णु
2.	बीजी 1108	10.37	120	28.33	बारानी
3.	बीजी 2024	19.82	119	24.40	सिंचित एवं बारानी
4.	बीजी 1003	19.31	120	28.33	उकठा के प्रति सहिष्णु
5.	बीजी 1053	27.58	124	23.70	बारानी, उकठा प्रतिरोधी
6.	डब्ल्यूसीजीके 2000-16	16.21	123	28.80	ब्लाइट के प्रति सहिष्णु
हरा चना					
7.	बीडीजी 112	17.50	121	20.69	गहरी हरी पत्तियां
देसी चना					
8.	बीजीएम 547	24.46	117	33.33	सिंचित, उत्तर-पश्चिम मैदानी क्षेत्र
9.	बीजी 5028	19.54	122	25.50	अतिरिक्त बड़ा बीज
10.	बीजी 372	27.32	119	27.74	बारानी, केन्द्रीय क्षेत्र
11.	बीजी 362	22.25	119	25.10	बारानी, पश्चिमी उत्तर प्रदेश
12.	पूसा 244	12.08	114	15.60	बारानी, सिंचित, पश्चिमी उ.प्र.
13.	सी 235	13.87	115	13.00	पुराना, व्यापक अनुकूलनशीलता
14.	जेजी 130	16.48	113	15.23	बारानी, सिंचित, मध्य प्रदेश
15.	आरएसजी 902	18.40	116	28.41	बारानी
16.	फुले जी 5	20.80	112	24.91	सामान्य, केन्द्रीय क्षेत्र
17.	पीडीजी 4	18.04	115	16.47	बारानी
18.	दिग्विजय	18.04	115	26.82	बारानी



क्र.सं.	क्रिस्में/जीनप्ररूप	उपज (किं.व./ हैक्टर)	परिपक्वता (दिनों में)	बीज का आकार (ग्रा./100 बीज)	टिप्पणी
19.	सीएसजी 8962	22.00	126	14.55	लवण सहिष्णु
20.	पीबीजी 1	18.00	114	13.53	बारानी, पश्चिमी उत्तर प्रदेश
21.	एन्नेगेरी	21.82	110	17.18	बारानी
22.	जेजी 315	25.41	114	15.50	बारानी, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश
23.	आईसीसीवी 92944	14.27	112	23.17	बारानी
24.	आरएसजी 888	15.13	114	22.23	बारानी, पश्चिम उत्तर प्रदेश
25.	पूसा 372	15.33	115	12.76	बारानी, उत्तर प्रदेश, केन्द्रीय क्षेत्र
26.	जेजी 11	15.25	116	20.04	बारानी, दक्षिण क्षेत्र
27.	जाकी 9218	14.79	115	15.08	बारानी, केन्द्रीय क्षेत्र
28.	बीजी 1103	19.31	119	28.33	रोग प्रतिरोधी
29.	बीडीजे 72	21.34	120	28.28	बारानी, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश
30.	डब्ल्यूसीजी 95.50	20.55	117	17.83	सूखा सहिष्णु प्रभेद
31.	बीजी 391	31.57	120	22.36	सीधा, बारानी - केन्द्रीय क्षेत्र के लिए
32.	डब्ल्यूसीजी-1	24.06	118	22.56	लवण सहिष्णु, उत्तर प्रदेश
33.	डब्ल्यूसीजी-2	26.46	119	15.45	श्वेत पुष्प वाला, उत्तर प्रदेश

6.2 पादप रोगविज्ञान

सौंपे गए तकनीकी कार्यक्रम के अनुसार आईवीटी, एवीटी1, एवीटी2 (देसी, काबुली, बारानी, पछेती बोए गए चने) की 252 प्रविष्टियों का झुलसा तथा शुष्क जड़ सड़न रोगों के विरुद्ध मूल्यांकन किया गया। पर्यवेक्षणों तथा उपलब्धियों की प्रमुख विशेषताएं निम्नानुसार हैं:

- उकठा ("फ्यूजेरियम ऑक्सीस्पोरम प्रजाति साइसेरी) तथा शुष्क जड़ सड़न (राइज़ोक्टोनिया बटाटीकोला) बुंदेलखंड क्षेत्र में चने के प्रमुख रोग हैं।
- ◆ 92 प्रविष्टियों में 70 प्रतिशत और इससे अधिक उकठा का प्रकोप देखा गया, जिनमें

से 19 प्रविष्टियों में 80-95 प्रतिशत उकठा रोग पाया गया।

- ◆ 14 प्रविष्टियों में उकठा का 20 प्रतिशत से कम अर्थात् निम्न प्रकोप पाया गया।



खेत में मौजूद फसल में शुष्क जड़ सड़न तथा उकठा रोग

- ◆ 59 प्रविष्टियों में 60-95 प्रतिशत तक जड़ सड़न का आक्रमण हुआ।
- ◆ 16 प्रविष्टियों में 20 प्रतिशत से कम जड़ सड़न रोग देखा गया।
- उकठा रोग झांसी जिले के लगभग सभी गांवों में मौजूद था। यह रोग 20 से 35 प्रतिशत के बीच व्याप्त था।
- गीली मिट्टी की दशाओं के अंतर्गत पौध अवस्था में स्कंध सड़न (स्कलेरोटियम रॉल्फसी) रोग व्याप्त था। मृदा में उच्चतर नमी तथा बुवाई के समय लगभग 28-30° से. तापमान होने पर रोग का प्रकोप अधिक देखा गया।
- इस रोगजनक को अनुशासित तकनीक का उपयोग करके आलू डैक्सट्रोज एगर पर विलगित किया गया।
- विलगित किए गए रोगजनक के आकृतिविज्ञानी तथा संवर्धनात्मक गुणों की पहचान सामान्य रूप से देखकर तथा सूक्ष्मदर्शी की सहायता से की गई।
- शुष्क जड़ सड़न के लिए विलगित रोगी प्लॉट तथा रोगी प्लॉट के विकास हेतु क्रमशः “फ्यूजेरियम ऑक्सीस्पोरम एफ.एसपी. साइसेरिस तथा राइज़ोक्टोनिया बटाटीकोला का उपयुक्ततम संरोप भार होना चाहिए।

रोग प्रतिक्रिया के संदर्भ में इन परिणामों की और अधिक पुष्टि किए जाने की आवश्यकता है।

7. विस्तार गतिविधियां

7.1 पार्थेनियम जागरूकता सप्ताह का आयोजन

सामान्यतः स्थानीय रूप से गाजर घास या कांग्रेस घास के नाम से प्रख्यात पार्थेनियम हिस्टोफोरस एक विदेशी खरपतवार है, जो भारत में 1950 के दशक के आरंभ में अमेरिका से आयातित गेहूं के साथ आई थी। इसे सर्वप्रथम 1955-56 में महाराष्ट्र में पुणे में देखा गया और तब से यह बहुत तेजी से फैल रही है तथा इसने हमारे देश की लगभग 35 मिलियन हैक्टर भूमि पर कब्जा कर लिया है। यह फसल युक्त तथा फसलहीन भूमियों, नगरीय आवासों, रेल तथा सड़कों के किनारे व संस्थाओं के आस-पास के क्षेत्रों में व्यापक रूप से फैल गई है। यह घृणित खरपतवार कृषि उत्पादकता, मानव तथा पशुओं के स्वास्थ्य और जैवविविधता को अत्यधिक क्षति पहुंचा रहा है। इस खरपतवार की गंभीरता तथा इससे उत्पन्न होने वाले खतरे को ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय ने 16-22 अगस्त 2016 के दौरान ‘11वां पार्थेनियम जागरूकता सप्ताह’ आयोजित करके एक वृहत अभियान चलाया, ताकि किसानों तथा जन-सामान्य को पार्थेनियम के कुप्रभाव व इसके प्रबंध



पार्थेनियम के दुष्प्रभाव के बारे में किसानों और जन-सामान्य का शिक्षण



रानी लक्ष्मी बाई केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय



विश्वविद्यालय के प्रदर्शन भ्रमण पर आत्मा (क) तथा मध्य प्रदेश राज्य सरकार (ख) द्वारा प्रायोजित किसानों के दल

की विधियों के बारे में शिक्षित किया जा सके। इस सप्ताह के दौरान निबंध लेखन, वाद-विवाद व पोस्टर प्रस्तुतीकरण आदि अनेक कार्यक्रम आयोजित किए गए। किसानों में जागरूकता सृजित करने तथा उन्हें पार्थेनियम के फैलाव को बचाने या उसका उन्मूलन करने से संबंधित आवश्यक उपायों के बारे में शिक्षित किया गया। “इसे समाप्त करने का सर्वश्रेष्ठ तरीका इसे हाथ से उखाड़ कर जमीन में गाड़ देना है”, यह विशेषज्ञों द्वारा दिया गया प्रमुख संदेश था। किसानों को समेकित उपाय अपनाने की सलाह दी गई, जिसमें इस खरतपवार के उन्मूलन के यांत्रिक, सस्यविज्ञानी, रासायनिक, जीवविज्ञानी तथा सामाजिक उपाय शामिल हैं। इन घटनाओं को प्रिंट तथा इलेक्ट्रॉनिक मीडिया द्वारा व्यापक कवरेज प्रदान किया गया।

7.2 किसानों के लिए प्रदर्शन भ्रमण

1. भारत सरकार ने विस्तार सुधारों में सहायता के लिए ‘कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंध एजेंसी (आत्मा)’ का शुभारंभ किया। आत्मा योजना के लाभों को किसानों तक पहुंचाने के लिए कृषि विश्वविद्यालयों तथा अनुसंधान संस्थाओं द्वारा खेती की श्रेष्ठ विधियां अपनाने के साथ-साथ किसानों के लिए प्रदर्शन भ्रमणों का आयोजन किया जाता है। आत्मा द्वारा प्रायोजित ‘राज्य के बाहर कृषक भ्रमण’ कार्यक्रम के अंतर्गत भोपाल के 15 किसानों के एक दल ने 26 नवम्बर 2016 को रानी लक्ष्मी बाई केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, झांसी का भ्रमण किया। इस दल

के साथ उप परियोजना निदेशक डॉ. एस.के. राठौर तथा ब्लॉक प्रौद्योगिकी प्रबंधक श्री अमर दीक्षित थे। किसानों को विश्वविद्यालय कृषि फार्म पर अपनाई जाने वाली खेती की प्रगत प्रौद्योगिकियों तथा विधियों के साथ-साथ फसल और सब्जी उत्पादन के विभिन्न पहलुओं के बारे में अवगत कराया गया।

2. किसान कल्याण तथा कृषि विकास ब्लॉक, जिला टीकमगढ़ (मध्य प्रदेश) से आए 32 किसानों के एक दल ने 20 मार्च 2017 को मध्य प्रदेश राज्य सरकार की ‘मुख्यमंत्री खेत तीर्थ योजना’ के अंतर्गत ‘राज्य के बाहर कृषक भ्रमण’ कार्यक्रम में विश्वविद्यालय का भ्रमण किया। इस योजना का मुख्य उद्देश्य किसानों को खेती की नई तकनीकों से अवगत कराकर उनका सशक्तिकरण व कल्याण करना है। कृषि की नई प्रौद्योगिकियों के सम्पर्क में आने से किसान खेती की उन्नत तकनीकों को अपनाने के प्रति प्रोत्साहित होते हैं। किसानों को फसलों की खेती की विभिन्न विधियों व सब्जी उत्पादन, जैविक खेती के लाभों और कृषि की विभिन्न तकनीकों के बारे में प्रत्यक्ष रूप से बताया गया। इसके लिए उन्हें विश्वविद्यालय के कृषि तथा सब्जी फार्म भी दिखाए गए।
3. किसान कल्याण तथा कृषि विकास ब्लॉक, कुरावई, जिला विदिशा (मध्य प्रदेश) के 10 किसानों के एक दल ने श्री एस.एन. राजपूत, ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी के साथ 25

मार्च 2017 को 'मुख्यमंत्री खेत तीर्थ योजना' के 'राज्य के बाहर कृषक भ्रमण' कार्यक्रम के अंतर्गत विश्वविद्यालय का भ्रमण किया। किसानों को फसल और सब्जी उत्पादन, जैविक खेती के लाभों और विश्वविद्यालय के कृषि व सब्जी फार्म में अपनाई जाने वाली कृषि की वैज्ञानिक विधियों के विभिन्न पहलुओं से अवगत कराया गया।

4. 'आत्मा' द्वारा प्रायोजित राज्य कृषि विद्यालय, जिला बांदा (उत्तर प्रदेश) के 16 किसानों के एक दल ने 12 जून 2017 को विश्वविद्यालय का भ्रमण किया। किसानों ने विश्वविद्यालय के सब्जी तथा कृषि फार्म क्षेत्र देखे तथा बीजोत्पादन, फसलों की सस्यविज्ञानी विधियों व सब्जी उत्पादन, जैविक खेती के लाभों, कृषि औजारों व खेती की अन्य विधियों से संबंधित

नवीनतम विकासों के बारे में चर्चा की।

7.3 अग्र-पंक्ति प्रदर्शन

अग्र-पंक्ति प्रदर्शन पिछली शताब्दी के 80 के दशक के मध्य में तिलहनी फसलों के प्रौद्योगिकी मिशन की शुरूआत के साथ भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा विकसित की गई खेत प्रदर्शन की एक नई संकल्पना है। अग्र-पंक्ति प्रदर्शनों का मुख्य उद्देश्य विविध कृषि जलवायु वाले विभिन्न क्षेत्रों और फार्म की स्थितियों के अंतर्गत किसानों के खेतों में फसलोत्पादन व सुरक्षा की नव विकसित तकनीकों और उनकी प्रबंधन विधियों का प्रदर्शन करना है। किसानों के खेतों में प्रौद्योगिकियों का प्रदर्शन करते समय वैज्ञानिक उच्चतर फसलोत्पादन में योगदान देने वाले कारकों व उत्पादन में आने वाली खेती संबंधी बाधाओं का अध्ययन करते हैं और इस प्रकार उत्पादन





संबंधी आंकड़े व फीडबैक सूचना तैयार करते हैं। बुंदेलखंड क्षेत्र में तोरिया-सरसों की उपज क्षमता बढ़ाने के लिए विश्वविद्यालय तथा भा.कृ.अ.प.- तोरिया सरसों अनुसंधान निदेशालय, सेवार, भरतपुर के बीच क्षेत्र में अग्र-पंक्ति प्रदर्शनों के माध्यम से तोरिया-सरसों की उन्नत उत्पादन प्रौद्योगिकी का मूल्यांकन व हस्तांतरण करने के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। तोरिया-सरसों की पांच उन्नत किस्मों नामतः एनआरसीएचबी-101, एनआरसीडीआर-2, डीआरएमआर आईजे-31, आरएच-749 तथा आरएच-406 को उगाकर वर्ष 2016-17 के रबी मौसम के दौरान झांसी जिले के बबीना और बादागांव के चार गांवों (कंचनपुर, धिकौली, कोट-बहेटा और मावी) में किसानों के खेतों में चालीस अग्र-पंक्ति प्रदर्शन आयोजित किए गए। ये प्रदर्शन तोरिया-सरसों की खेती की विद्यमान विधियों और उन्नत प्रौद्योगिकी के विभिन्न पहलुओं के तुलनात्मक मूल्यांकन हेतु बैचमार्क सर्वेक्षण के आधार पर आयोजित किए गए (तालिका 4)

किसानों में उनके द्वारा अपनाई जाने वाली बीज बुवाई की छिड़काव विधि की तुलना में उन्नत प्रौद्योगिकी के प्रति अत्यधिक उत्साहजनक प्रतिक्रिया देखी गई इससे बीज की 40 प्रतिशत बचत हुई, पौधों की उपयुक्ततम संख्या बनाए रखी गई तथा 20-40 प्रतिशत उच्चतर उपज व आर्थिक लाभ (सकल, निवल तथा लाभ-लागत अनुपात) प्राप्त हुआ। किसान इस तथ्य से संतुष्ट थे कि समय पर बुवाई करने से सरसों की उपज में और अधिक वृद्धि हो सकती है।

तालिका 4: तोरिया-सरसों पर अग्र पंक्ति प्रदर्शनों के घटक

प्रदर्शन प्रौद्योगिकी के घटक	विद्यमान कृषक विधियां
उन्नत किस्में कतार में बुवाई (45 सें.मी. पर) अनुसंचित सिंचाई (दो : बुवाई के 35 दिन बाद तथा फलियां बनने पर) आवश्यकतानुसार पादप सुरक्षा के उपाय	स्थानीय किस्में बुवाई की छिड़काव विधि दो से अधिक सिंचाइयां पादप सुरक्षा का कोई उपाय नहीं

खेती की विधियों के उन्नत पैकेज को अपनाने से किसानों द्वारा इस क्षेत्र में अपनाई जाने वाली खेती की परंपरागत विधियों की तुलना में उपज (1283 कि.ग्रा./है.) में औसतन 30.9 प्रतिशत की वृद्धि हुई तथापि, एनआरसीएचबी-101 (1328.5 कि.ग्रा./है.) तथा आरएच 406 (1365.0 कि.ग्रा./है.) की माध्य औसत उपज एनआरसीडीआर-2 (1297.0 कि.ग्रा./ है.), आरएच-749 (1259.0 कि.ग्रा./है.) तथा डीआरएमआर-आईजे-31 (1220.0 कि.ग्रा./है.) की तुलना में उच्चतर थी।

8. बुनियादी ढांचे का विकास

8.1 फसल कैफेटेरिया व कृषि फार्म का विकास

फसलोत्पादन के सिद्धांत को व्यवहार में परिवर्तित करने और खेत की वास्तविक स्थितियों में निर्णय लेने के लिए छात्रों में कृषि प्रयोगात्मक कौशल का संचार करने के लिए एक फसल कैफेटेरिया विकसित किया गया है। प्रदर्शन प्लॉटों को विभिन्न कृषि अनुसंधान संस्थानों व विश्वविद्यालयों से एकत्र की गई बीज सामग्री का उपयोग करके विभिन्न फसलों की किस्मों की उन्नत खेती तथा उचित सस्यविज्ञानी/पादप सुरक्षा की विधियों को अपनाते हुए विकसित किया गया।

वर्ष के दौरान प्रदर्शन ब्लॉकों में अनेक परंपरागत खेत फसलें जैसे गेहूं, जौ, जई, तोरिया और सरसों की विभिन्न जातियां, अलसी, सूरजमुखी, कुसुम, चना, मसूर, दाल मटर, आलू, बरसीम, मूंग, उड़द, मक्का



आदि उगाई गई। विश्वविद्यालय का उद्देश्य बुंदेलखंड क्षेत्र में उन्नत किस्मों/संकरों की उपयुक्ततम उपज क्षमता प्राप्त करने के लिए खेती की उचित विधियों को मानकीकृत करना है। इसके अंतर्गत परिशुद्ध खेती की विधियों, जननद्रव्य संकलन, सस्योत्तर प्रबंध व खेत फसलों में मूल्यवर्धन पर विशेष बल दिया जा रहा है।

8.2 सब्जी उत्पादन एवं प्रदर्शन इकाई का विकास

बागवानी भारतीय कृषि में तेजी से विकसित होता हुआ क्षेत्र है। गैर-खाद्यान्न पदार्थों जैसे फलों और सब्जियों की मात्रा बढ़ाकर तथा खाद्यान्नों का हिस्सा कम करके उपभोग की प्रवृत्ति में महत्वपूर्ण परिवर्तन हो रहा है। सब्जियां हमारे आहार में प्रोटीन, विटामिन, खनिज, आहारिय रेशा, सूक्ष्म पोषक तत्व, प्रतिऑक्सीकारक व पादप-रसायन का महत्वपूर्ण स्रोत हैं। इनकी खेती की अल्पावधि, उच्च उपज व पोषणिक समृद्धि, आर्थिक रूप से व्यवहारिकता और फार्म पर व फार्म से इतर इनकी रोजगार सृजित करने की क्षमता के कारण यह पोषणिक सुरक्षा में उल्लेखनीय योगदान देती हैं। सब्जियों की मांग में बढ़ोतरी के प्रमुख कारणों में प्रति व्यक्ति बढ़ती हुई आय, स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता, शहरीकरण, कार्यशील महिलाओं की संख्या में बढ़ोतरी व आय में अनुकूल वृद्धि है तथा यह हमारे देश में सब्जी फसलों के विकास की दृष्टि से महत्वपूर्ण भी है।

बुंदेलखंड क्षेत्र के लिए उपयुक्त विभिन्न सब्जियों

के उत्पादन की सम्पूर्ण प्रौद्योगिकी पैकेज का छात्रों के समक्ष प्रदर्शन करने तथा प्रौद्योगिकी एवं तकनीकों के त्वरित प्रचार-प्रसार हेतु प्रभावी युक्ति के रूप में विश्वविद्यालय के फार्म पर एक सब्जी उत्पादन इकाई विकसित की गई है।

पिछले वर्ष से इस इकाई में अनेक परंपरागत सब्जी फसलें जैसे टमाटर, बैंगन, मिर्च, खीरा, कद्दू, खरबूजा-तरबूज, लौकी वर्गीय सब्जियां, भिण्डी, फलियां, मटर, जड़दार फसलें, पत्तेदार सब्जियां, कम प्रचलित पोई साग, परवल, कुंदरू तथा विदेशी सब्जियां ब्रोकोली, स्वीट कॉर्न आदि भी उगाई जा रही हैं। विश्वविद्यालय बुंदेलखंड क्षेत्र के लिए सब्जियों की आशाजनक उन्नत किस्मों/संकरों की उपयुक्ततम उपज प्राप्त करने के लिए अनुकूल सस्यविज्ञानी विधियों के पैकेज के मानकीकरण पर कार्य कर रहा है। इसके अतिरिक्त सब्जी फसलों की परिशुद्ध खेती की विधियों व जैविक खेती की तकनीकों के विकास, जननद्रव्य संकलन, सस्योत्तर प्रबंध व मूल्यवर्धन पर भी विशेष बल दिया जा रहा है।

छात्रों, किसानों, आगंतुकों व सब्जी क्षेत्र के अन्य हितधारकों को सब्जी उत्पादन की प्रौद्योगिकियों के प्रदर्शन के लिए लगभग 5000 वर्ग मी. क्षेत्र में विश्वविद्यालय सब्जी अनुसंधान एवं उत्पादन फार्म पर एक प्रदर्शन ब्लॉक स्थापित किया गया है। सार्वजनिक तथा निजी क्षेत्र द्वारा विकसित निम्न सब्जियों की



रानी लक्ष्मी बाई केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय



सब्जी उत्पादन एवं प्रदर्शन इकाई की एक झलक

उन्नत तथा लोकप्रिय किस्मों का प्रदर्शन उनके लिए अनुशासित खेती की वैज्ञानिक विधियों के साथ नीचे दर्शाया गया है:

क्र.सं.	सब्जी	प्रदर्शित किस्मों की संख्या
1.	चौलाई	04
2.	पोई साग	02
3.	चुकंदर	01
4.	करेला	02
5.	लौकी	03
6.	बैंगन	01
7.	बाकला	03
8.	ब्रोकली	01
9.	बंदगोभी	01
10.	गाजर	01

क्र.सं.	सब्जी	प्रदर्शित किस्मों की संख्या
11.	फूलगोभी	02
12.	मिर्च	01
13.	धनिया	05
14.	लोबिया	04
15.	खीरा	01
16.	लहसुन	01
17.	कुंदरू	01
18.	फूट	01
19.	मेथी	04
20.	खरबूजा	01
21.	सरसों साग	01
22.	भिण्डी	05
23.	प्याज	01

क्र.सं.	सब्जी	प्रदर्शित किस्मों की संख्या
24.	पालक	05
25.	मटर	09
26.	कद्दू	02
27.	मूली	04
28.	सेम	02
29.	पालक	01
30.	तोरई	01
31.	चप्पन कद्दू	02
32.	शकरकंद	01
33.	टमाटर	05
34.	शलगम	02
35.	तरबूज	01

8.3 प्रयोगशालाओं की स्थापना

कृषि विश्वविद्यालयों के लिए आधुनिक तथा उच्च गुणवत्ता वाली प्रयोगशालाओं का होना अनिवार्य है क्योंकि कृषि तथा सम्बद्ध विज्ञान प्रयोगोन्मुख हैं तथा यह अन्य परंपरागत विषयों से काफी भिन्न होते हैं। कृषि की मूल संकल्पनाओं को समझने के लिए छात्रों से पुस्तकों तथा कक्षाओं में परंपरागत शिक्षण से आगे देखने की अपेक्षा की जाती है। कृषि विज्ञान के विभिन्न विषयों के प्रभावी शिक्षण व उन्हें सीखने में वास्तविक वस्तुओं व सामग्री को

देखना, उनकी साज-संभाल करना व उनमें फेरबदल करना शामिल है। आवश्यक कुशलताओं का संचार करने व उन्हें सबल बनाने, तत्काल प्रशिक्षण देने व सामग्री के पर्यवेक्षण व उनमें फेरबदल करने का आरंभिक अनुभव प्रदान करने के लिए छह विशेषज्ञ प्रयोगशालाओं की स्थापना की गई है। इनमें से प्रत्येक बागवानी, वानिकी, आनुवंशिकी एवं जैव प्रौद्योगिकी, मृदा विज्ञान एवं सस्यविज्ञान, पादप रोगविज्ञान के लिए है और इसके साथ एक पूर्वस्नातक प्रयोगशाला भी है। इन प्रयोगशालाओं को विभिन्न विषयों में प्रभावी प्रयोगात्मक शिक्षण के लिए सुसज्जित किया गया है। कुल 09 डेस्कटॉप कम्प्यूटरों व बीएसएनएल ब्रॉडबैंड कनेक्शन से युक्त एक कम्प्यूटर प्रयोगशाला भी विकसित की गई है।

8.4 पुस्तकालय एवं आईटी सुविधाएं

विश्वविद्यालय ने अपने मुद्रित संसाधन जैसे पुस्तकों, जर्नलों व प्रतिवेदनों तक पहुंच उपलब्ध कराने के उद्देश्य से पुस्तकालय की स्थापना की है, जिसका उपयोग संकाय सदस्य, स्टाफ और छात्र करते हैं। पुस्तकालय द्वारा अपने पाठकों को इलेक्ट्रॉनिक संसाधन, सूची-पत्र तथा छाया संकलनों के उपयोग करने और वर्ड-प्रोसेसिंग के साथ-साथ सामान्य ब्रॉडबैंड इंटरनेट व ई-मेल का इस्तेमाल करने





रानी लक्ष्मी बाई केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय



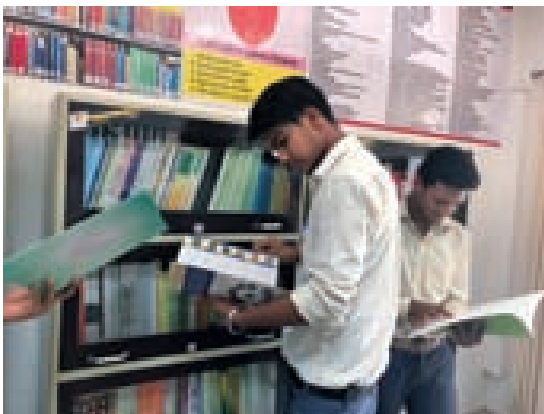
प्रयोगशालाओं में कार्यरत छात्र

की सुविधाएं भी प्रदान की हैं। विश्वविद्यालय ने छात्रों को उनके स्थान पर ही शिक्षा प्रदान करने व भा.कृ.अ.प. द्वारा विकसित ई-अधिगम पाठ्यक्रमों में सहायता पहुंचाने के प्रयास के रूप में ई-अधिगम पहल की है। ये ई-पाठ्यक्रम एक सशक्त दृष्टव्य माध्यम के द्वारा परस्पर सम्पर्कशील, बहु-संवेदी

ई-पाठ्यक्रम उपलब्ध कराते हैं, जिनमें कक्षा में दिए जाने वाले शिक्षण जैसी सरलता भी होती है।

8.5 पूर्व निर्मित शैक्षणिक एवं छात्रावास खंड

विश्वविद्यालय की निर्माण एजेंसी एनबीसीसी ने पूर्व निर्मित संरचनाओं का उपयोग करके शैक्षणिक एवं



पुस्तकालय तथा कम्प्यूटर प्रयोगशाला में छात्र

छात्रावास खंड का निर्माण किया है। शैक्षणिक खंड लगभग 500 वर्ग मी. क्षेत्र में तथा छात्रावास लगभग 1550 वर्ग मी. क्षेत्र में फैला हुआ है। इस खंड में कक्षाओं के अतिरिक्त चार प्रयोगशालाएं नामतः बागवानी, मृदा विज्ञान और सस्यविज्ञान, आनुवंशिकी, जैवप्रौद्योगिकी कार्यालय एवं जैव रसायनविज्ञान तथा वानिकी स्थापित की गई हैं। छात्रावास खंड में 100 छात्रों के रहने की सुविधा उपलब्ध होगी। एनबीसीसी को प्रशासनिक ब्लॉक के अतिरिक्त कृषि, बागवानी एवं वानिकी संकाय के शैक्षणिक भवन, छात्रावासों



तथा कुलपति निवास के निर्माण का कार्य भी सौंपा गया है।

9. वित्त एवं बजट

विश्वविद्यालय अपनी गतिविधियों को चलाने के लिए कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार से धनराशि प्राप्त करता है। शैक्षणिक वर्ष 2016-17 के दौरान विश्वविद्यालय को मात्र 35.49 करोड़ रुपये का बजट आबंटित किया गया। 31 मार्च 2017 को तुलन-पत्र तथा 31 मार्च 2017 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए आय और व्यय के लेखे क्रमशः अनुबंध-VI और VII में दिए गए हैं।

10. अन्य प्रमुख गतिविधियां/घटनाएं

10.1 भारत के माननीय राष्ट्रपति का छात्रों और संकाय सदस्यों को सम्बोधन

भारत के माननीय राष्ट्रपति केन्द्रीय विश्वविद्यालयों, आईआईटी, एनआईटी व उच्च शिक्षा की अन्य संस्थाओं के विजिटर के रूप में राष्ट्रीय ज्ञान नेटवर्क (एनकेएन) का उपयोग करके वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से वर्ष में दो बार छात्रों तथा संकाय सदस्यों को सम्बोधित करते हैं। इनमें से एक सम्बोधन जनवरी में तथा दूसरा अगस्त में शैक्षणिक वर्ष आरंभ होने पर दिया जाता है। 'विजिटर-केन्द्रीय संस्थानों से संवाद' के अंग के रूप में भारत के माननीय राष्ट्रपति ने नवोन्मेष : जीवन शैली तथा सुखी समाज का निर्माण विषयों पर क्रमशः 10 अगस्त 2016 व 10 जनवरी 2017 को उच्च शिक्षा के संस्थानों को सम्बोधित किया। इस सम्बोधन का सजीव टेलीकास्ट विश्वविद्यालय में सफलतापूर्वक आयोजित किया गया जिसमें सभी छात्रों व संकाय सदस्यों ने भाग लिया। राष्ट्रपति महोदय ने "नवोन्मेष : जीवन शैली" शीर्षक के अपने सम्बोधन में सशक्त भारत द्वारा



भारत के माननीय राष्ट्रपति श्री प्रणब मुखर्जी छात्रों तथा संकाय सदस्यों को सम्बोधित करते हुए

अधिक समग्र, विविध, स्थायी तथा नवोन्मेषी समाज के निर्माण की दिशा में बढ़ने के लिए नौ सूत्र प्रस्तावित किए जिनमें शामिल हैं : (i) जब बच्चे ऐसा प्रश्न पूछें जिनका हमारे पास कोई उत्तर न हो तब हम उन्हें न डांटे; (ii) हम अपने वैज्ञानिक सोच के प्रतिकूल विश्वासों पर शंका जताते हुए वैज्ञानिक सोच को बढ़ावा दें व उन्हें अपनाएं; (iii) विद्यालयों, महाविद्यालयों व अनुसंधान संस्थाओं में नवोन्मेषी क्लब व सुधार प्रयोगशालाएं स्थापित करें; (iv) औपचारिक एवं अनौपचारिक ज्ञान प्रणालियों के बीच व्यावहारिक तथा टिकाऊ सेतु का निर्माण करें; (v) रोजगार गारंटी योजनाओं तथा कौशल विकास कार्यक्रमों को लागू करते समय अपने सांस्कृतिक, प्रौद्योगिकीय व परंपरागत कौशलों को उचित महत्व व मान्यता प्रदान करें; (vi) अपनी शिक्षा प्रणाली को समकालीन सामाजिक अपेक्षाओं के अनुरूप बनाएं; (vii) अपने मन में गहरी पैठी हुई जड़ता को दूर करें और निरंतर अपने से यह पूछें कि मैं अपनी समस्या को किस प्रकार हल कर सकता हूँ? क्या मैं अब भी प्रयास करूँ, जबकि मैं पहले कई बार असफल हो चुका हूँ?; (viii) स्वयं में तत्काल कार्य करने की भावना का विकास करें क्योंकि समय किसी की प्रतीक्षा नहीं करता है; तथा (ix) अकुशलता, घृणास्पदता व घटिया गुणवत्ता वाले कार्य को सहन न करें। उन्होंने छात्रों को नए वर्ष

का संदेश देते हुए उनसे सुखी समाज के निर्माण का आह्वान किया तथा सदैव मुस्कराते हुए सीखकर, जीवन में हंसते हुए, स्वयं को प्रकृति व समुदाय से जोड़ कर समाज को सुखी बनाने का परामर्श दिया। उन्होंने छात्रों को खेल-कूद में रुचि लेने तथा स्वस्थ काया बनाने की सलाह भी दी। हमारे आस-पास मौजूद नकारात्मक सोच पर ध्यान दिलाते हुए राष्ट्रपति महोदय ने कहा कि महिलाओं के विरुद्ध हिंसा, सड़क पर आक्रोश, अनावश्यक रूप से संसाधनों का दुरुपयोग तथा आत्म हत्याएं हमारे दुखी रहने का ही परिणाम हैं। नकारात्मक भावनाओं के स्थान पर सकारात्मक विचारों का सृजन करके इनसे निपटा जा सकता है। उन्होंने श्रोताओं को योगाभ्यास तथा ध्यान करने व आंतरिक सुख प्राप्त करने, पुस्तकों को अपना सर्वश्रेष्ठ मित्र बनाने, कला एवं संस्कृति के प्रति रुचि विकसित करने व आजीवन सीखते रहने की आदत डालने का परामर्श भी दिया।

10.2 स्वतंत्रता दिवस समारोह

भारत के 70वें स्वतंत्रता दिवस समारोह के अवसर पर कुलपति डॉ. अरविन्द कुमार ने विश्वविद्यालय परिसर में ध्वजारोहण किया तथा संकाय सदस्यों, छात्रों व स्टाफ को सम्बोधित किया। उन्होंने विश्वविद्यालय परिवार को बधाई दी तथा आने वाले वर्षों में प्रगति की नई ऊंचाइयां छूने की कामना की। उन्होंने युवा पीढ़ी से कहा कि वे उन अनेक लोगों के बलिदान को न भूलें जिनके जीवन के बलिदान से ही हमें स्वराज्य प्राप्त हुआ है। उन्होंने याद दिलाया कि अनेकता में एकता हमारी सबसे बड़ी शक्ति रही है और दूसरों का सम्मान करने की हमारी सांस्कृतिक परंपरा भारतीय सभ्यता में निरंतर बनी रही है। उन्होंने स्वतंत्रता के पश्चात् कृषि के विकास की एक रूपरेखा प्रस्तुत की। भारतीय कृषि जो स्वतंत्रता के पूर्व 50 वर्षों के दौरान लगभग 1 प्रतिशत प्रति वर्ष की दर से बढ़ रही थी, वह स्वतंत्रता के बाद के युग में लगभग 2.6 प्रतिशत प्रति वर्ष की दर से वृद्धिशील हुई है। पिछली



कुलपति डॉ. अरविन्द कुमार द्वारा ध्वजारोहण

शताब्दी के पांचवें और छठे दशकों की अवधि में क्षेत्र का विस्तार वृद्धि का मुख्य साधन था। इसके पश्चात् कृषि उत्पादन की वृद्धि में भूमि के क्षेत्र में बढ़ोतरी का योगदान कम हो गया तथा कृषि उत्पादन में वृद्धि उत्पादकता में वृद्धि का मुख्य स्रोत बन गई। उन्होंने भारत को आयातित खाद्यान्न पर निर्भरता से छुटकारा दिलाने में किसानों, भारत सरकार तथा वैज्ञानिकों के सम्मिलित प्रयासों की सराहना की। प्रति हैक्टर उपज बढ़ाने के लिए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोग से हरित क्रांति हुई तथा टिकाऊ खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित हुई। दलहनों की खेती वाले क्षेत्रों में 1.5 गुनी वृद्धि करने के लिए उन्होंने किसानों को बधाई दी, क्योंकि ऐसा लगातार सूखा पड़ने के बावजूद

हुआ। हमारे वैज्ञानिकों ने कृषि उत्पादन वृद्धि के लिए सैकड़ों उच्च उपजशील किस्मों के बीज तैयार किए हैं। उनका कहना था कि उर्वरकों की कमी अब एक दुःस्वप्न जैसा हो गया है और ऐसा सरकार की अनुकूल नीतियों के कारण हुआ है। उन्होंने स्टाफ तथा छात्रों को अपना कौशल सुधारने और उसे वैश्विक मानकों के अनुकूल बनाने पर बल दिया। समारोह की मुख्य अतिथि श्रीमती प्रमोद कुमारी राजपूत, सदस्य, विश्वविद्यालय प्रबंध मंडल ने स्वतंत्रता सेनानियों को अपनी श्रद्धांजलि दी तथा छात्रों को उनके उज्ज्वल भविष्य हेतु आशीर्वाद दिया। इस अवसर पर छात्रों ने एक सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किया।

10.3 हिन्दी चेतना सप्ताह

केन्द्र सरकार की राजभाषा नीति के अनुपालन की श्रृंखला में विश्वविद्यालय द्वारा 19 सितम्बर से 30 सितम्बर 2016 तक हिन्दी चेतना सप्ताह मनाया गया। इस अवसर पर निबंध लेखन, टिप्पण एवं मसौदा लेखन, शब्दार्थ प्रश्न-मंच, हिन्दी कविता एवं वाद-विवाद जैसी अनेक प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। डॉ. अरविन्द कुमार, माननीय कुलपति और डॉ. खेम चंद, अध्यक्ष, विस्तार शिक्षा विभाग, आईजीएफआरआई, झांसी इस अवसर पर मुख्य अतिथि थे, जिन्होंने विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए।



कुलपति डॉ. अरविन्द कुमार एक छात्रा को पुरस्कृत करते हुए



10.4 कृषि शिक्षा दिवस

प्रथम केन्द्रीय कृषि मंत्री (1946) और तत्पश्चात् भारत के प्रथम राष्ट्रपति (1950-1962) भारत रत्न डॉ. राजेन्द्र प्रसाद के जन्म-दिन को प्रति वर्ष **कृषि शिक्षा दिवस** के रूप में मनाने के भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के निर्णय अनुसार विश्वविद्यालय में 3 दिसम्बर 2016 को कृषि शिक्षा दिवस मनाया गया। इसका उद्देश्य विद्यालयों के छात्रों को कृषि के विभिन्न पहलुओं व देश के विकास में इसकी प्रासंगिकता से अवगत कराना व उन्हें कृषि की ओर आकर्षित करना है ताकि उनकी कृषि तथा सम्बद्ध विषयों के प्रति रूचि उत्पन्न हो सके तथा वे विद्यालय की शिक्षा पूरी करने के पश्चात् कृषि को अपनी व्यावसायिक वृत्ति बना सकें। कृषि के पाठ्यक्रम अपनाकर वे स्वयं को खेती तथा उससे संबंधित गतिविधियों में रत कर सकते हैं तथा भविष्य में कृषि उद्यमी बन सकते हैं। विश्वविद्यालय ने यह दिवस सेंट स्टीफन विद्यालय, झांसी के छात्रों को विश्वविद्यालय में आमंत्रित करके मनाया। पूरे दिन अनेक गतिविधियां जैसे निबंध लेखन (भारतीय परिदृश्य एवं कृषि उद्यमशीलता में कृषि शिक्षा का महत्व), वाद-विवाद प्रतियोगिता (कृषि शिक्षा : वरदान या अभिशाप) आयोजित की गई तथा छात्रों को विश्वविद्यालय के फार्म व प्रयोगशालाओं का भ्रमण कराया गया।



कृषि शिक्षा दिवस - प्रतिभाओं को कृषि तथा सम्बद्ध विज्ञानों की ओर आकर्षित करना

श्रीमती नीरजा कुमार, डीजीएम व मण्डल प्रमुख, पंजाब नेशनल बैंक, झांसी तथा श्री बी.बी. थरेजा, एजीएम, पंजाब नेशनल बैंक झांसी को इन अवसरों पर क्रमशः मुख्य अतिथि और सम्मानीय अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया। विश्वविद्यालय संकाय ने छात्रों को स्वतंत्रता के पश्चात् विशेष रूप से कृषि शिक्षा के प्रसार व इसकी भावी संभावनाओं के संदर्भ में कृषि के क्षेत्र में हुई प्रगति के बारे में बताया। मुख्य अतिथि श्रीमती कुमार ने भारतीय अर्थव्यवस्था के निष्पादन व उत्पाद नवोन्मेष के माध्यम से ग्रामीण एवं कृषि क्षेत्र में तेजी लाने, पहुंच को व्यापक बनाने, स्वयं सहायता समूहों, सूक्ष्म उद्यमों को बढ़ावा देने तथा ज्ञान व जानकारी प्रदान करने में बैंकिंग क्षेत्र की भूमिका के संबंध में गहन जानकारी प्रदान की। उन्होंने डिजिटलीकरण को आगे बढ़ाने के सरकार की पहल के संदर्भ में बैंकिंग क्षेत्र द्वारा डिजिटल अवसंरचना को अपनाने के अवसरों तथा इससे होने वाले लाभों पर भी प्रकाश डाला।

10.5 जय किसान - जय विज्ञान सप्ताह

विश्वविद्यालय द्वारा विभिन्न गतिविधियां जैसे प्रश्न-मंच प्रतियोगिताएं, समूह चर्चाएं, वैज्ञानिक-किसान संवाद व कृषि में प्रौद्योगिकी प्रगतियों पर प्रदर्शनी आयोजित करके 23 दिसम्बर से 29 दिसम्बर 2016 तक 'जय किसान - जय विज्ञान सप्ताह' मनाया। यह सप्ताह प्रति वर्ष श्री अटल बिहारी वाजपेयी (25 दिसम्बर) तथा स्वर्गीय श्री चौधरी चरण सिंह (23 दिसम्बर), भारत के दो पूर्व प्रधानमंत्रियों के जन्म-दिवसों के उपलक्ष में मनाया जा रहा है क्योंकि इन दोनों ने किसानों के कल्याण हेतु विज्ञान के उपयोग को बढ़ाने में अपना अमूल्य योगदान दिया है। हरित क्रांति के लाभों को सदाबहार हरित क्रांति में परिवर्तित करने में विज्ञान तथा किसानों की भूमिका के साथ-साथ ग्रामीण आजीविका में कृषि तथा सम्बद्ध विज्ञानों का महत्व संकाय सदस्यों के छात्रों तथा झांसी जिले के चार गांवों (कंचनपुर, धिकौली, मावई और



कुलपति डॉ. अरविन्द कुमार तथा प्रबंध मंडल की सदस्य श्रीमती प्रमोद कुमारी राजपूत पुरस्कार विजेता किसानों के साथ



कुलपति द्वारा गणतंत्र दिवस व्याख्यान

कोट) के प्रगतिशील किसानों के बीच समूह चर्चा व संवाद का मुख्य विषय था। विश्वविद्यालय ने इस सप्ताह के दौरान इन गांवों के प्रगतिशील किसानों को सम्मानित भी किया। इस सप्ताह का समापन समारोह 29 सितम्बर 2016 को आयोजित किया गया जिसकी अध्यक्षता माननीय कुलपति डॉ. अरविन्द कुमार ने की। श्रीमती प्रमोद कुमारी राजपूत, सदस्य, विश्वविद्यालय प्रबंध मंडल ने भी मुख्य अतिथि के रूप में समारोह की शोभा बढ़ाई तथा विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए।

10.6 गणतंत्र दिवस समारोह

विश्वविद्यालय ने 68वां गणतंत्र दिवस 26 जनवरी 2017 को मनाया। वर्ष 1950 में इसी दिन देश का संविधान लागू हुआ था। ध्वजारोहण के पश्चात् माननीय कुलपति डॉ. अरविन्द कुमार ने उन घटनाओं का स्मरण कराया जिनके परिणामस्वरूप स्वतंत्रता के पश्चात् कृषि में अभूतपूर्व वृद्धि हुई उन्होंने किसानों, नीति-निर्माताओं तथा वैज्ञानिकों को फार्म निर्गम में भारत को विश्व में द्वितीय स्थान पर लाने के लिए बधाई दी। तथापि, उन्होंने यह भी चेताया कि यद्यपि भारत के जीडीपी में कृषि के आर्थिक योगदान में धीरे-धीरे गिरावट आ रही है, लेकिन भारत के समग्र सामाजिक-आर्थिक विकास में कृषि की महत्वपूर्ण

भूमिका है और यह सबसे महत्वपूर्ण आर्थिक क्षेत्र है। उन्होंने सभी हितधारकों का आह्वान किया कि वे खाद्य सुरक्षा की दिशा में हमारे देश द्वारा की गई गहन प्रगति पर गर्व का अनुभव करें। इसके परिणाम-स्वरूप भारत की जनसंख्या में निरंतर वृद्धि होने के बावजूद प्रति व्यक्ति खाद्यान्न उत्पादन की उपलब्धता में पर्याप्त वृद्धि हुई है। इस अवसर पर श्रीमती प्रमोद कुमारी राजपूत, सदस्य, प्रबंध मंडल भी उपस्थित थीं। छात्रों ने एक सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किया। विश्वविद्यालय परिसर में छात्रों के लिए गायत्री तीर्थ, हरिद्वार द्वारा भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा भी आयोजित की गई तथा स्तल छात्रों को प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए।

10.7 स्वच्छ भारत अभियान

भारत के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 2 अक्टूबर 2014 को शुभारंभ किए जाने के पश्चात् स्वच्छता अभियान एक राष्ट्रीय आंदोलन बन गया है। विश्वविद्यालय में 20 जून से 4 जुलाई 2017 तक स्वच्छता पखवाड़ा मनाया गया जिसके अंतर्गत विश्वविद्यालय परिसर के चारों ओर तथा विभिन्न स्थानों पर अनेक सृजनात्मक कार्य किए गए व सफाई से संबंधित कार्यक्रम आयोजित किए गए।



स्वच्छता अभियान में रत छात्र

विश्वविद्यालय के स्टाफ तथा छात्रों ने पर्यावरण एवं स्वास्थ्य के हित में स्वच्छता की शपथ ली। कुलपति डॉ. अरविन्द कुमार ने स्टाफ तथा छात्र समुदाय से दैनिक जीवन में स्वच्छता को समाहित करने का आह्वान किया।

10.8 अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन

योग भारतीय प्राचीन परंपरा का अमूल्य उपहार है। वर्ष 2015 में हुई शुरुआत के पश्चात् प्रति वर्ष 21 जून को विश्व भर में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया जाता है। विश्वविद्यालय में योग को बढ़ावा देने तथा



योगा – स्वास्थ्य तथा कल्याण के लिए वैश्विक हित प्रतीक

बिना किसी मानसिक संदेह के दृढ़ निश्चय व आग्रह के साथ योग को दैनिक जीवन का अभिन्न अंग बनाने के उद्देश्य से अंतरराष्ट्रीय योग दिवस, 2017 का आयोजन किया गया। माननीय कुलपति डॉ. अरविन्द कुमार के नेतृत्व में सभी वैज्ञानिकों, स्टाफ तथा छात्रों ने योगाभ्यास में सक्रिय रूप से भाग लिया तथा आनंद और कल्याण के लिए इसे अपने जीवन का अनिवार्य अंग बनाने की शपथ ली। एकत्रित जन समूह ने भारत सरकार के आयुष मंत्रालय द्वारा उपलब्ध कराए गए योग प्रोटोकॉल के अनुसार विभिन्न आसन, प्राणायाम तथा विश्रांति संबंधी अभ्यास किए। समारोह का समापन विश्व शांति एवं सद्भावना की एक प्रार्थना के साथ हुआ।

10.9 राष्ट्रीय सेवा योजना

प्रजातांत्रिक जीवन शैली अपनाने तथा समाज की निःस्वार्थ सेवा भावना को बनाए रखने की दिशा में किए गए अपने प्रयासों में विश्वविद्यालय द्वारा कृषि, बागवानी एवं वानिकी के सभी पूर्व स्नातक छात्रों के लिए राष्ट्रीय सेवा योजना आरंभ की गई है। राष्ट्रीय सेवा योजना छात्रों को अन्य व्यक्तियों के विचारों से सहमत होने तथा अन्य जीवों का ध्यान रखने की भावना के विकास में सहायक है। इस योजना के



समाज की निःस्वार्थ सेवा की ओर....

मुख्य विषय **'में नहीं बल्कि आप'** में यह विश्वास निहित है कि किसी व्यक्ति का कल्याण कुल मिलाकर पूरे समाज के कल्याण पर निर्भर करता है, अतः राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं-सेवी समाज के कल्याण तथा विभिन्न सामाजिक बुराइयों को दूर करने तथा पर्यावरण, स्वच्छता, कृषि, स्वास्थ्य और शिक्षा से संबंधित सामुदायिक समस्याओं के प्रति चेतना लाने में रत रहते हैं। विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा झांसी जिले के भोजला गांव में 16 से 22 मार्च 2017 तक सात दिनों की अवधि का एक विशेष शिविर आयोजित किया गया। इस शिविर का

उद्घाटन डॉ. मुकेश श्रीवास्तव, कुलसचिव ने किया। विश्वविद्यालय के सभी छात्रों (52) ने इस शिविर में भाग लिया।

राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा अनेक महत्वपूर्ण मुद्दों जैसे वन संरक्षण, प्राकृतिक संसाधनों का टिकाऊपन, मूल शिक्षा का महत्व, भारतीय कृषि तथा प्रौद्योगिकी, नवोन्मेषों की स्थिति, कृषि वित्त, मात्स्यिकी विकास आदि पर प्रतिष्ठित विशेषज्ञों के अतिथि व्याख्यान आयोजित किए गए। माननीय कुलपति डॉ. अरविन्द कुमार ने भी इस शिविर का दौरा किया तथा छात्रों का मार्गदर्शन किया।



10.10 एग्री यूनिफेस्ट

राजुवास, बीकानेर, राजस्थान में 22-25 फरवरी 2017 को 17वां अखिल भारतीय अंतर कृषि विश्वविद्यालय युवा उत्सव, एग्री यूनिफेस्ट - 2016-17 मनाया गया। यह एग्री यूनिफेस्ट कृषि विश्वविद्यालय के छात्रों को संगीत, नृत्य, साहित्यिक कार्यों जैसे प्रश्न-मंच, वाकपटुता, वाद-विवाद, आशु-भाषण, रंग-मंच तथा ललित कलाओं में अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान करता है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के 22 छात्रों के एक दल ने विभिन्न कार्यक्रमों जैसे अनुकरण, हास्य नाटिका, समूह गीत, वाद-विवाद, रंगोली, आशु भाषण आदि में पहली बार भाग लिया।

10.11 अखिल भारतीय अंतर कृषि विश्वविद्यालय खेलकूद

खेलकूदों से हमारे जीवन में अनुशासन एवं कठोर परिश्रम की भावना का संचार होता है तथा इससे सुसंगत समाज के विकास में सहायता मिलती है। खेलकूद के क्षेत्र में कृषि विश्वविद्यालय के छात्रों की छुपी हुई क्षमता के प्रदर्शन हेतु प्रति वर्ष अखिल भारतीय अंतर कृषि विश्वविद्यालय खेलकूद का आयोजन किया जाता है। इस वर्ष यह आयोजन चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, हरियाणा में 25 से 29 मार्च 2017 तक किया गया। देशभर से कृषि, पशुचिकित्सा व पशुविज्ञान विश्वविद्यालयों और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के



एग्री-यूनिफेस्ट के दौरान कृषि विश्वविद्यालयों से भाग लेने वाले छात्रों की एक प्रस्तुति

शैक्षणिक संस्थानों के लगभग 60 दलों के 2500 से अधिक प्रतिभागियों ने इसमें भाग लिया। विश्वविद्यालय के आठ छात्रों ने इस टूर्नामेंट की दौड़ तथा बैंडमिंटन प्रतियोगिताओं में पहली बार भाग लिया।

10.12 विश्व पर्यावरण दिवस: जन-सामान्य को प्रकृति से जोड़ना

विश्वभर में प्रति वर्ष 5 जून को मनाया जाने वाला विश्व पर्यावरण दिवस सकारात्मक पर्यावरणीय कार्यों की सबसे बड़ी वार्षिक घटना है। इस वर्ष विश्व पर्यावरण दिवस का उद्देश्य 'जन-सामान्य को प्रकृति से जोड़ना' है जिसके अंतर्गत यह अपेक्षा की जाती है कि उस पृथ्वी की सुरक्षा की जानी चाहिए जिस पर सभी जीवों की समान भागेदारी है। इसके अंतर्गत यह विचार भी करना चाहिए कि सभी जीव प्रकृति का ही अंग हैं तथा वे पूर्णतः इस पर आश्रित हैं। विश्वविद्यालय के छात्रों तथा संकाय सदस्यों ने इस दिवस का आयोजन कचनार (बौहीनिया वेरिगेटा) के पौधों का रोपाई अभियान चलाते हुए आयोजित किया। छात्रों ने प्रति वर्ष कम से कम एक पौधे को गोद लेने तथा उसकी नियमित देखभाल करने की शपथ ली। इस अवसर पर डॉ. एस.के. शर्मा, परामर्शक (बागवानी और वानिकी) द्वारा एक व्याख्यान भी दिया गया जिसमें बढ़ती हुई पर्यावरणीय चिंताओं जैसे



पौधा रोपण अभियान – जन-सामान्य को प्रकृति से जोड़ना

ओज़ोन परत का कम होते जाना, विषाक्त रसायनों का उत्सर्जन, मरुस्थलीकरण व वैश्विक ऊष्मन तथा जलवायु परिवर्तन के संदर्भ में पौधा रोपण के महत्व पर प्रकाश डाला गया।

11. सम्मेलनों/प्रशिक्षणों/बैठकों में संकाय सदस्यों की भागीदारी

विश्वविद्यालय संकाय के सदस्यों ने विभिन्न शैक्षणिक/अनुसंधान संबंधी मुद्दों में योगदान देने के साथ-साथ शोध-पत्र/प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के लिए राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आयोजित विभिन्न सम्मेलनों/प्रशिक्षणों व महत्वपूर्ण बैठकों में भाग लिया।

क्र.सं.	सम्मेलन का नाम	तिथि और स्थान	नाम एवं पदनाम
1.	भा.कृ.अ.प.- अखिल भारतीय समन्वित चना अनुसंधान परियोजना की 21वीं वार्षिक दल बैठक	29-31 अगस्त 2016; एआरएस, कालाबुर्गी	डॉ. देवी सिंह, परामर्शक डॉ. मीनाक्षी आर्य, वैज्ञानिक (पादप रोगविज्ञान) डॉ. अंशुमान सिंह, वैज्ञानिक (आनुवंशिकी और पादप प्रजनन)
2.	जैव आयुष अभियांत्रिकी तथा सहायक प्रौद्योगिकियों पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन	2-3 सितम्बर 2016; बीआईईटी, झांसी	डॉ. अरविन्द कुमार, कुलपति
3.	कवक रोगों के विरुद्ध चने के जननद्रव्य के छंटाई व मूल्यांकन तथा रोगी प्लॉट तैयार करने के लिए आवश्यक तकनीकों सीखने हेतु विशेषज्ञतापूर्ण प्रशिक्षण	27-29 सितम्बर 2016; पादप रोगविज्ञान संभाग, भा.कृ.अ.स., नई दिल्ली	डॉ. मीनाक्षी आर्य, वैज्ञानिक (पादप रोगविज्ञान)



रानी लक्ष्मी बाई केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय

क्र.सं.	सम्मेलन का नाम	तिथि और स्थान	नाम एवं पदनाम
4.	टिकाऊ खाद्य एवं पोषणिक सुरक्षा के लिए कृषि उत्पादों की सस्योत्तर प्रौद्योगिकियों पर यूपीसीएआर अंतरराष्ट्रीय कांग्रेस	10-12 नवम्बर 2016; आईआईएसटी, लखनऊ	डॉ. अरविन्द कुमार, कुलपति
5.	विजिटर सम्मेलन	16-18 नवम्बर 2016; राष्ट्रपति भवन, नई दिल्ली	डॉ. अरविन्द कुमार, कुलपति
6.	टिकाऊ प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन : विज्ञान से अभ्यास तक (एसएनआरएमएसपी)	12-13 जनवरी 2017; बीएचयू, वाराणसी	डॉ. घनश्याम एब्रॉल, शिक्षण एसोसिएट डॉ. शैलजा पुनेठा, शिक्षण एसोसिएट डॉ. सुशील कुमार, शिक्षण एसोसिएट डॉ. उषा, शिक्षण एसोसिएट
7.	प्रत्यायित कृषि विश्वविद्यालयों में प्रवेश के प्रति उत्तरदायी कुलसचिवों, परीक्षा नियंत्रकों/अधिष्ठाताओं की भा.कृ.अ.प. में बैठक	16-17 जनवरी 2017, एनएससी परिसर, नई दिल्ली	डॉ. मीनाक्षी आर्य, वैज्ञानिक (पादप रोगविज्ञान)
8.	'जैव संसाधन, पर्यावरण एवं कृषि विज्ञानों' पर प्रथम अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीबीईएस)	4-6 फरवरी 2017; इंस्टीट्यूट ऑफ एग्रीकल्चर, विश्व भारती, शांतिनिकेतन	डॉ. रनजीत पाल, शिक्षण एसोसिएट
9.	कृषि विश्वविद्यालयों के कुलपतियों तथा भा.कृ.अ.प. संस्थानों के निदेशकों का भा.कृ.अ.प. सम्मेलन	14-15 फरवरी 2017; एनएससी परिसर, नई दिल्ली	डॉ. अरविन्द कुमार, कुलपति
10.	जलवायु-स्मार्ट प्रौद्योगिकियों के माध्यम से तिलहनी ब्रैसिका का उत्पादन बढ़ाने पर तीसरा राष्ट्रीय ब्रैसिका सम्मेलन	16-18 फरवरी 2017; भा.कृ. अ.सं., नई दिल्ली	डॉ. अरविन्द कुमार, कुलपति डॉ. मीनाक्षी आर्य, वैज्ञानिक (पादप रोगविज्ञान) डॉ. अंशुमान सिंह, वैज्ञानिक (आनुवंशिकी एवं पादप प्रजनन) डॉ. मधुलिका पाण्डे, शिक्षण एसोसिएट डॉ. विकास कुमार, शिक्षण एसोसिएट डॉ. अमित तोमर, शिक्षण एसोसिएट
11.	'नास' 13वीं कृषि विज्ञान कांग्रेस	21-24 फरवरी 2017; यूएस, जीकेवीके, बंगलुरु	डॉ. अरविन्द कुमार, कुलपति
12.	सदाबहार हरित क्रांति के लिए कृषि नवीकरण पर राष्ट्रीय सेमिनार	10 मार्च 2017; गोचर एजुकेशनल एंड वेल्फेयर सोसायटी, सहारनपुर	डॉ. आशुतोष सिंह, शिक्षण एसोसिएट
13.	कृषि अनुसंधान एवं विस्तार के क्षेत्रों में संसाधन की भागीदारी के लिए केन्द्रीयकरण - राज्यवार कृषि कैबिनेट के निर्माण पर आईएयूए सत्र	27-28 अप्रैल 2017; एसएचआईएटीएस, इलाहाबाद	डॉ. अरविन्द कुमार, कुलपति

क्र.सं.	सम्मेलन का नाम	तिथि और स्थान	नाम एवं पदनाम
14.	तोरिया पर अनुसंधान के लिए अंतरराष्ट्रीय परामर्श दल की तकनीकी बैठक (जीसीआईआरसी)	8-11 मई 2017; एलनार्प, स्वीडन	डॉ. अरविन्द कुमार, कुलपति
15	खाद्य सुरक्षा प्रबंधन के लिए कृषि तथा व्यावहारिक विज्ञानों में प्रगतियों पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन	13-14 मई 2017, बत्तीसपुतली, काठमांडू, नेपाल	डॉ. आशुतोष सिंह, शिक्षण एसोसिएट
16	पांचवीं अधिष्ठाता समिति की अनुशांसाओं के कार्यान्वयन की समीक्षा के लिए अधिष्ठाताओं की भा.कृ.अ.प. बैठक	25-26 मई 2017; एनएससी परिसर, नई दिल्ली	डॉ. मीनाक्षी आर्य, वैज्ञानिक (पादप सुरक्षा)
17	दलहनों व चने पर भा.कृ.अ.प.- अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना की पंचवर्षीय समीक्षा बैठक (क्यूआरटी)	6-7 जून 2017; बिरसा कृषि विश्वविद्यालय, कांके, रांची	डॉ. अंशुमान सिंह, वैज्ञानिक (आनुवंशिकी एवं पादप प्रजनन)

12. पुरस्कार एवं सम्मान

- डॉ. मीनाक्षी आर्य, डॉ. मधुलिका पाण्डे और डॉ. अंशुमान सिंह को भा.कृ.अ.सं., नई दिल्ली में 16-18 फरवरी 2017 'जलवायु-स्मार्ट प्रौद्योगिकियों के माध्यम से तिलहनी ब्रैसिका उत्पादन को बढ़ाने पर आयोजित तीसरे ब्रैसिका सम्मेलन में 'बुंदेलखण्ड क्षेत्र में तिलहनी ब्रैसिका की क्षमता' शीर्षक के शोध-पत्र को सर्वश्रेष्ठ मौखिक प्रस्तुतीकरण हेतु प्रथम पुरस्कार प्रदान किया गया।
- डॉ. मधुलिका पाण्डे, अमित तोमर और डॉ. मीनाक्षी आर्य को भा.कृ.अ.सं., नई दिल्ली में 16-18 फरवरी 2017 को 'जलवायु-स्मार्ट प्रौद्योगिकियों के माध्यम से तिलहनी ब्रैसिका का उत्पादन बढ़ाने पर तीसरे राष्ट्रीय ब्रैसिका सम्मेलन में 'बुंदेलखण्ड क्षेत्र में तोरिया सरसों की खेती के संबंध में कृषकों की अवधारणा' शीर्षक के पत्र के सर्वश्रेष्ठ पोस्टर प्रस्तुतीकरण के लिए तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया।
- डॉ. अरविन्द कुमार, कुलपति को भा.कृ.अ.प. द्वारा 6 मार्च 2017 को किसानों की आय दुगुनी करने के लिए उत्तर प्रदेश हेतु गठित राज्यवार समन्वयन समिति का अध्यक्ष नामित किया गया।
- डॉ. पंकज लवानिया को 19-20 मार्च 2017 को आगरा में 'कृषि एवं प्रौद्योगिकी में वैश्विक अनुसंधान में प्रगतियों पर राष्ट्रीय सम्मेलन' के दौरान 'शिक्षण में उत्कृष्टता पुरस्कार' से सम्मानित किया गया।
- डॉ. अरविन्द कुमार ने तोरिया पर अनुसंधान के लिए गठित अंतरराष्ट्रीय परामर्शक दल (जीसीआईआरसी) में भारत के प्रतिनिधि के रूप में 8-11 मई 2017 को एलनार्प, स्वीडन में आयोजित जीसीआईआरसी की तकनीकी बैठक में भाग लिया।
- डॉ. आशुतोष सिंह, शिक्षण एसोसिएट को दिनांक 13-15 मई 2017 को होटल मिरेज लॉर्डस इन, बत्तीसपुतली, काठमांडू, नेपाल में खाद्य सुरक्षा के प्रवर्धन हेतु कृषि एवं व्यावहारिक विज्ञानों में प्रगतियों पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान कृषि जैवप्रौद्योगिकी के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए सोसायटी फॉर एग्रीकल्चरल इनोवेशन एंड डेवलपमेंट (एसएआईडी) द्वारा प्रतिभावान



डॉ. आर.बी. सिंह, कुलाधिपति, केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, इम्फाल डॉ. टी. महापात्र, सचिव, डेयर एवं महानिदेशक, भा.कृ.अ.प. की उपस्थिति में डॉ. एम. आर्य और डॉ. एम. पाण्डे को सर्वश्रेष्ठ मौखिक प्रस्तुतीकरण पुरस्कार प्रदान करते हुए

युवा शिक्षक पुरस्कार का प्रमाण-पत्र प्रदान किया गया।

13. प्रकाशन

13.1 सम्मेलन में प्रस्तुत शोध पत्र

1. पाल रंजीत, एब्रॉल जी, पुनेठा एस. और मौर्या आर.पी. 2017. स्कोप एंड पोर्टेंशियलिटी ऑफ अंडर यूटिलाइज्ड फ्रूट क्रॉप्स इन बुंदेलखंड रीजन. दिनांक 4-6 फरवरी 2017 को इंस्टीट्यूट ऑफ एग्रीकल्चर, विश्व भारती शांति निकेतन, बोलपुर, पश्चिम बंगाल में आयोजित प्रथम अंतरराष्ट्रीय जैव संसाधन, पर्यावरण एवं कृषि विज्ञान सम्मेलन (आईसीबीईएस)।
2. पाण्डे मधुलिका, तोमर अमित और आर्य मीनाक्षी. 2017. फार्मर्स पर्सपेक्टिव फॉर रेपसीड-मस्टर्ड कल्टीवेशन इन बुंदेलखंड रीजन दिनांक 16-18 फरवरी 2017 को भा.कृ.अ.सं., नई दिल्ली में जलवायु स्मार्ट प्रौद्योगिकी के माध्यम से तिलहनी ब्रैसिका का उत्पादन बढ़ाने पर आयोजित तृतीय राष्ट्रीय ब्रैसिका सम्मेलन में प्रस्तुत शोध-पत्र।
3. पुनेठा शैलजा, पुनेठा पारूल और आर्य मीनाक्षी. 2017. स्कोप ऑफ आर्गोनिक वेजिटेबल प्रोडक्शन इन बुंदेलखंड रीजन. दिनांक 28 फरवरी से 1 मार्च 2017 को सैक्रेड हार्ट महाविद्यालय, सीतापुर में
4. सिंह अंशुमान, आर्य मीनाक्षी और पाण्डे मधुलिका. 2017. पोर्टेंशियलिटी ऑफ ऑयलसीड

ब्रैसिका इन बुंदेलखंड रीजन. दिनांक 16-18 फरवरी 2017 को भा.कृ.अ.सं., नई दिल्ली में जलवायु स्मार्ट प्रौद्योगिकी के माध्यम से तिलहनी ब्रैसिका का उत्पादन बढ़ाने पर आयोजित तृतीय राष्ट्रीय ब्रैसिका सम्मेलन में प्रस्तुत शोध-पत्र।

13.2 लोकप्रिय लेख

1. जैन अमित, ताम्रकर शैलजा और शुक्ला आदित्य. 2016. कृषि वानिकी अनुसंधान एवं तकनीकी क्षेत्र में कम्प्यूटर का प्रयोग, कृषि वानिकी आलोक, खंड 10, मु.पृ. 75-76
2. सिंह आशुतोष, यादव प्रशांत, श्रीवास्तव दीप्ति और मिश्रा अनुराग. 2016. न्यूट्रास्यूटीकल्स : सेहत की कुंजी, दिसम्बर 2016, फल-फूल, मु. पृ. 14-17
3. सिंह आशुतोष, यादव प्रशांत और मिश्रा अनुराग. 2017. जैविक खेती का बढ़ता महत्व, भा.कृ.अ.प.- खेती, मई 2017. मु.पृ. 8-12
4. श्रीवास्तव मधुलिका, कुमार वीरेश, उषा देव, इंदेरा राम, आशा, कुमार नरेश, शुक्ला अशोक और चतुर्वेदी ओम प्रकाश. 2016. कृषि वानिकी

में जैविक कीट प्रबंध. कृषिवानिकी आलोक, खंड 10, मु.पृ. 58-61

5. ताम्रकर शैलजा, विमला देवी, जैन अमित और शुक्ला आदित्य. 2016. कृषि वानिकी पुस्तकालय में कोहा सॉफ्टवेयर का उपयोग, कृषि वानिकी आलोक, खंड 10, मु.पृ. 77-79

14. वर्ष 2017-18 के लिए भावी कार्य योजना

- बी.एससी. (ऑनर्स) कृषि, बी.एससी. (ऑनर्स) बागवानी और बी.एससी. (ऑनर्स) वानिकी कार्यक्रमों को जारी रखना
- भर्ती योजना के अनुसार शैक्षणिक तथा शैक्षणिक इतर स्वीकृत पदों को भरना
- ईएमसी/ईएफसी की समीक्षा
- शैक्षणिक एवं प्रशासनिक खण्ड, छात्रावासों एवं कुलपति आवास का निर्माण
- कृषि, बागवानी तथा वानिकी में पूर्व स्नातक शिक्षा के लिए उन्नत प्रावधान
- चुने हुए क्षेत्रों में अनुसंधान एवं प्रसार शिक्षा संबंधी गतिविधियां



रानी लक्ष्मी बाई केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय

अनुबंध I

विश्वविद्यालय के प्रबंध मंडल का संघटन

(रानी लक्ष्मी बाई केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय अधिनियम, 2014 की अनुसूची के पैरा 12(1) के अनुसार)

क्र.सं.	संघटन	नाम और पदनाम	स्तर
1.	कुलपति (अनुसूची की धारा 12 (1) (i) के अनुसार)	डॉ. अरविन्द कुमार, कुलपति, आरएलबीसीएयू, झांसी	पदेन अध्यक्ष
2.	चार सचिव, मध्य प्रदेश व उत्तर प्रदेश राज्यों के कृषि एवं पशुपालन, मात्स्यकी एवं बागवानी विभागों के प्रभारी सचिवों में से जिन्हें विजिटर द्वारा क्रमानुसार नामित किया जाना है: बशर्ते कि एक विशेष समय में मंडल में एक राज्य के दो से अधिक सचिव नहीं होंगे। (अनुसूची की धारा 12(1)(ii) के अनुसार)	प्रधान सचिव, कृषि विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार, लखनऊ-226001 प्रधान सचिव, पशुपालन विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार, लखनऊ-226001 श्री राजेश रजौरा, प्रधान सचिव, कृषि विभाग, मध्य प्रदेश सरकार, भोपाल-462003 श्री प्रभांशु कमल, प्रधान सचिव, पशुपालन विभाग, मध्य प्रदेश सरकार, भोपाल-462003	सदस्य सदस्य सदस्य सदस्य
3.	विजिटर द्वारा नामित तीन प्रतिष्ठित वैज्ञानिक (अनुसूची की धारा 12 (1)(iii) के अनुसार)	डॉ. एस.सी. मुदगल, पूर्व महानिदेशक, यूपीसीएआर, लखनऊ एवं पूर्व कुलपति, जीबीपीयूएटी, पंतनगर, 6, राजदीप इन्कलेव, फेज-II, 100 फुट रोड, दयाल बाग, आगरा-282005 डॉ. के.आर. धीमन, पूर्व कुलपति, वाई.एस. परमार, बागवानी एवं वानिकी विश्वविद्यालय, सोलन, हिमाचल प्रदेश, ताशीलिंग कॉटेज, बीसीएस के नीचे, फेस-3, नया शिमला, शिमला-171009 डॉ. बी.वी. पाटिल, शिक्षा निदेशक एवं पूर्व कुलपति, कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय, रायचुर-584104	सदस्य सदस्य सदस्य
4.	विजिटर द्वारा नामित कृषि विकास में विशेष ज्ञान से युक्त कृषि आधारित उद्योगों या विनिर्माता का प्रतिनिधित्व करने वाला एक विशिष्ट व्यक्ति (अनुसूची की धारा 12 (1)(iv) के अनुसार)	श्री एन. कुमार, देवराहल्ली, डाकघर लक्ष्मीनगर, ताल्लुक सिरसा, जिला टुमकुर- 572 139, कर्नाटक, द्वारा सिदेश्वरा गौड़ा, सेवानिवृत्त एस.पी. कन्ना कॉटेज, 16वां क्रॉस, एसआईटी एक्सटेंशन, नंदीश लेआउट टुमकुर- 572 103	सदस्य
5.	भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद का प्रतिनिधित्व करते हुए उप महानिदेशक (शिक्षा) (अनुसूची की धारा 12 (1)(v) के अनुसार)	डॉ. एन.एस. राठौड़, उप महानिदेशक (शिक्षा), भा.कृ.अ.प., कृषि अनुसंधान भवन-II, पूसा, नई दिल्ली-110012	सदस्य

वार्षिक रिपोर्ट 2016-17

क्र.सं.	संघटन	नाम और पदनाम	स्तर
6.	कुलपति द्वारा क्रम के आधार पर नामित महाविद्यालय का एक अधिष्ठाता तथा एक निदेशक (अनुसूची की धारा 12 (1)(vi) के अनुसार)	डॉ. (श्रीमती) मृदुला बिल्लौर, अधिष्ठाता, बी.एम. कृषि महाविद्यालय, खण्डवा-450001 डॉ. पी.के. घोष, निदेशक, आईजीएफआरआई, झांसी- 284 003	सदस्य सदस्य
7.	मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश राज्यों में क्रमानुसार कुलपति द्वारा नामित बुंदेलखंड में कम से कम एक महिला कृषक का प्रतिनिधित्व करने वाली एक प्रतिनिधि सहित तीन व्यक्ति। बशर्ते कि एक समय में मंडल में राज्य एक राज्य के दो से अधिक प्रतिनिधि नहीं होंगे। (अनुसूची की धारा 12 (1)(vii) के अनुसार)	श्रीमती प्रमोद कुमारी राजपूत, गोंडु कम्पाउंड, सिविल लाइंस, झांसी-284001 श्री महेन्द्र प्रताप सिंह यादव, यादव काम्प्लैक्स, कुमकुम टॉकीज के निकट, पन्ना-411002 श्री गोपाल दास पालीवाल, कस्बा- कुरारा, वार्ड 11, पालीवाल मोहल, जनपथ हमीरपुर-210505	सदस्य सदस्य सदस्य
8.	एक परामर्शक (कृषि), योजना आयोग (अनुसूची की धारा 12 (1)(viii) के अनुसार)	डॉ. जे.पी. मिश्र, परामर्शक (कृषि), नीति आयोग, भारत सरकार, नई दिल्ली-110049	सदस्य
9.	विजिटर द्वारा नामित प्राकृतिक संसाधन या पर्यावरण प्रबंध पर एक विशिष्ट प्राधिकारी (अनुसूची की धारा 12 (1)(ix) के अनुसार)	प्रो. अनिल कुमार सिंह, पूर्व उप महानिदेशक (एनआरएम), भा.कृ.अ.प.; कुलपति, राजमाता विजय राजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय, ग्वालियर- 474002	सदस्य
10.	भारत सरकार के संबंधित सचिव द्वारा नामित कृषि एवं पशुपालन से संबंधित भारत सरकार के विभागों का प्रतिनिधित्व करने वाले कम से कम संयुक्त सचिव के स्तर के दो व्यक्ति (अनुसूची की धारा 12 (1)(x) के अनुसार)	श्री संजय लोहिया, संयुक्त सचिव (फसलें), कृषि एवं सहकारिता विभाग, भारत सरकार, कृषि भवन, नई दिल्ली-110001 श्रीमती रजनी सेखरी सिबल, संयुक्त सचिव (सी और डीडी), पशुपालन, डेरी और मात्स्यकी विभाग, भारत सरकार, कृषि भवन, नई दिल्ली-110001	सदस्य सदस्य
11.	कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग, भारत सरकार का प्रतिनिधित्व करने वाले सचिव का एक नामित (अनुसूची की धारा 12 (1)(xi) के अनुसार)	अपर सचिव, डेयर एवं सचिव, भा.कृ.अ.प., कृषि भवन, नई दिल्ली-110001	सदस्य
12.	विश्वविद्यालय का कुलसचिव (अनुसूची की धारा 12 (1)(xii) के अनुसार)	डॉ. मुकेश श्रीवास्तव, (अप्रैल 2016 से)	सचिव



रानी लक्ष्मी बाई केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय

अनुबंध II

विश्वविद्यालय की वित्त समिति का संगठन

(रानी लक्ष्मी बाई केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय अधिनियम, 2014 की अनुसूची के पैरा 17(1) के अनुसार)

क्र.सं.	संघटन	नाम और पदनाम	स्तर
1.	कुलपति (अनुसूची की धारा 17(1) (i) के अनुसार)	डॉ. अरविन्द कुमार, कुलपति, आरएलबीसीएयू, झांसी	पदेन अध्यक्ष
2.	वित्तीय सलाहकार, कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग या कम से कम उप सचिव स्तर का उसका नामिति (अनुसूची की धारा 17(1)(ii) के अनुसार)	श्री सुनील कुमार सिंह, वित्तीय सलाहकार, कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग, भारत सरकार, कृषि भवन, नई दिल्ली-110001	सदस्य
3.	मण्डल द्वारा नामित तीन व्यक्ति जिनमें से कम से कम एक मंडल का सदस्य होगा (अनुसूची की धारा 17 (1)(iii) के अनुसार)	डॉ. एन.एस. राठौड़, उप महानिदेशक (शिक्षा), भा.कृ.अ.प., केएबी-II, पूसा, नई दिल्ली-110012 डॉ. ए.के. सिंह, कुलपति, राजमाता विजय राजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय, ग्वालियर-474002 (मध्य प्रदेश) डॉ. एम. प्रेमजीत सिंह, कुलपति, केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, इम्फाल-795004 (मणिपुर)	सदस्य सदस्य सदस्य
4.	विजिटर द्वारा नामित तीन व्यक्ति (अनुसूची की धारा 17 (1)(iv) के अनुसार)	डॉ. पी.एल. गौतम, पूर्व अध्यक्ष, पीपीवी एवं एफआर प्राधिकरण तथा पूर्व कुलपति, जीबीपीयूए और टी, पंतनगर; म.सं. 118, एचपी हाउसिंग बोर्ड कालोनी, बिंद्राबन, पालमपुर जिला, कांगड़ा-176061 (हिमाचल प्रदेश) प्रो. डी.पी. रे, पूर्व कुलपति, ओयूए और टी, भुवनेश्वर; एचआईजी-105, कलिंग विहार, के-5, डाकघर पात्रपाड़ा, जिला खुर्दा, भुवनेश्वर-751019, ओडिशा श्री बी.एस. रामासामी, अपर सचिव एवं वित्तीय सलाहकार (सेवानिवृत्त), इस्पात एवं खान मंत्रालय (भारत सरकार); 140, मंदाकिनी इन्कलेव, अलकनंदा, नई दिल्ली-110019	सदस्य सदस्य सदस्य
5.	विश्वविद्यालय का लेखानियंत्रक (अनुसूची की धारा 17 (1)(v) के अनुसार)	रिक्त	सदस्य सचिव

बी.एससी. (ऑनर्स) कृषि प्रथम, द्वितीय और तृतीय वर्ष के लिए शिक्षण संकाय

क्र.सं.	संकाय	पद	पाठ्यक्रम शीर्षक
I. सेमिस्टर			
1.	डॉ. ए.बी. मजुमदार	सेवानिवृत्त प्रधान वैज्ञानिक (पशु पोषण), भा.कृ. अ.प.- सीएएफआरआई, झांसी	पशुधन उत्पादन एवं प्रबंधन
2.	डॉ. मीनाक्षी आर्य	वैज्ञानिक, पादप रोगविज्ञान, आरएलबीसीएयू, झांसी	बागवानी फसलों के रोग एवं उनका प्रबंधन
3.	डॉ. अंशुमान सिंह	वैज्ञानिक, आनुवंशिकी एवं पादप प्रजनन, आरएलबीसीएयू, झांसी	पादप जैव-रसायन तथा जैवप्रौद्योगिकी के मूल तत्व; पादप जैवप्रौद्योगिकी के सिद्धांत
4.	डॉ. अभिषेक कालिया	शिक्षण एसोसिएट (कृषि अर्थशास्त्र), आरएलबीसीएयू, झांसी	कृषि वित्त एवं सहकारिता; एफबीएम के मूल तत्व
5.	डॉ. अमित तोमर	शिक्षण एसोसिएट (सस्यविज्ञान), आरएलबीसीएयू, झांसी	सस्यविज्ञान के मूल तत्व, जैविक खेती; फार्म शक्ति एवं यंत्र, खेत फसलें-I; फार्मिंग प्रणाली एवं टिकाऊ कृषि
6.	डॉ. आशुतोष सिंह	शिक्षण एसोसिएट (फसल कार्यिकी), आरएलबीसीएयू, झांसी	पादप जैव.रसायन तथा जैवप्रौद्योगिकी के मूल तत्वय; फसल कार्यिकी
7.	डॉ. बी.एस. राजपूत	शिक्षण एसोसिएट (कृषि वानिकी), आरएलबीसीएयू, झांसी	वानिकी का परिचय
8.	डॉ. घनश्याम एब्रॉल	शिक्षण एसोसिएट (सस्योत्तर प्रौद्योगिकी), आरएलबीसीएयू, झांसी	फलों और सब्जियों का सस्योत्तर प्रबंधन एवं मूल्य वर्धन
9.	डॉ. गुरदीप कौर	शिक्षण एसोसिएट, बुंदेलखंड विश्वविद्यालय, झांसी	अंग्रेजी में समझ तथा संचार कौशल
10.	डॉ. एम.के. सिंह	शिक्षण एसोसिएट (आनुवंशिकी एवं पादप प्रजनन), आरएलबीसीएयू, झांसी	परिचयात्मक जीवविज्ञान; बीज प्रौद्योगिकी के सिद्धांत; पादप जैवप्रौद्योगिकी के सिद्धांत



रानी लक्ष्मी बाई केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय

क्र.सं.	संकाय	पद	पाठ्यक्रम शीर्षक
11.	डॉ. मधुलिका पाण्डे	शिक्षण एसोसिएट (सस्यविज्ञान), आरएलबीसीएयू, झांसी	कृषि विरासत सस्यविज्ञान के मूल तत्व, जैविक खेती; फार्म शक्ति एवं यंत्र, खेत फसलें-I (फार्मिंग प्रणाली एवं टिकाऊ कृषि
12.	डॉ. मनोज यादव	शिक्षण एसोसिएट (सस्यविज्ञान), आरएलबीसीएयू, झांसी	एनएसएस; बागवानी फसलों के रोग एवं उनका प्रबंधन
13.	डॉ. आर.पी. मौर्या	शिक्षण एसोसिएट (बागवानी), आरएलबीसीएयू, झांसी	बागवानी के मूल तत्व
14.	डॉ. एस.के. सिंह	शिक्षण एसोसिएट (मृदा विज्ञान), आरएलबीसीएयू, झांसी	मृदा विज्ञान के मूल तत्व
15.	डॉ. शैलजा पुनेठा	शिक्षण एसोसिएट (सब्जी विज्ञान), आरएलबीसीएयू, झांसी	सब्जियों तथा पुष्पों के लिए उत्पादन प्रौद्योगिकी
16.	डॉ. सुषमा शर्मा	अतिथि संकाय, द्वारा डॉ. नरेश भारद्वाज, वरिष्ठ वैज्ञानिक (कृषि वानिकी), भा.कृ.अ.प.- सीएएफआरआई, झांसी	प्राथमिक गणित
17.	डॉ. उषा	शिक्षण एसोसिएट (कीटविज्ञान), आरएलबीसीएयू, झांसी	एनएसएस; कीट आकृतिविज्ञान एवं वर्गीकरण विज्ञान, फसल नाशकजीव एवं भंडारित अनाज नाशकजीव व उनका प्रबंधन
18.	डॉ. विकास कुमार	शिक्षण एसोसिएट (कृषि विस्तार शिक्षा), आरएलबीसीएयू, झांसी	मानव मूल्य एवं नीति, ग्रामीण समाज विज्ञान एवं शैक्षणिक मनोविज्ञान; ग्रामीण समाजविज्ञान एवं शैक्षणिक मनोविज्ञान के मूल तत्व
II. सेमिस्टर			
1.	श्री के. कटियार	प्रधानाचार्य, शासकीय कृषि महाविद्यालय, चिरगांव	परिचयात्मक मृदा एवं जल संरक्षण अभियांत्रिकी
2.	डॉ. मुकेश अग्रवाल	वरिष्ठ वैज्ञानिक, बांदा कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, बांदा	अक्षय ऊर्जा

वार्षिक रिपोर्ट 2016-17

क्र.सं.	संकाय	पद	पाठ्यक्रम शीर्षक
3.	डॉ. मीनाक्षी आर्य	वैज्ञानिक, पादप रोगविज्ञान, आरएलबीसीएयू, झांसी	खेत फसलों के रोग एवं उनका प्रबंधन
4.	डॉ. अभिषेक कालिया	शिक्षण एसोसिएट (कृषि अर्थशास्त्र), आरएलबीसीएयू, झांसी	कृषि अर्थशास्त्र के मूल तत्व; कृषि विपणन, व्यापार एवं विधियां; उत्पादन अर्थशास्त्र एवं फार्म प्रबंधन
5.	डॉ. अमित तोमर	शिक्षण एसोसिएट (सस्यविज्ञान), आरएलबीसीएयू, झांसी	प्रयोगात्मक फसलोत्पादन II (रबी); खरपतवार प्रबंधन
6.	डॉ. आशुतोष सिंह	शिक्षण एसोसिएट (फसल कार्यान्वयन), आरएलबीसीएयू, झांसी	फसल कार्यान्वयन के मूल तत्व; जैव रसायनविज्ञान
7.	डॉ. बी.एस. राजपूत	शिक्षण एसोसिएट (कृषि वानिकी), आरएलबीसीएयू, झांसी	मसालों, सगंधित, औषधीय एवं रोपण फसलों का उत्पादन
8.	डॉ. घनश्याम एब्रॉल	शिक्षण एसोसिएट (सस्योत्तर प्रौद्योगिकी), आरएलबीसीएयू, झांसी	सुरक्षित खेती एवं सस्योत्तर प्रौद्योगिकी
9.	डॉ. गुरदीप कौर	शिक्षण एसोसिएट, बुंदेलखंड विश्वविद्यालय, झांसी	संचार कौशल एवं व्यक्तित्व विकास; अंग्रेजी में समझ तथा संचार कौशल
10.	डॉ. एन.के. सिंह	शिक्षण एसोसिएट (आनुवंशिकी एवं पादप प्रजनन), आरएलबीसीएयू, झांसी	आनुवंशिकी के मूल तत्व; खेत/बागवानी फसलों का प्रजनन
11.	डॉ. मधुलिका पाण्डे	शिक्षण एसोसिएट (सस्यविज्ञान), आरएलबीसीएयू, झांसी	खरपतवार प्रबंधन; खेत फसलें-I (रबी)
12.	डॉ. मनोज यादव	शिक्षण एसोसिएट (पादप रोगविज्ञान), आरएलबीसीएयू, झांसी	पादप रोगविज्ञान के मूल तत्व; एनएसएस (II, III, IV सेमिस्टर के छात्रों के लिए)
13.	डॉ. आर.पी. मौर्या	शिक्षण एसोसिएट (बागवानी), आरएलबीसीएयू, झांसी	खेत/बागवानी फसलों का प्रजनन
14.	डॉ. एस.के. सिंह	शिक्षण एसोसिएट (मृदा विज्ञान), आरएलबीसीएयू, झांसी	खाद, उर्वरक तथा कृषि रसायन
15.	डॉ. साधना सागर	शिक्षण एसोसिएट (मृदा सूक्ष्मजीवविज्ञान), आरएलबीसीएयू, झांसी	कृषि सूक्ष्मजीवविज्ञान; पर्यावरण विज्ञान
16.	डॉ. शैलजा पुनेठा	शिक्षण एसोसिएट (सब्जी विज्ञान), आरएलबीसीएयू, झांसी	मसालों, सगंधित, औषधीय एवं रोपण फसलों का उत्पादन



रानी लक्ष्मी बाई केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय

क्र.सं.	संकाय	पद	पाठ्यक्रम शीर्षक
17.	डॉ. उषा	शिक्षण एसोसिएट (कीटविज्ञान), आरएलबीसीएयू, झांसी	कीटविज्ञान के मूल तत्व; एनएसएस (II, III और IV सेमिस्टर के छात्रों के लिए); कीट परिस्थितिकी तथा आईपीएम सहित लाभदायक कीट
18.	डॉ. विकास कुमार	शिक्षण एसोसिएट (कृषि विस्तार शिक्षा), आरएलबीसीएयू, झांसी	कृषि विस्तार शिक्षा के मूल तत्व; कृषि प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के लिए विस्तार की विधियां; उद्यमशीलता का विकास तथा संचार कौशल

बी.एससी. (ऑनर्स) बागवानी प्रथम वर्ष के लिए शिक्षण संकाय

क्र.सं.	संकाय	पद	पाठ्यक्रम शीर्षक
I. सेमिस्टर			
1.	डॉ. आर.के. सक्सेना	अध्यक्ष (सूक्ष्मजीवविज्ञान), बुंदेलखंड विश्वविद्यालय, झांसी	परिचयात्मक सूक्ष्मजीवविज्ञान
2.	अभिषेक कालिया	शिक्षण एसोसिएट (कृषि अर्थशास्त्र), आरएलबीसीएयू, झांसी	अर्थशास्त्र एवं विपणन
3.	डॉ. अमित कुमार जैन	शिक्षण एसोसिएट (कम्प्यूटर विज्ञान), आरएलबीसीएयू, झांसी	प्राथमिक सांख्यिकी एवं कम्प्यूटर अनुप्रयोग
4.	डॉ. आशुतोष सिंह	शिक्षण एसोसिएट (फसल कार्यिकी), आरएलबीसीएयू, झांसी	परिचयात्मक फसल कार्यिकी; प्राथमिक पादप जैव रसायनविज्ञान
5.	डॉ. घनश्याम एब्रॉल	शिक्षण एसोसिएट (सस्योत्तर प्रौद्योगिकी), आरएलबीसीएयू, झांसी	बागवानी के मूल तत्व
6.	डॉ. गुरदीप कौर	शिक्षण एसोसिएट, बुंदेलखंड विश्वविद्यालय, झांसी	संचार कौशल एवं व्यक्तित्व विकास
7.	डॉ. एम.के. सिंह	शिक्षण एसोसिएट; आनुवंशिकी एवं पादप प्रजनन), आरएलबीसीएयू, झांसी	आनुवंशिकी एवं कोशिका आनुवंशिकी के सिद्धांत
8.	डॉ. आर.पी. मौर्या	शिक्षण एसोसिएट (बागवानी), आरएलबीसीएयू, झांसी	भूदृश्य निर्माण वास्तु शास्त्र के सिद्धांत
9.	डॉ. एस.के. सिंह	शिक्षण एसोसिएट (मृदा विज्ञान), आरएलबीसीएयू, झांसी	मृदा विज्ञान के मूल तत्व; परिचयात्मक सूक्ष्मजीवविज्ञान
10.	डॉ. शैलजा पुनेठा	शिक्षण एसोसिएट (सब्जी विज्ञान), आरएलबीसीएयू, झांसी	बागवानी के मूल तत्व

वार्षिक रिपोर्ट 2016-17

क्र.सं.	संकाय	पद	पाठ्यक्रम शीर्षक
II. सेमिस्टर			
1.	डॉ. अभिषेक कालिया	शिक्षण एसोसिएट (कृषि अर्थशास्त्र), आरएलबीसीएयू, झांसी	शारीरिक एवं स्वास्थ्य शिक्षा
2.	डॉ. अमित कुमार जैन	शिक्षण एसोसिएट (कम्प्यूटर विज्ञान), आरएलबीसीएयू, झांसी	सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी
3.	डॉ. घनश्याम एब्रॉल	शिक्षण एसोसिएट (सस्योत्तर प्रौद्योगिकी), आरएलबीसीएयू, झांसी	बागवानी फसलों की वृद्धि एवं विकास
4.	डॉ. एम.के. सिंह	शिक्षण एसोसिएट (आनुवंशिकी एवं पादप प्रजनन), आरएलबीसीएयू, झांसी	पादप प्रजनन के सिद्धांत
5.	डॉ. मनोज यादव	शिक्षण एसोसिएट (सस्यविज्ञान), आरएलबीसीएयू, झांसी	एनएसएस
6.	डॉ. आर.पी. मौर्या	शिक्षण एसोसिएट (बागवानी), आरएलबीसीएयू, झांसी	पादप प्रवर्धन एवं नर्सरी प्रबंधन
7.	डॉ. रंजीत पाल	शिक्षण एसोसिएट (फल विज्ञान), आरएलबीसीएयू, झांसी	बागवानी फसलों में जल प्रबंधन; उष्णकटिबंधीय एवं उपोष्ण फल
8.	डॉ. एस.के. सिंह	शिक्षण एसोसिएट (मृदा विज्ञान), आरएलबीसीएयू, झांसी	मृदा उर्वरता एवं पोषक तत्व प्रबंधन
9.	डॉ. एस.के. शर्मा	शिक्षण एसोसिएट (कृषि अर्थशास्त्र), आरएलबीसीएयू, झांसी	उष्णकटिबंधीय व उपोष्ण सब्जी फसलें
10.	डॉ. साधना सागर	शिक्षण एसोसिएट (मृदा सूक्ष्म जीवविज्ञान), आरएलबीसीएयू, झांसी	पर्यावरणीय अध्ययन एवं आपदा प्रबंध
11.	डॉ. शैलजा पुनेठा	शिक्षण एसोसिएट (सब्जी विज्ञान), आरएलबीसीएयू, झांसी	उष्णकटिबंधीय एवं उपोष्ण सब्जी फसलें
12.	डॉ. उषा	शिक्षण एसोसिएट (कीट विज्ञान), आरएलबीसीएयू, झांसी	एनएसएस
13.	डॉ. विकास कुमार	शिक्षण एसोसिएट (कृषि विस्तार शिक्षा), आरएलबीसीएयू, झांसी	शारीरिक एवं स्वास्थ्य शिक्षा



बी.एससी. (ऑनर्स) वानिकी प्रथम वर्ष के लिए शिक्षण संकाय

क्र.सं.	संकाय	पद	पाठ्यक्रम शीर्षक
I. सेमिस्टर			
1.	डॉ. अमित कुमार जैन	शिक्षण एसोसिएट (कम्प्यूटर विज्ञान), आरएलबीसीएयू, झांसी	मौलिक गणित सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी
2.	डॉ. अमित तोमर	शिक्षण एसोसिएट (सस्यविज्ञान), आरएलबीसीएयू, झांसी	सस्यविज्ञान एवं बागवानी का परिचय
3.	डॉ. आशुतोष सिंह	शिक्षण एसोसिएट (फसल कार्यिकी), आरएलबीसीएयू, झांसी	पादप जैवरसायनविज्ञान
4.	डॉ. बी.एस. राजपूत	शिक्षण एसोसिएट (कृषि वानिकी), आरएलबीसीएयू, झांसी	वानिकी का परिचय वृक्षविज्ञान
5.	डॉ. गुरदीप कौर	शिक्षण एसोसिएट, बुंदेलखंड विश्वविद्यालय, झांसी	संचार कौशल एवं व्यक्तित्व विकास
6.	डॉ. एम.के. सिंह	शिक्षण एसोसिएट (आनुवंशिकी एवं पादप प्रजनन), आरएलबीसीएयू, झांसी	वन वनस्पतिविज्ञान
7.	डॉ. मनोज यादव	शिक्षण एसोसिएट (सस्य विज्ञान), आरएलबीसीएयू, झांसी	एनएसएस
8.	डॉ. आर.पी. मौर्या	शिक्षण एसोसिएट (बागवानी), आरएलबीसीएयू, झांसी	सस्यविज्ञान एवं बागवानी का परिचय
9.	डॉ. एस.के. सिंह	शिक्षण एसोसिएट (मृदा विज्ञान), आरएलबीसीएयू, झांसी	भूगर्भ विज्ञान एवं मृदाएं
10.	डॉ. उषा	शिक्षण एसोसिएट (कीट विज्ञान), आरएलबीसीएयू, झांसी	एनएसएस
II. सेमिस्टर			
1.	डॉ. देवी सिंह	पूर्व अधिष्ठाता (पीजीएस), एसवीबीपीयूए और टी, मेरठ	पादप कोशिका विज्ञान एवं आनुवंशिकी
2.	डॉ. अंशुमान सिंह	वैज्ञानिक, आनुवंशिकी एवं पादप प्रजनन, आरएलबीसीएयू, झांसी	पादप कोशिका विज्ञान एवं आनुवंशिकी
3.	डॉ.अभिषेक कालिया	शिक्षण एसोसिएट (कृषि अर्थशास्त्र), आरएलबीसीएयू, झांसी	शारीरिक शिक्षा I शारीरिक शिक्षा II
4.	डॉ. अमित कुमार जैन	शिक्षण एसोसिएट (कम्प्यूटर विज्ञान), आरएलबीसीएयू, झांसी	सांख्यिकी विधियां एवं प्रयोगात्मक डिज़ाइन
5.	डॉ. आशुतोष सिंह	शिक्षण एसोसिएट (फसल कार्यिकी), आरएलबीसीएयू, झांसी	पादप कार्यिकी

वार्षिक रिपोर्ट 2016-17

क्र.सं.	संकाय	पद	पाठ्यक्रम शीर्षक
6.	डॉ. बी.एस. राजपूत	शिक्षण एसोसिएट (कृषि वानिकी), आरएलबीसीएयू, झांसी	वन्य जीवन जीवविज्ञान वन-वर्धन का सिद्धांत एवं अभ्यास
7.	डॉ. मनोज यादव	शिक्षण एसोसिएट (सस्य विज्ञान), आरएलबीसीएयू, झांसी	एनएसएस
8.	डॉ. पंकज लवानिया	शिक्षण एसोसिएट (वनवर्धन), आरएलबीसीएयू, झांसी	वन सुरक्षा
9.	डॉ. साधना सागर	शिक्षण एसोसिएट (मृदा सूक्ष्म जीवविज्ञान), आरएलबीसीएयू, झांसी	सांख्यिकी विधियां एवं प्रयोगात्मक डिज़ाइन
10.	डॉ. उषा	शिक्षण एसोसिएट (कीट विज्ञान), आरएलबीसीएयू, झांसी	एनएसएस
11.	डॉ. उषा ठाकुर	शिक्षण एसोसिएट (वन उत्पाद), आरएलबीसीएयू, झांसी	काष्ठ रचनाविज्ञान
12.	डॉ. विकास कुमार	शिक्षण एसोसिएट (कम्प्यूटर विज्ञान), आरएलबीसीएयू, झांसी	शारीरिक शिक्षा I शारीरिक शिक्षा II



विश्वविद्यालय की भवन एवं निर्माण कार्य समिति का संघटन

(संकल्प संख्या आरएलबीसीएयू/बीओएम/3/8/2016 दिनांक 3 जून 2016 के द्वारा) रानी लक्ष्मी बाई केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, 2014 के विधानों की धारा 37 पैरा 12 (4)(15) के प्रावधानों के अंतर्गत प्रबंध मंडल द्वारा गठित

क्र.सं.	सदस्य	नाम
1.	कुलपति (अध्यक्ष)	डॉ. अरविन्द कुमार
2.	कम से कम कार्यपालक अभियंता की श्रेणी का निर्माण एजेंसी का प्रतिनिधि	श्री ए. मुमूर्ति, महा प्रबंधक, एनबीसीसी, भोपाल (29 जुलाई, 2016 तक) श्री राजेश बहेल, मुख्य महा प्रबंधक, एनबीसीसी, नई दिल्ली (30 जुलाई, 2016 से)
3.	कुलपति द्वारा नामित वित्तीय समिति का एक सदस्य	डॉ. पी.एल. गौतम, पूर्व अध्यक्ष, पीपीवी एवं एफआर प्राधिकरण तथा पूर्व कुलपति, जीबीपीयूए और टी, पंतनगर; मकान सं. 118, एचपी हाउसिंग बोर्ड कालोनी, बिंद्राबन, पालमपुर, जिला कांगड़ा- 176 061 (हिमाचल प्रदेश)
4.	लेखानियंत्रक	लेखानियंत्रक/श्री एम.के. मुलानी, वित्त एवं लेखा अधिकारी
5.	उपयोगकर्ता विभाग का एक प्रतिनिधि	डॉ. मृदुला बिल्लौर, अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, खंडवा (मध्य प्रदेश)
6.	कुलपति द्वारा नामित विश्वविद्यालय के दो शिक्षक	डॉ. मीनाक्षी आर्य (वैज्ञानिक, पादप रोगविज्ञान) डॉ. अंशुमान सिंह (वैज्ञानिक, आनुवंशिकी एवं पादप प्रजनन)
7.	शासकीय अभियांत्रिकी महाविद्यालय से अधिष्ठाता या कम से कम प्राध्यापक की श्रेणी का उनका नामिति	प्रो. शैलेन्द्र जैन, प्राध्यापक एवं अध्यक्ष, विद्युत अभियांत्रिकी, एमएनआईटी, भोपाल
8.	कुलपति द्वारा नामित सिविल अभियांत्रिकी/निर्माण प्रबंध में एक विशेषज्ञ	प्रो. अनिल सक्सेना, प्राध्यापक, सिविल अभियांत्रिकी विभाग, एमआईटीएस, ग्वालियर
9.	विश्वविद्यालय द्वारा नियुक्त विश्वविद्यालय अभियंता/परामर्शक	विश्वविद्यालय अभियंता/परामर्शक
10.	कुलसचिव - सदस्य सचिव	डॉ. मुकेश श्रीवास्तव

रानी लक्ष्मी बाई केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, झांसी

वर्ष 2016-17 के लिए शैक्षणिक कैलेंडर

बी.एससी. (ऑनर्स) कृषि

प्रथम सेमिस्टर

1.	पंजीकरण और प्रवेश की तिथि	25.07.2016 (सोमवार)
2.	अभिमुखन कार्यक्रम	25.07.2016 (सोमवार)
3.	कक्षाओं का शुभारंभ	26.07.2016 (मंगलवार)
4.	पंजीकरण की अंतिम तिथि देर से पंजीकरण शुल्क के साथ	05.08.2016 (शुक्रवार)
5.	फ्रेशर्स डे/ सांस्कृतिक संध्या	15.08.2016 (सोमवार)
6.	मध्यावधि - सेमिस्टर परीक्षा	03.10.2016 से 08.10.2016 (सोमवार से शनिवार)
7.	शिक्षकों से डीन को मध्य सेमिस्टर रिपोर्ट	18.10.2016 (मंगलवार)
8.	अनुदेशों की समाप्ति	13.12.2016 (मंगलवार)
9.	तैयारी के लिए अवकाश	14.12.2016 से 18.12.2016 (बुधवार से रविवार)
10.	अंतिम सत्र परीक्षा (सिद्धांत तथा प्रयोगात्मक)	19.12.2016 से 31.12.2016 (सोमवार से शनिवार)
11.	सेमिस्टर अवकाश	01.01.2017 से 15.01.2017 (रविवार से रविवार)

सेमिस्टर का 16.01.2017 (सोमवार) से शुभारंभ

अगला सेमिस्टर

1.	पंजीकरण की तिथि	16.01.2017 (सोमवार)
2.	कक्षाओं का शुभारंभ	17.01.2017 (मंगलवार)
3.	पंजीकरण की अंतिम तिथि देर से पंजीकरण शुल्क के साथ	28.01.2017 (शनिवार)
4.	मध्यावधि - सेमिस्टर परीक्षा	29.03.2017 से 10.04.2017 (बुधवार से सोमवार)
5.	शिक्षकों से डीन को मध्य सेमिस्टर रिपोर्ट	20.04.2017 (गुरुवार)
6.	अनुदेशों की समाप्ति	14.06.2017 (बुधवार)
7.	तैयारी के लिए अवकाश	15.06.2017 से 18.06.2017 (गुरुवार से रविवार)
8.	अंतिम सत्र परीक्षा (सिद्धांत तथा प्रयोगात्मक)	19.06.2017 से 30.06.2017 (सोमवार से शुक्रवार)
9.	सेमिस्टर अवकाश	01.07.2017 से 24.07.2017 (शनिवार से सोमवार)

अगला शैक्षणिक सत्र 2017-18 दिनांक 24.07.2017 (सोमवार) को शुरू होगा



रानी लक्ष्मी बाई केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय

अनुबंध VI

रानी लक्ष्मी बाई केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, झांसी
वार्षिक लेखा 2016-17

31 मार्च 2017 को लेखापरीक्षा पूर्व तुलन पत्र

कॉर्पस/पूँजी निधि एवं देयताएं			
	अनुसूची	चालू वर्ष	पिछले वर्ष
कॉर्पस/पूँजीगत निधि	1	54158972.00	3906027.00
आरक्षित निधि	2	0.00	0.00
निश्चित की गई/बंदोबस्ती निधि	3	0.00	0.00
चालू देयताएं एवं प्रावधान	4	370736972.00	90918317.00
कुल		424895944.00	94824344.00
परिसम्पत्तियां			
अचल परिसम्पत्तियां	5	39272277.00	2649927.00
निवेश - निश्चित की गई/ बंदोबस्ती निधियां	6	0.00	0.00
चालू परिसम्पत्तियां, ऋण तथा पेशगियां	7	385623667.00	92174417.00
कुल		424895944.00	94824344.00

ह.
कुलपति

ह.
वित्त एवं लेखा अधिकारी

रानी लक्ष्मी बाई केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, झांसी
वार्षिक लेखा 2016-17

लेखा परीक्षा पूर्व 31 मार्च 2017 को समाप्ति वर्ष के लिए आय एवं व्यय का लेखा

(राशि रुपयों में)

क. आय	अनुसूची	चालू वर्ष	पिछले वर्ष
डेयर से प्राप्त अनुदान	8	25051045	7570444
बिक्री तथा सेवाओं से आय	9	24442	0
शैक्षणिक प्राप्तियां	10	368540	171380
अर्जित ब्याज	13	13158968	996925
अन्य आय	14	78645	31475
पूर्वावधि आय	15	0	0
कुल (क)		38681640	8770224
ख. व्यय			
स्थापना व्यय	16	4320618	1848704
प्रशासनिक व्यय	17	6914733	1724223
शैक्षणिक व्यय	18	11858863	3669973
अनुसंधान व्यय	19	1513332	9215
विस्तार गतिविधियों पर व्यय	20	42476	0
अन्य व्यय	21	401023	318329
पूर्वावधि व्यय	22	0	0
मूल्यह्रास	5	692903	214419
कुल (ख)		25743948	7784863
शेष अतिरिक्त राशि/(कमी) कॉर्पस पूंजीगत को लाई गई निधि है		12937692	985361

ह.
कुलपति

ह.
वित्त एवं लेखा अधिकारी



रानी लक्ष्मी बाई केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय

अनुबंध VIII

वैधानिक आधिकारी

विश्वविद्यालय के वैधानिक आधिकारियों की सूची वर्ष 2016-17

विजिटर

श्री प्रणब मुखर्जी
भारत के माननीय राष्ट्रपति

कुलाधिपति

प्रो. डा. पंजाब सिंह
(जनवरी 2016 से)
पूर्व सचिव, डेयर व महानिदेशक, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद तथा
पूर्व कुलपति बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय

कुलपति

डा. अरविन्द कुमार
(मई 2014 से)

कुलसचिव

डा. मुकेश श्रीवास्तव
(अप्रैल 2016 से)

RLB CAU
ANNUAL REPORT
2016-17

July 2016 – June 2017



RANI LAKSHMI BAI CENTRAL AGRICULTURAL UNIVERSITY
JHANSI 284 003, India

Annual Report 2016 - 2017

(July, 2016 to June, 2017)

Telephone No. : 0510-2730555, 0510-2730777
Fax : 0510-2730555
E-mail : vcrlbcau@gmail.com
Website : <http://www.rlbcau.ac.in>

Published by

Dr. Mukesh Srivastava

Registrar

Rani Lakshmi Bai Central Agricultural University
Jhansi 284 003

Compiled & Edited by

Dr. Kusumakar Sharma

Consultant

Dr. Meenakshi Arya

Scientist (Plant Pathology)

Dr. Madhulika Pandey

Teaching Associate

Dr. Mukesh Srivastava

Registrar

Rani Lakshmi Bai Central Agricultural University
Jhansi 284 003

Acknowledgement

ICAR-Directorate of Knowledge Management in Agriculture (DKMA)
Indian Council of Agricultural Research, Krishi Anusandhan Bhavan-I,
Pusa Campus, New Delhi 110012

Foreword

I am happy to present the third Annual Report of Rani Lakshmi Bai Central Agricultural University (RLBCAU), Jhansi for the year 2016-17 that highlights the important activities and achievements of the University during the year.

The University made steady progress to achieve the mandated objectives of its establishment as an institution of national importance. The academic activities for imparting quality education were further consolidated by initiating two new undergraduate programme for the degree of B.Sc (Hons) Horticulture and B.Sc (Hons.) Forestry, besides continuing programme for the degree of B.Sc (Hons) Agriculture. The University admitted the students through All India Entrance Examination in Agriculture and Allied Sciences (AIEEA) for UG programmes conducted by the Indian Council of Agricultural Research, which reflects the national character in the composition of admitted students. Rani Lakshmi Bai Central Agricultural University Academic Regulations-2016 for Postgraduate Studies were also framed and placed before Parliament for regulating PG programmes in Agriculture and allied sciences. The university strengthened its laboratories, library and other learning resources including IT services for the students and faculty.

The research work was primarily focused to enhance chick-pea production in Bundelkhand region with multi-pronged approach of breeding, disease resistance, seed production, intercropping and nutrient & water management under ICAR-AICRP Chick-pea programme. Fresh crosses were attempted to generate the breeding material having the variability for yield, its component traits and resistance against major diseases. A large number of chick pea entries of IVT, AVT1, AVT2 (desi, Kabuli, rainfed, late sown) were evaluated against major chick pea diseases of the region like wilt and dry root rot .

Agricultural advisory services play a crucial role in promoting agricultural productivity, increasing food security, improving rural livelihoods, and promoting agriculture as an engine of pro-poor economic growth. The University faculty successfully organized farmers training cum frontline demonstrations, farmers' visits and goshies to promote best farming practices, besides getting involved in activities under the aegis of Mera Gaon Mera Gaurav (MGMG) programme for increasing farm productivity and production. The teachers



RANI LAKSHMI BAI CENTRAL AGRICULTURAL UNIVERSITY

and students were also active participant of Swachh Bharat Abhiyan (SBA), National Social Service (NSS), National Agri-fest and All India Inter Agricultural University Games & Sports Meet.

The infrastructural development got a boost at Jhansi after the transfer of about 300 acre land to the University by Department of Agricultural Research & Education (DARE), Ministry of Agriculture and Farmers Welfare, Government of India. The construction of Pre-fabricated Structures was completed to meet immediate need for laboratories, offices and students at Jhansi campus. Further, construction process was initiated after the approval of master plan & the architectural designs of essential constructions (Academic Building for College of Agriculture, Horticulture and Forestry, Administrative building, VC residence, Hostels etc) at Jhansi by various statutory bodies of the University.

The performance of the university during last three years is being evaluated by the Expenditure Management Committee constituted by DARE under the chairmanship of Dr.S.L.Mehta, Former DDG (Education), ICAR. Meantime, DARE has accorded administrative approval to fill statutory posts of Deans, Directors and Librarian. These developments are likely to accelerate the recruitment and deployment of regular faculty after the necessary approval of Ministry of Finance, Government of India.

The University is indebted to Shri. Pranab Mukherjee, Hon'ble Visitor of the University, Shri. Radha Mohan Singh Ji, Hon'ble Union Minister for Agriculture and Farmers Welfare, Government of India and Dr Panjab Singh, Hon'ble Chancellor for their guidance, encouragement and desired support. I am pleased to express my gratitude to the Central and State Governments, Dr. T. Mohapatra, Secretary Department of Agricultural Research & Education, Ministry of Agriculture and Farmers Welfare, Government of India and Director General, Indian Council of Agricultural Research, Hon'ble Members of University Board of Management and Finance Committee for their guidance and support to carry out our various activities. I thank Dr. Mukesh Srivastava, Registrar, Mr. Jawahar Lal Sharma, Administrative Officer, ICAR-CAFRI, Jhansi and Mr. Mahesh Mulani, Finance and Account Officer, ICAR-IGFRI, Jhansi, who looked after academic, administrative and finance related work of the University, respectively. I gratefully acknowledge the support received from my colleagues, consultants and students who made valuable contributions to make these achievements possible. I specially compliment Prof. Dr. Kusumakar Sharma for timely preparation of this Annual Report.

Dated: 26.07.2017

Place: Jhansi

(Arvind Kumar)

Vice Chancellor

Contents

<i>Foreword</i>	<i>iii</i>
The University	1
1. Introduction	2
2. Goals	2
3. University Authorities and Governance	2
4. Academic Activities	4
5. Faculty	5
6. AICRP- Chickpea sub-centre	10
7. Extension Activities	14
8. Infrastructural Development	17
9. Finance and Budget	21
10. Other Major Activities/Events	22
11. Faculty participation in conferences/ trainings/meetings	29
12. Awards and Honours	31
13. Publications	32
14. Roadmap for the year 2017-18	33
Annexure I	34
Annexure II	36
Annexure III	37
Annexure IV	44
Annexure V	45
Annexure VI	46
Annexure VII	47
Annexure VIII	48



UNIVERSITY





1. Introduction

The Rani Lakshmi Bai Central Agricultural University was established as an institution of national importance on 5th March, 2014 by an Act of Parliament by Govt. of India for the furtherance of the advancement of learning and pursuit of research in agriculture and allied sciences. The headquarter of the University is being developed at Jhansi in the State of Uttar Pradesh. The jurisdiction and responsibility of the University with respect to teaching, research and programmes of extension education at the University level, in the field of agriculture shall extend to whole country and priority shall be laid on the issues related to Bundelkhand region. All colleges, research and experimental stations or other institutions to be established under the authority of the University shall come in as constituent units under the full management and control of its officers and authorities. Within the provision of para 4 (2) of the University Act, the University has established its head quarter and constituent College of Agriculture and College of Horticulture and Forestry at Jhansi. Two colleges, namely College of Veterinary and Animal Sciences, and College of Fisheries are being established at Datia, Madhya Pradesh. The University is funded directly by the Department of Agricultural Research and Education, Ministry of Agriculture and Farmers Welfare, Government of India, New Delhi.

2. Goals

The University objectives are clearly defined in the Act as follows to:

- a. impart education in different branches of agriculture and allied sciences as it may deem fit;
- b. further the advancement of learning and conducting of research in agricultural and allied sciences;
- c. undertake programmes of extension education in Bundelkhand in the districts of the States under its jurisdiction;
- d. promote partnership and linkages with national and international educational institutions; and
- e. undertake such other activities as it may, from time to time, determine.

3. University Authorities and Governance

The Vice-Chancellor is the principal executive and academic head of the University and *ex-officio* Chairman of Board of Management, Finance Committee and Academic Council. Board of Management, Finance Committee and Academic Council are the apex bodies, which will take decisions on administrative, financial and academic matters. The proposed governance structure of the University is depicted in Fig. (1).

3.1 Board of Management

The University is guided by the Board of Management, which is the policy making body and responsible for the management of the University. The composition of BOM during the period under report is given in **Annexure-I**. Major decisions taken in the 4th meeting of the BOM held on 9th January, 2017 included the following:

- Approval of RLBCAU Academic Regulations-2016 for Post-graduate Studies
- Approval of Annual Report for the Academic year 2014-15 and 2015-16 for submission to Hon'ble Visitor.
- Approval of Academic Calendar of the University for the year 2017-18
- Approval of number of students to be admitted in various Under-graduate

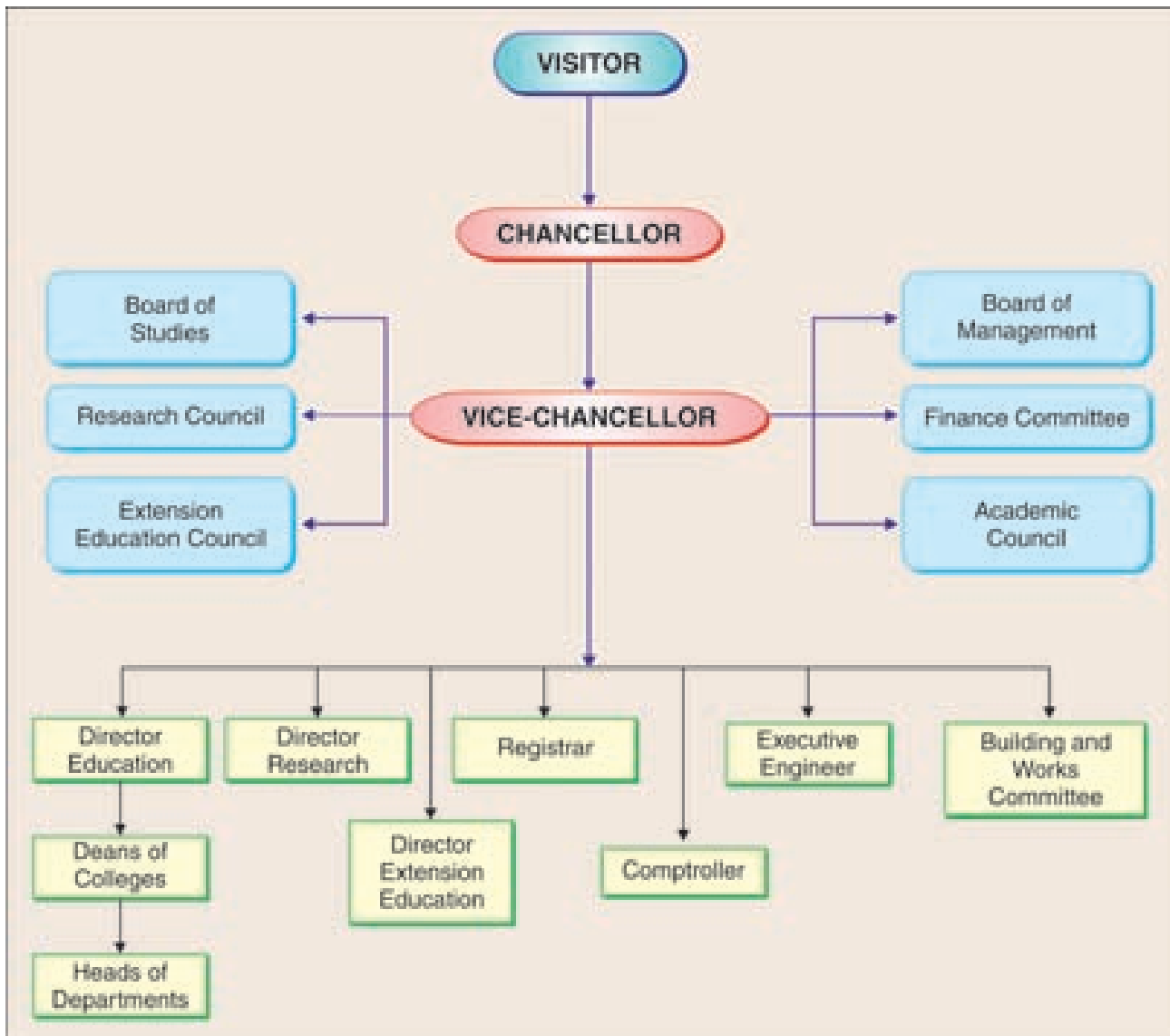


Fig. 1. Governance Structure of the University



The Fourth meeting of Board of Management in session

programmes of the University during Academic year 2017-18.

- Appraisal about the progress and status of Civil Works being undertaken by the University and approval of preliminary estimates submitted during 2016-17.
- Approval of Annual Accounts with Balance Sheet and Income & Expenditure Statement for the year 2015-16 for mandatory audit as per section 31 (1) of



the University Act.

- Appraisal of Audit Report on the Accounts of RLBCAU, Jhansi for the financial year 2014-15 and recommendation to lay the Accounts before the Parliament,
- Amendment in Clause 3.2 of Significant Accounting Policies of RLBCAU, Jhansi – Revision in rates of depreciation on fixed assets.
- Approval for sending proposal for recruitment to various statutory positions of the University to DARE for concurrence.
- Approval for hiring contractual services of young professionals, office assistance and vehicle driving.
- Approval for purchase of lap-tops and Projectors for class rooms,
- Approval for delegation of Financial powers to the Registrar of RLBCAU, Jhansi
- Appraisal about revised outcome budget 2016-17 to 2019-20.
- Appraisal about provisions of EFC during XII plan
- Approval for Construction of Poly/Net Houses out of the budget under Capital head.
- Approval for purchase of vehicles subject to Government of India rules

3.2. Finance Committee

The Finance Committee of the University consists of the Vice Chancellor as Chairman and Financial Advisor, Department of Agricultural Research and Education; three persons nominated by the Board, out of whom at least one shall be a member of the Board; three persons nominated by the Visitor; and the Comptroller of the University as its -Member-Secretary (Annexure-II). The Finance Committee met twice during this period

(Table 1).

S. No.	Meeting	Date	No. of Finance Committee Members present
1.	3 rd	4 th August, 2016	08
2.	4 th	16 th May, 2017	06

Agenda items discussed and major decisions taken in the meetings of the Finance Committee included the following:

Third Meeting

- Approval of Annual Accounts for the year 2015-16 for mandatory audit,
- Appraisal of Audit Report on the Accounts of RLBCAU, Jhansi for the financial year 2014-15 & recommendation to lay the Audited Accounts before the Parliament,
- Approval of preliminary estimates for various pre-fab and other structures to be constructed at RLBCAU, Jhansi & Datia,
- Approval of delegation of financial powers to the University Registrar,
- Appraisal about revised outcome budget 2016-17 to 2019-20
- Appraisal about provisions of EFC during XII plan.

Fourth Meeting

- Approval of Annual Accounts for the year 2016-17 for mandatory audit.
- Appraisal of allocations Communicated under Budget Estimates for the year 2017-18 to 2019-20 and headwise allocations proposed in EFC 2017-18 to 2019-20.

4. Academic Activities

The University initiated two new undergraduate courses leading to B.Sc (Hons)

Horticulture and B.Sc.(Hons) Forestry and continued its B.Sc.(Hons) Agriculture degree programme with the support of guest faculty, teaching associates and scientific staff of ICAR Research Institutes/State Universities/Government Departments located at Jhansi and nearby areas. The intake capacity and number of students admitted during the academic session 2016-17 through All India Entrance Examination in Agriculture and Allied Sciences (AIEEA) for UG programmes conducted by Indian Council of Agricultural Research is given in Table 2.

Table 2: Intake capacity and number of students registered to various undergraduate courses

Students	Numbers, B.Sc (Hons)			
	Agriculture	Horticulture	Forestry	Total
Intake	30	20	20	70
Registered	30	13	15	58

The third academic session of the University was started from 25th July, 2016 with a brief about the University given to newly admitted students by Dr. Mukesh Srivastava, Registrar that included the back-ground, motto and expectations of the faculty along with recent achievements. Going away to University is a big transition, therefore, the Orientation Program at the University was designed to make that transition easier for all first year students on 16th August, 2016 which was attended by freshers' and senior students, faculty and staff of the University. The orientation began with the welcome of the students, faculty members and Chief Guest of the event Dr. Arvind Kumar, Vice-chancellor, who graced the occasion with his presence. Next, a brief description of the University, which included the recent achievements, introduction regarding

the academic disciplines, financial aid and scholarships, student welfare, code of conduct, importance of sports etc was given by Dr Mukesh Srivastava, Registrar, Dr. Devi Singh, Consultant and Anchor Dr. Meenakshi Arya. Vice-chancellor Dr. Arvind Kumar welcomed the students to the University fraternity and advised them to understand the significance of education in general and higher agricultural education in particular, in the global and Indian contexts. He explained the linkages between agricultural education and economic and socio-cultural development in the country, where agriculture supports livelihood of about half the population. He called upon the students to acquire and improve basic skills at the College/University level and try to remain aware of the developments in his/her specific area of learning and to utilize on campus opportunities for development of personality, initiative and creativity. Subsequently, a cultural program was organized that was followed by dinner.

5. Faculty

In the light of Section 6 (x, xi) of the University Act, vesting the University with power to create teaching, research, extension education, administrative, ministerial and other posts and to make appointments thereto, the Finance Committee and Board of Management of the University approved the creation of 254 teaching and 234 non-teaching posts for the head quarters and four constituent colleges (College of Agriculture; College of Horticulture & Forestry; College of Veterinary and Animal Sciences, and College of Fisheries). The University has proposed faculty following the minimum standards for UG/PG education in different branches of agriculture sciences, except veterinary sciences, as per the norms prescribed by the Indian Council of Agricultural Research. The Veterinary education shall be regulated by



the norms prescribed by Veterinary Council of India. However, MOF has desired to get an evaluation of the University as per GFR 2017 (IX) done through Expenditure Management Committee (EMC) before considering the proposal for financial concurrence for creation of posts. Accordingly, the EMC has been constituted by Department of Agricultural Research & Education, Ministry of Agriculture and Farmers Welfare, Government of India under the chairmanship of Dr. S.L.Mehta, Former DDG (Education), ICAR vide order No.5-6/2017-CAU dated 11th May, 2017 and the evaluation is in progress. However, DARE has approved the proposal for recruitment to statutory positions of the University, except to Dean, College of Veterinary Science and College

of Fisheries vide letter No.5-34/2017-CAU dated 23.06.2017. Mean time, the University continued its academic activities with the support of 34 contract/ guest faculty, scientists and Teaching Associates and provided enabling environment for quality education. (**Annexure-III**). The University implemented the recommendations of Vth Dean Committee and reoriented the course curriculum accordingly for the students admitted during the current Academic year 2016-17.

The following courses were offered by the University to the first, second and third year students of B.Sc. (Hons.) Agriculture and first year students of B.Sc. (Hons.) Horticulture and B.Sc. (Hons.) Forestry during the academic year under report:

B.Sc. (Hons.) Agriculture 1st year

I. Semester

Sl. No.	Course No.	Title of Courses	Credit Hours
1.	ANC 166	Human Values & Ethics	1(1+0)
2.	ARC 173	Agricultural Heritage	1(1+0)
3.	AAC 148	Rural Sociology & Educational Psychology	2(2+0)
4.	ARC 172	Elementary Mathematics	2(2+0)
5.	AAC 147	Comprehension & Communication Skills in English	2(1+1)
6.	ABB 155	Fundamentals of Plant Biochemistry & Biotechnology	3(2+1)
7.	APS 118	Fundamentals of Soil Science	3(2+1)
8.	APA 101	Fundamentals of Agronomy	4(3+1)
9.	APF 179	Introduction of Forestry	2(1+1)
10.	APH 176	Fundamentals of Horticulture	2(1+1)
11.	ANC 167	NSS	

II. Semester

Sl. No.	Course No.	Title of Courses	Credit Hours
1.	AAE 132	Introductory Soil & Water Conservation Engineering	2(1+1)
2.	APP 138	Fundamentals of Plant Pathology	4(3+1)
3.	ABB 157	Fundamentals of Crop Physiology	2(1+1)
4.	AGP 113	Fundamentals of Genetics	3(2+1)
5.	ABB 156	Agricultural Microbiology	2(1+1)
6.	APE 121	Fundamentals of Entomology	4(3+1)
7.	AEC 127	Fundamentals of Agricultural Economics	2(2+0)
8.	AAC 149	Fundamentals of Agricultural Extension Education	3(2+1)
9.	AAC 150	Communication Skills and Personality Development	2(1+1)
10.	ANC 167	NSS	

B.Sc. (Hons.) Agriculture IInd year**III. Semester**

Sl. No.	Course No.	Title of Courses	Credit Hours
1.	APA 202	Organic Farming	2(1+1)
2.	ALM 266	Livestock Production & Management	3(2+1)
3.	ABP 251	Crop Physiology	3(2+1)
4.	APE 221	Insect morphology & Systematics	3(2+1)
5.	AEC 226	Agricultural Finance and Co-operation	2(1+1)
6.	APH 211	Production Technology for Vegetables & Flowers	3(2+1)
7.	AST 241	Principles of Seed Technology	3(2+1)
8.	AAE 231	Farm Power & Machinery	2(1+1)
9.	APA 201	Practical Crop Production (Kharif)	1(0+1)
10.	ANC 167	NSS	

IV. Semester

Sl. No.	Course No.	Title of Courses	Credit Hours
1.	AAE 232	Protected cultivation and Post-harvest Technology	2(1+1)
2.	APP 236	Diseases of Field Crops and their Management	3(2+1)
3.	AGP 211	Breeding of Field / Horticultural crops	3(2+1)
4.	APS 216	Manures, Fertilizers and Agrochemicals	3(2+1)



RANI LAKSHMI BAI CENTRAL AGRICULTURAL UNIVERSITY

Sl. No.	Course No.	Title of Courses	Credit Hours
5.	APH 221	Production Technology of Spices, Aromatic, Medicinal & Plantation Crops	3(2+1)
6.	APE 222	Insect Ecology & IPM including beneficial insects	3(2+1)
7.	AEC 227	Agricultural Marketing, Trade and Prices	2(1+1)
8.	APA 203	Practical Crop Production II (Rabi)	1(0+1)
9.	ANC 167	NSS	

B.Sc. (Hons.) Agriculture IIIrd year

V. Semester

Sl. No.	Course No.	Title of Courses	Credit Hours
1.	APE 321	Crop Pests & Stored Grain Pests and their Management	2(2+1)
2.	AEC 326	Fundamentals of FBM	2(1+1)
3.	APA 201	Field Crops-I	2(2+1)
4.	AAC 346	Fundamentals of Rural Sociology and Educational Psychology	2(2+0)
5.	APH 331	Post Harvest Management & Value addition of Fruits and Vegetables	2(1+1)
6.	AGP 311	Principles of Plant Biotechnology	3(2+1)
7.	APA 302	Farming System & Sustainable Agriculture	.2(1+1)
8.	APP 366	Diseases of Horticultural Crops and their Management	2(2+1)
9.	ANC 167	NSS	

VI. Semester

Sl. No.	Course No.	Title of Courses	Credit Hours
1.	AEC 327	Production Economics & Farm Management	2(1+1)
2.	FES 371	Environmental Science	2(1+1)
3.	AAC 347	Extension Methodologies for Transfer of Agricultural Technology	2(1+1)
4.	AAE 331	Renewable Energy	2(1+1)
5.	APA 304	Weed Management	2(1+1)
6.	AAC 348	Entrepreneurship Development and Communication Skills	2(1+1)
7.	APA 303	Field Crops-II (Rabi)	3(2+1)
8.	ABB 351	Biochemistry	3(2+1)
9.	FHL 341	Comprehension and Communication Skills in English	2(1+1)
10.	ANC 167	NSS	

B.Sc. (Hons.) Horticulture Ist year**I. Semester**

Sl. No.	Course No.	Title of Courses	Credit Hours
1.	HNR 131	Fundamentals of Soil Science	2(1+1)
2.	ABB 160	Introductory Crop Physiology	2(1+1)
3.	HFS 101	Fundamentals of Horticulture	3(2+1)
4.	ABB 161	Introductory Microbiology	2(1+1)
5.	FBS 142	Communication Skills and Personality Development	2(1+1)
6.	ABB 158	Elementary Statistics and Computer Application	3(2+1)
7.	HFS 102	Principles of Genetics & Cytogenetics	3(2+1)
8.	HSS 166	Economics and Marketing	3(2+1)
9.	ABB 159	Elementary Plant Biochemistry	2(1+1)
10.	HFL 121	Principles of Landscape Architecture	1(0+1)

II. Semester

Sl. No.	Course No.	Title of Courses	Credit Hours
1.	HNR 134	Water Management in Horticultural Crops	2(1+1)
2.	ABB 162	Growth & Development of Horticultural Crops	2(1+1)
3.	HFS 104	Tropical & Subtropical Fruits	3(2+1)
4.	HSS 169	Information & Communication Technology	2(1+1)
5.	HNR 132	Soil Fertility & Nutrient Management	2(1+1)
6.	HNR 133	Environmental Studies & Disaster Management	3(2+1)
7.	HFS 105	Principles of Plant Breeding	3(2+1)
8.	HVS 101	Tropical & Subtropical Vegetable Crops	3(2+1)
9.	HFS 103	Plant Propagation & Nursery Management	2(1+1)
10.	HSS 170	Physical & Health Education	1(0+1)
11.		NSS	

B.Sc. (Hons.) Forestry Ist year**I. Semester**

Sl. No.	Course No.	Title of Courses	Credit Hours
1.	FBS 143	Plant Biochemistry	2(1+1)
2.	FBS 145	Basic Mathematics	2(2+0)
3.	FBS 144	Forest Botany	2(1+1)



Sl. No.	Course No.	Title of Courses	Credit Hours
4.	FSA 101	Introduction to Forestry	2(2+0)
5.	FBS 142	Communication Skills and Personality Development	2(1+1)
6.	FSA 102	Dendrology	3(2+1)
7.	FNR 116	Introduction to Agronomy and Horticulture	3(2+1)
8.	FNR 117	Geology & Soils	3(2+1)
9.	FBS 141	Information and Communication Technology	2(1+1)
10.	FBS 147	NSS	

II. Semester

Sl. No.	Course No.	Title of Courses	Credit Hours
1.	FWM 136	Wildlife Biology	3(2+1)
2.	FBT 112	Plant Cytology and Genetics	2(1+1)
3.	FSA 103	Theory & Practice of Silviculture	3(2+1)
4.	FPU 126	Wood Anatomy	3(2+1)
5.	FBT 111	Plant Physiology	3(2+1)
6.	FBS 148	Statistical Methods & Experimental Design	3(2+1)
7.	FNR 118	Forest Protection	3(2+1)
8.	FBS 146	Physical Education I	1(0+1)
9.	FBS 149	Physical Education II	1(0+1)
10.		NSS	

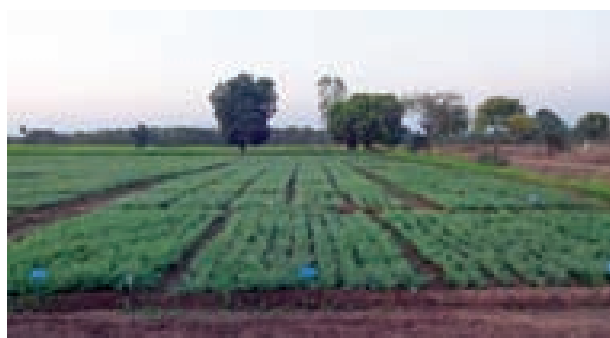
6. AICRP-Chickpea sub-centre

The technical program of research continued for enhancing chickpea production in Bundelkhand region with multi-pronged approach of breeding, disease resistance, seed production, intercropping and nutrient & water management under ICAR-AICRP Chickpea programme. The following coordinated trials on chickpea were conducted during Rabi season of the year 2016-17:

6.1 Plant Breeding

- Sixteen fresh crosses were attempted to generate the breeding material having the

variability for yield, its component traits and resistance against major diseases.



Evaluation of promising entries of Chickpea at University Research Station.

S.No.	Crosses	S.No.	Crosses
1.	JAKI 9218 X PBG 1	9	Digvijay X WCG 2
2.	ANNIGERI X PUSA 212	10	WCG-2 X WCG 95-50
3.	CSG 8962 X WCG 2	11	BG 1003 X WCG 2
4.	WCG 2 X WCG 1	12	WCG 1 X ICCV 11013
5.	L-550 X RGS 10	13	WCG 1 X ICCV 12016
6.	L-550 X Digvijay	14	RSG 10 X WCG 2
7.	L-550 X BG 1053	15	WCGK-2000-16 X WCG 2
8.	WCG 1 X WCG 2	16	WCG2 X WCGK-2000-16

- Breeding materials were grown in different generations for evaluation, selection and advancement to next generation

Generation	No. of Crosses	SPS	Bulk
F3	6 (JG6 X JG 12; JG6 X JSC 37; JG 16 X IPC 2009-191; SAKI 1956 X BG 2049; CSI 515 X 1958; PUSA 391 X GNG 1581)	154	6
F4	25 (IPC 1155 X ICCV 7110 ; JG33X JG74; JG33XJGK 43; F4 Population from ICRISAT)	209	5
F5	1 (Yield trial from IARI)	25	23
F6	5 (Station trial from IARI)	25	30
F7	15 (Station trial from IARI)	80	-
AGBL	AGBL SEHORE 17-113 (ICC 4958 X Phule G5), AGBL SEHORE 17-110 (ICCV10X ICC87322), AGBL SEHORE 17-105 (JG 74 X JSC 40)	-	3

- Promising entries with yield during various Station trials are summarized below:

Trials	No. of Entries	Promising Entries with Yield (Kg/ha)
ICRISAT ICVT-Desi	20	ICCV16103(3020 kg/ha), ICCV16105 (3010 kg/ha), ICCV16116 (2875 kg/ha), ICCV16111(2812kg/ha)
ICRISAT ICVT-Kabuli	20	ICCV16303 (1500 kg/ha), ICCV16307 (1514 kg/ha)
ST-2	26	ST-5-20 (2531 kg/ha), ST-5-21-1(2125 kg/ha)
ST-1	8	BGM10243 (1631kg/ha)
PYT	49	F5-1 (2711 kg/ha), F5-26(2356 kg/ha)

188 Chickpea germplasm accessions obtained from NBPGR, New Delhi were grown, maintained and evaluated during the year under 3 different dates viz. timely sown,

medium late sown and late sown conditions with the recommended dose of fertilizers. The performance of Chickpea varieties suitable for rainfed conditions as prevalent in Bundelkhand



was evaluated in demonstration plot (24.0 M²) during Rabi season (Table 3) after treatment with recommended fungicides.

Table 3: Performance of Chickpea Varieties in Demonstration Plots (unreplicated) during Rabi 2016-17

S.No.	Varieties/ Genotypes	Yield (q/ha)	Maturity (Days)	Seed size (g/100 seeds)	Remark
<i>Kabuli Chickpea</i>					
1.	BG 5023	10.37	120	38.80	Disease tolerant
2.	BG 1108	10.37	120	28.33	Rainfed
3.	BG 2024	19.82	119	24.40	Irrigated and rainfed
4.	BG 1003	19.31	120	28.33	Tolerant to wilt
5.	BG 1053	27.58	124	23.70	Rainfed, wilt resistant
6.	WCGK 2000-16	16.21	123	28.80	Tolerant to blight
<i>Green Chickpea</i>					
7.	BDG 112	17.50	121	20.69	Dark green foliage
<i>Desi Chickpea</i>					
8.	BGM 547	24.46	117	33.33	Irrigated, NWPZ
9.	BG 5028	19.54	122	25.50	Extra large seed
10.	BG 372	27.32	119	27.74	Rainfed, CZ
11.	BG 362	22.25	119	25.10	Rainfed, Western UP
12.	Pusa 244	12.08	114	15.60	Rainfed, Irrigated Western UP
13.	C 235	13.87	115	13.00	Old , wider adaptability
14.	JG 130	16.48	113	15.23	Rainfed, Irrigated , MP
15.	RSG 902	18.40	116	28.41	Rainfed
16.	Phulle G 5	20.80	112	24.91	Normal, CZ
17.	PDG 4	18.04	115	16.47	Rainfed
18.	Digvijay	18.04	115	26.82	Rainfed
19.	CSG 8962	22.00	126	14.55	Salt tolerant
20.	PBG 1	18.00	114	13.53	Rainfed, Western UP
21.	Annegeri	21.82	110	17.18	Rainfed
22.	JG 315	25.41	114	15.50	Rainfed, UP, MP
23.	ICCV 92944	14.27	112	23.17	Rainfed
24.	RSG 888	15.13	114	22.23	Rainfed, Western UP
25.	Pusa 372	15.33	115	12.76	Rainfed, UP, CZ

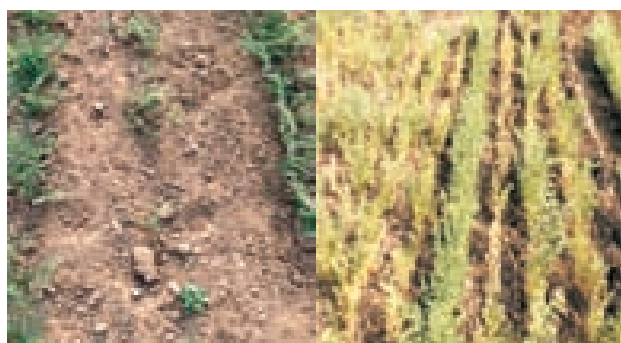
S.No.	Varieties/ Genotypes	Yield (q/ha)	Maturity (Days)	Seed size (g/100 seeds)	Remark
26.	JG11	15.25	116	20.04	Rainfed, SZ
27.	Jaki 9218	14.79	115	15.08	Rainfed, CZ
28.	BG 1103	19.31	119	28.33	Disease resistant
29.	BDG 72	21.34	120	28.28	Rainfed, UP, MP
30.	WCG 95-50	20.55	117	17.83	Drought tolerant strain
31.	BG 391	31.57	120	22.36	Erect, Rainfed for CZ
32.	WCG-1	24.06	118	22.56	Salt tolerant, UP
33.	WCG-2	26.46	119	15.45	White flowered, UP

NWPZ: North-Western Plain Zone; CZ: Central Zone; SZ: South Zone

6.2 Plant Pathology

Evaluation of 252 chickpea entries of IVT, AVT1, AVT2 (desi, Kabuli, rain-fed, late sown) against wilt and dry root rot disease was undertaken as per assigned technical program. Salient highlights of the observations and achievements include the following:

- Chickpea wilt (*Fusarium oxysporum* f.sp. *ciceri*) and Dry root rot (*Rhizoctonia bataticola*) as the prominent diseases of chick-pea in the Bundelkhand region.
- ◆ 92 entries exhibited incidence of wilt of 70% and above – of which 19 entries were in the range of 80-95% of wilt incidence.
- ◆ 14 entries exhibited low incidence of wilt being below 20%



Dry root rot (A) and Wilt (B) disease in the field

- ◆ 59 entries exhibited the incidence of root rot in the range of 60-95%.
- ◆ 16 entries exhibited low incidence of root rot being below 20%.
- The wilt disease was present at almost all the villages of Jhansi district. The disease incidence ranged from 20 to 35%.
- Collar rot (*Sclerotium rolfsii*) in the seedling stage under wet soil conditions. The incidence of the disease was more at higher soil moisture and at sowing time temperature of around 28-30 C.
- The pathogen was isolated on potato dextrose agar using recommended technique.
- The morphological and cultural characteristics of isolated pathogen were identified by the naked eyes and with the help of microscope.
- Development of isolated wilt sick plot and sick plot for dry root rot to have optimum inoculum load of *Fusarium oxysporum* f. sp. *Ciceris* and also *Rhizoctonia bataticola*, respectively.
- The results need further confirmation on disease reaction.



7. Extension Activities

7.1 *Parthenium* Awareness Week organized

Parthenium hysterophoru, locally called gajar ghas or congress grass, is an alien weed which sneaked into India along with wheat imported from USA in the early 1950s. It was first seen in 1955-56 at Pune in Maharashtra, and since then it has spread alarmingly and invaded about 35 million ha of land in the country. It has assumed serious proportions in the cropped and non-cropped lands, city dwellings, rail road sides and also in institutional areas. This obnoxious weed has been causing enormous losses in agricultural productivity, human and animal health and biodiversity. In view of the seriousness as well as the magnitude of the threat posed by this weed, the University organized a mass awareness programme by observing 'XI *Parthenium* Awareness Week from 16-22 August, 2016 to educate the farmers and general public about the ill effect of *Parthenium* and ways to manage it. A number of events like essay writing, debate and poster presentation were organized during the week. A scientist-farmers interface was organized in the adopted village Kanchanpura of Babina block on August 22, 2016 to create awareness among farmers and educating them about the necessary measures to eradicate or prevent the spread of *Parthenium*. "Hand pulling is best solution to

root it out. It should be buried after that," was the key message given by the experts. Farmers were advised to adopt an integrated approach, involving mechanical, cultural, chemical, biological and social measures towards its eradication. These events were given wide coverage by print and electronic media.

7.2 Exposure visits of Farmers

1. The Government of India launched 'Agricultural Technology Management Agency (ATMA)' scheme to support for extension reforms. In order to percolate the benefits of ATMA Scheme down to the farmers for adoption of good agricultural practices, exposure visits of farmers are arranged to agricultural universities and research institutions. A group of 15 farmers from Bhopal visited Rani Lakshmi Bai Central Agricultural University, Jhansi under the programme "Rajya Ke Bahar Krishak Bhraman" sponsored by ATMA on 26th November 2016. The group was accompanied by Dr. S. K. Rathore, Deputy Project Director and Sri Amar Dixit, Block Technology Manager. The farmers were appraised about various aspects of crop and vegetable production including advanced agricultural technologies and practices being followed at university agricultural farm.



Educating farmers and general public about the ill effect of *Parthenium*...



Group of farmers sponsored by ATMA (A) and M.P. State Government (B) on exposure visits to the University

2. A group of 32 farmers from Farmers Welfare and Agricultural Development Block, District Teekamgadh (MP) visited the University under the programme of "Rajya Ke Bahar Krishak Bhraman" under the scheme "Mukhyamantri Khet Theerth Yojna" of M.P. State Government on 20th March 2017. The main objective behind this scheme is empowerment and welfare of farmers by making them aware about new farming techniques. The exposure to new agricultural technologies encourages them to adopt improved farming techniques. The farmers were exposed to different practices of crop and vegetable production, benefits of organic farming and different agricultural practices through an intensive visit to university agricultural and vegetable farm.
3. A group of 10 farmers from Farmers Welfare and Agricultural Development Block, Kuravai, District Vidisha (MP) accompanied with Sri S. N. Rajput, Rural Agriculture Extension Officer visited the University under "Rajya Ke Bahar Krishak Bhraman" program of "Mukhyamantri Khet Theerth Yojna" on 25th March,

2017. The farmers were appraised about different aspects of crop and vegetable production, benefits of organic farming and scientific agricultural practices being followed at university agricultural and vegetable farm.

4. A team of 16 farmers from State Agricultural School, District Banda (U.P.) paid a visit to the University, sponsored by "ATMA" on 12th June 2017. The farmers visited vegetable and agricultural farm area of the university and discussed about the latest developments related to seed production, agronomic practices of crop and vegetable production, benefits of organic farming, agricultural implements and other agricultural practices.

7.3 Front line demonstrations

Front-Line Demonstration (FLD) is the new concept of field demonstration evolved by the Indian Council of Agricultural Research with the inception of the Technology Mission on Oilseed Crops during mid-eighties. The main objective of FLDs is to demonstrate newly released crop production and protection technologies and its management practices in the farmers' field under different agro-



climatic regions and farming situations. While demonstrating the technologies in the farmers' field, the scientists study the factors contributing higher crop production, field constrains of production and thereby generate production data and feedback information. In order to increase potential yield of mustard-rapeseed in the Bundelkhand region, the University and ICAR-Directorate of Rapeseed-Mustard Research, Sear, Bharatpur, entered into a Memorandum of Understanding for the assessment and transfer of improved production technology of rapeseed-mustard through Frontline Demonstrations in the region. Forty FLDs were conducted using five improved varieties of Rapeseed-Mustard i.e. NRCHB-101, NRCDR-2, DRMR IJ-31, RH-749 and RH-406 on farmers' field covering four

villages (Kanchanpur, Dhikauli, Koat-Baheta and Mavi) of Babina and Badagaon blocks of Jhansi district during Rabi season of 2016-17 on the basis of a benchmark survey for assessment of prevailing cultivation practices vis-à-vis components of improved technology for mustard-rapeseed cultivation (Table 4).

Farmers reported very encouraging response to improved technology provided to them, as compared to broadcasting. There was 40% of seed saving, optimum plant population and 20-40% higher yield and economic return (Gross, Net and B:C ratio) in line sowing with seed drill. Farmers were convinced that timely sowing can further lead to yield enhancement in mustard. Adoption of improved package of practices resulted on an average 30.9% increase in yield (1283 kg/

Table 4: Components of Front-Line Demonstrations on Rapeseed-Mustard

Components of Demonstrated Technology	Prevailing farmers practices
Improved varieties	Local varieties
Line sowing (at 45 cm)	Broadcasting method of sowing
Recommended irrigation (Two: at 35DAS & pod formation)	More than two irrigations
Need Based plant protection measures	No plant protection measure

ha) over traditional cultivation practices (979 kg/ha) being followed by the farmers in the region. However, mean average yield of variety NRCHB-101 (1328.5 kg/ha) and RH 406 (1365.0 kg/ha) was higher as compared to NRCDR-2 (1297.0 kg/ha), RH-749 (1259.0 kg/ha) and DRMR-IJ-31 (1220.0 kg/ha).

8. Infrastructural Development

8.1 Development of Crop Cafeteria & Agricultural Farm

In order to make students translate theory of crop production into practice and impart agricultural practical skills to students for decision making in real field environment, a crop cafeteria has been developed. The demonstration plots were developed at University farm by cultivating improved crop varieties of various crops by using seed material collected from different agricultural research institutions and universities and

adopting appropriate agronomic/plant protection practices.

A number of traditional field crops like wheat, barley, oats, various spp. of rapeseed and mustard, linseed, sunflower, safflower, chickpea, lentil, field pea, potato, berseem mung bean, urd bean, maize *etc* were grown in demonstration blocks during the year. The university aims to standardize suitable package of practices for realizing potential optimum yield of improved varieties/hybrids in Bundelkhand region. Emphasis is being given also on development of precision farming practices, germ plasm collection, post-harvest management and value addition in field crops.

8.2 Development of Vegetable Production and Demonstration Unit

Horticulture is the fastest growing sector within Indian agriculture. There has been a perceptible change in the consumption pattern characterized by declining share of





A glimpse of Vegetable Production and Demonstration unit

food grains and increasing share of non-food grain items in the consumption baskets, particularly of fruits and vegetables. Vegetables are vital sources of proteins, vitamins, minerals, dietary fibers, micronutrients, antioxidants and phyto-chemicals in our daily diet and therefore contribute significantly to nutritional security due to their short duration, high yield, nutritional richness, economic viability and ability to generate on-farm and off-farm employment. Increasing per capita income, health consciousness, urbanization, increasing number of working women and favourable income elasticity of demand for vegetables are also important ingredients for fuelling vegetable growth in the country.

A Unit of vegetable production was

developed at the University farm as an effective instrument for rapid dissemination of technology and instructional unit for students demonstrating complete technology package of production of various vegetables suitable for Bundelkhand region.

A number of traditional vegetable crops like tomato, brinjal, chilli, cucumber, pumpkin, melons, gourds, okra, beans, peas, root crops, leafy vegetables, under exploited vegetable crops like basella, pointed gourd, ivy gourd and some of the exotic vegetables like broccoli, sweet corn *etc* are being grown in this unit since last year. The university is working on standardization of suitable package of practices for realizing optimum yield of improved varieties/hybrids of promising vegetables for

Bundelkhand region. Emphasis has been also given on development of precision farming practices, organic cultivation techniques, germ plasm collection, post-harvest management and value addition in vegetable crops.

A demonstration block has been established at the University Vegetable Research and Production Farm in an area of approximately 5000 m² for exhibition of vegetable production technologies to the students, farmers, visitors and other stakeholders of vegetable sector. Improved as well as popular varieties of following vegetables developed by the public and private sector were demonstrated in this block with recommended scientific package of practices:

S.No.	Vegetable	No. of varieties demonstrated
1.	Amaranth	04
2.	Bassela	02
3.	Beet root	01
4.	Bitter gourd	02
5.	Bottle gourd	03
6.	Brinjal	01
7.	Broad bean	03
8.	Broccoli	01
9.	Cabbage	01
10.	Carrot	01
11.	Cauliflower	02
12.	Chilli	01
13.	Coriander	05
14.	Cowpea	04
15.	Cucumber	01
16.	Garlic	01
17.	Ivy Gourd	01
18.	Long Melon	01
19.	Methi	04

S.No.	Vegetable	No. of varieties demonstrated
20.	Musk Melon	01
21.	Mustard leaf	01
22.	Okra	05
23.	Onion	01
24.	Palak	05
25.	Pea	09
26.	Pumpkin	02
27.	Radish	04
28.	Sem	02
29.	Spinach	01
30.	Sponge Gourd	01
31.	Summer Squash	02
32.	Sweet potato	01
33.	Tomato	05
34.	Turnip	02
35.	Water Melon	01

8.3 Establishment of Laboratories

It is imperative for Agricultural Universities to have the latest and high quality laboratories as agriculture and allied sciences are practical oriented and different from other conventional subjects. In order to understand the basic concepts of agriculture, the students are expected to look beyond the books and conventional classroom teaching. Effective teaching and learning of agricultural sciences involve seeing, handling, and manipulating real objects and materials. In order to impart and strengthen necessary skills, hands on training and first-hand experience in observation and manipulation of the materials, six specialized laboratories, one each for Horticulture, Forestry, Genetics & Biotechnology, Soil Science & Agronomy, Plant Pathology, besides an Undergraduate laboratory were established. These laboratories



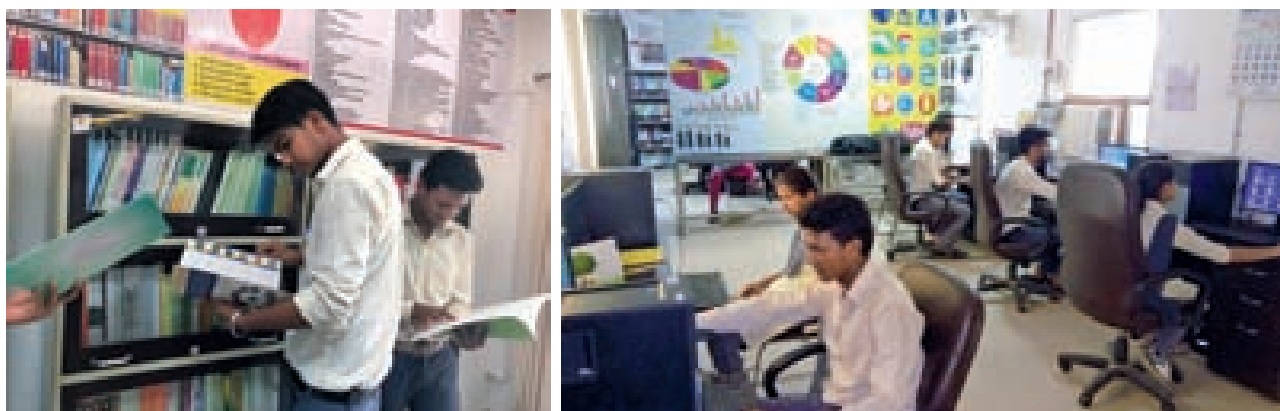
Students in laboratories

have been equipped for effective practical teaching in different disciplines. A computer laboratory has been developed also with 09 Desktop Computers with BSNL broadband connection.

8.4 Library and IT facilities

The University library has been established with the aim to provide access to its printed

resource such as books, journals and reports primarily for the use of faculty, staff and students. The University provides IT facilities to enable readers to consult electronic resources, catalogues, and image collections, to make use of word-processing, and for general broadband internet and email access. The University has also taken e-learning initiative as an attempt to enable students to learn at their own pace,



Students in library and computer lab

and style with the help of e-learning courses developed by ICAR. These e-courses provide an interactive, multi-sensory experience, combining the simplicity of classroom teaching with a powerful visual medium.

8.5 Pre-fabricated Academic and Hostel Block

The University construction agency NBCC has built Academic and Hostel Block using Pre-fabricated structures. The academic block covers around 500 Sq m area and Hostels have a covered area of about 1550 sqm. Four laboratories viz. Horticulture, Soil Science & Agronomy, Genetics, Biotechnology, Physiology & Biochemistry and Forestry have been established in this block, besides classrooms. The hostel block will provide accommodation to 100 students.

NBCC has also awarded work for the construction of Administrative Block, Academic Building for faculty of Agriculture, Horticulture and Forestry, Hostels and Vice Chancellor residence.

9. Finance and Budget

The University gets funds from Department of Agricultural Research and Education, Ministry of Agriculture and Farmers Welfare Govt. of India for carrying out its activities.





During the academic year 2016-17, the University was allotted a budget of Rs. 35.49 crores only. The Balance Sheet as on 31st March, 2017 and Income and Expenditure Account for the year ending 31st March, 2017 is given in **Annexure- VI and VII.**

10. Other Major Activities/Events

10.1 Hon'ble President of India Addresses the Students and Faculty

The Hon'ble President of India, in his capacity as the Visitor of Central Universities, IITs, NITs and other institutes of higher learning, addresses the students and faculty members of these institutions through Video-Conferencing using the National Knowledge Network (NKN) twice in a year, once in January and again in August at the beginning of the academic year. As part of this 'Visitor-Central Institutions Interface', the President of India addressed the institutes of higher learning on 10th Aug 2016 and 10th Jan 2017 on the topic **Innovation: A Way of Life** and **Building a Happy Society**, respectively. The live telecast of the address was successfully organized by the University in which all the students and faculty members participated. The President,



Shri Pranab Mukherjee, Hon'ble President of India addressing the students and faculty.

during his address on **Innovation: A Way of Life**, proposed nine *sutras* to invigorate India's march towards a more inclusive, diverse, sustainable and innovative society which include –(i) not to snub children when they ask questions to which we have no answer; (ii) promote and reinforce a scientific temper by questioning our beliefs which are not compatible with scientific way of thinking; (iii) set up innovation clubs and tinkering labs in schools, colleges and research institutions; (iv) build viable and sustainable bridges between formal and informal knowledge systems; (v) give due recognition to cultural, technological and traditional skills while implementing our employment guarantee schemes and skill development programmes; (vi) bring our educational system in line with contemporary societal expectations; (vii) overcome the deeply-embedded inertia in our psyche and constantly ask ourselves: how can I solve this problem? Can I still try, no matter if I fail a few times?; (viii) develop a sense of immediacy as time and tide waits for none; and (ix) not to tolerate inefficiency, shabbiness and poor quality work. He delivered a new year message to students on **Building a Happy Society** and called upon the youth to enhance happiness by learning to wear a smile always; laughing at life; connecting with nature and getting involved with the community. He advised them to take interest in sports and nurture a healthy body. Referring to the abundance of negative feelings around us, the President said incidents of violence against women, road rage, substance abuse, and suicides are all manifestations of unhappiness. They must be dealt with by inculcating positive emotions and displacing negative emotions. He also advised them to practice yoga and meditation and look inwards for happiness, make books their best friends, develop an interest for art and culture, and cultivate a habit of life-long learning.

10.2 Independence Day Celebration

On India's 70th Independence Day, Vice Chancellor Dr Arvind Kumar hoisted the National Flag at University campus and addressed the faculty, staff and students. He conveyed his greetings to University family and wished them to scale newer heights of progress in the years to come. He called upon the young generation not to forget sacrifices of countless people who sacrificed their lives so that we attained Swarajya. He recalled that unity in diversity has been our greatest strength and our cultural tradition of respect for others has persisted Indian civilization. He presented an overview of growth in agriculture since independence. Indian agriculture, which



Flag hoisting by Dr. Arvind Kumar, Vice Chancellor

grew at the rate of about 1 percent per annum during the fifty years before Independence, has grown at the rate of about 2.6 percent per annum in the post-Independence era. Expansion of area was the main source of growth in the period of fifties and sixties after that the contribution of increased land area under agricultural production has declined overtime and increase in productivity became the main source of growth in agricultural production. He complimented the combined efforts of farmers, Indian government and scientists in eradicating country's dependence on imported foodgrains. The application of science and technology for increasing yield per hectare ushered Green Revolution and ensured sustained food security. He congratulated the farmers for expanding area under pulses to the tune of 1.5 times, despite the discouragement of successive droughts. Our scientists have created hundreds of high yielding variety seeds to maximize the agricultural output. The shortage of fertiliser is like something out of a bad dream of the past, thanks to the pragmatic policies of the government. He exhorted the staff and students to remain relevant in their skill set and come up to global standards. Mrs. Promod Kumari Rajput, Member, University Board of Management as chief guest of the function also paid tributes to the sacrifice of our freedom fighters and blessed the students for their bright future. A cultural programme was also organized by the students on this occasion.

10.3 Hindi Chetana Week

For compliance of official language policy of Central Government, the University celebrated *Hindi Chetana Week* from 19th September to 30th September, 2016. Many activities and competitions such as essay competition, noting & drafting, word meaning quiz, hindi poetry and debate competition were held on this



Dr. Arvind Kumar, Vice Chancellor rewarding a student

occasion. Dr. Arvind Kumar, Hon'ble Vice Chancellor, and Dr. Khem Chand, Head, Department of Extension Education, IGFR, Jhansi as Chief Guest of the event rewarded the winners.

10.4 Agriculture Education Day

The University celebrated **Agriculture Education Day** on 3rd December keeping in view the decision of Indian Council of Agricultural Research to observe this day every year to commemorate the birthday of Bharat Ratna Dr. Rajendra Prasad, the first Union Minister of Agriculture (1946) and subsequently first President of India (1950-1962). The objective of this day is to expose students including schools to various facets of agriculture and its relevance to country's



Agriculture Education Day- attracting talent to Agriculture and Allied Sciences

development, inspire them and attract them towards agriculture, so that they develop interest in agriculture and allied subjects, choose professional career after schooling in some of these courses, engage themselves in agriculture and related activities or become agri-entrepreneur in future. The University celebrated the day by inviting students of Saint Stephen School, Jhansi. A day long activities like Essay writing (*Importance of Agricultural Education in Indian Scenario & Agri Entrepreneurship*), debate competition (*Krishi Siksha: Vardan or Abhishaap*) and visit to University farm and laboratories were organized. Mrs. Neerja Kumar, D.G.M. & Circle Head, Punjab National Bank, Jhansi and Shri B. B. Thareja, A.G.M., Punjab National Bank, Jhansi were invited as Chief Guest and Guest of Honour of the events, respectively. The University faculty explained about the developments in agriculture sector since independence, particularly related to spread of agricultural education and its future prospects. Mrs Kumar, Chief Guest gave an insight to the performance of the Indian economy and the role of banking sector in boosting the rural and agriculture sector through product innovation, broadening the reach, promotion of SHGs/ micro enterprises and providing know-how. She also highlighted the opportunities and advantages in adopting digital infrastructure by banking sector in the light of government initiatives to push digitalization

10.5 Jai Kisan-Jai Vigyan Week

The University celebrated "Jai Kisan Jai Vigyan Week" from 23rd December to 29th December, 2016 by organizing variety of activities like quiz competitions, group discussions, Scientists-Farmers interactions and showcasing of technological advances in agriculture farming. The week is to be celebrated every year to celebrate birth



Dr. Arvind Kumar, Vice-Chancellor & Mrs Pramod Kumari Rajput, Member, BOM with awardee farmers

anniversaries of Shri Atal Bihari Vajpayee (25th December) and Late Shri Chaudhary Charan Singh (23rd December), two former Prime Ministers of India, keeping in view their immense contribution for promoting use of science for the welfare of farmers. The importance of agriculture and allied sciences in rural livelihood and role of farmers as well as science to consolidate the gains of Green Revolution into an Evergreen Revolution was the focal theme of group discussions and interactions of faculty with students and progressive farmers of four villages (Kanchanpur, Dhikauli, Mavai and Koat) of Jhansi district. The University also honoured the progressive farmers of these villages during this week. The concluding ceremony was held on 29th December, 2016, which was presided by Dr. Arvind Kumar, Hon'ble Vice Chancellor. Mrs. Pramod Kumari Rajput, Member, University Board of Management also graced the function as Chief Guest and awarded the winners.

10.6 Republic Day Celebration

The University celebrated 68th Republic day, marking the anniversary of the day the country's Constitution was adopted in 1950. After flag hoisting, Dr. Arvind Kumar, Hon'ble Vice-chancellor, recalled the events that led



Republic day address by the Vice Chancellor

to phenomenal growth in agriculture since independence. He complimented farmers, policy makers and scientists for making India second worldwide in farm output. He cautioned that though economic contribution of agriculture to India's GDP is steadily declining with the country's broad-based economic growth, agriculture is still demographically the broadest economic sector and plays a significant role in the overall socio-economic fabric of India. He called upon all stake holders to take pride in the immense progress made by our country towards food security resulting in substantial increase in available food-grain per capita despite continued increase in Indian population. On this occasion Mrs. Pramod Kumari Rajput, Member, Board of Management, was present. A Cultural program was also organized by the students on this occasion. The Gayatri Teerth, Haridwar organized *Bhartiya Sanskriti Gyan Pariksha* for the students at the University premises and awarded certificates to successful students.

10.7 Swachh Bharat Abhiyan

The Swachhta Abhiyan has turned into a national movement after its launch on 2nd October, 2014 by Hon'ble Prime Minister of



Students on cleanliness drive

India Shri Narendra Modi Ji. The University observed Swachhata Pakhwada from 20th June to 4th July, 2017 during which various creative and cleanliness related programmes were organized covering different spots in and around the University campus. The University staff and students took the pledge for cleanliness for the benefit of environment and health. Dr. Arvind Kumar, Vice chancellor called upon the staff and student community to integrate cleanliness in the everyday life.

10.8 International Yoga Day Celebration

Yoga is an invaluable gift of India's ancient tradition. The International Day of Yoga is



Yoga – A symbol of the Universal aspiration for health & wellbeing

now celebrated world-over annually on 21st June since its inception in 2015. The University celebrated International Day of Yoga, 2017 to promote yoga and endeavour towards making it a part and parcel of everyone's daily routine with firm determination and perseverance, without any mental reservation or doubts. Led by Dr. Arvind Kumar, Hon'ble Vice Chancellor, all the scientists, staff and students took active part in yogic exercises and pledged to make it an essential part of their own quest for happiness and well being. The gathering performed various Asanas, Pranayam and relaxation exercises as per yoga protocol provided by Ministry of AYUSH, Government of India. The celebration culminated with a prayer for world peace and harmony.

10.9 National Service Scheme

The University initiated National Service Scheme for all the undergraduate students of Agriculture, Horticulture and Forestry in its efforts to inculcate essence of democratic living and to uphold the need for self-less service to the Society. NSS helps the students to develop appreciation to other person's point of view and also show consideration to other living beings. The Motto of NSS "*Not Me But You*" underlines on the belief that the welfare of an individual



Towards selfless service to the society....

is ultimately dependent on the welfare of the society on the whole and therefore, the NSS volunteers strived for the well-being of the society and to bring awareness about various social evils and community related problems associated with environment, sanitation, agriculture, health and education during the period. A special camp of seven days duration was organized by NSS unit of the University from 16th to 22nd March, 2017 at Bhojala village of District Jhansi. The camp was inaugurated by Dr. Mukesh Srivastava, Registrar. All the University students (52) participated in this camp.

The NSS unit organised guest lectures from eminent experts on a wide ranging issues like forest conservation, sustainability of natural resources, importance of basic education, state of Indian agriculture and technological innovations, agriculture finance, fisheries development etc. Dr. Arvind Kumar, Hon'ble Vice Chancellor also visited the camp and guided the students.

10.10 Agri Uni-fest

The 17th All India Inter Agricultural University Youth Festival, AGRI UNIFEST-2016-17 was held on 22nd-25th February, 2017



A performance by participating students from AUs during Agri- Unifest.

at RAJUVAS, Bikaner, Rajasthan. AGRICULTURAL UNIFEST offers opportunities to the students of Agricultural Universities to show their talent in music, dance, literary events like quiz, elocution, debate, extempore, theatre and fine arts. A group of 22 students of RLBCAU, Jhansi participated in different events like mime, skit, group song, debate, rangoli, extempore etc. for the first time.

10.11 All India Inter Agricultural University Games and Sports

The Games and sports inculcate discipline and hard work in individuals and help in developing a coherent society. In order to showcase the latent potential of the students of Agricultural Universities in the field of games and sports, All-India Inter Agricultural

University Games & Sports are organized annually. This year, the event was organized at CCSHAU, Hisar, Haryana from 25th to 29th March, 2017. Over 2,500 participants from nearly 60 teams of agricultural, veterinary and animal science universities and educational institutions of Indian Council of Agricultural Research from across the country participated in the event. For the first time, eight students of the University participated in the athletics and badminton events of this tournament.

10.12 World Environment Day – Connecting People to Nature

World Environment Day – which is observed on 5th -June every year across the globe – is the largest annual event for positive environmental action. This year's theme



Plantation drive – connecting people to nature.

‘Connecting People to Nature’, takes forward the call to protect the Earth that all living being share and invites to think about how the living creatures are part of nature and intimately depend on it. The University students and

faculty organized the day with a plantation drive with focus on *Kachnar (Bauhinia variegata)* plants. The students pledged to adopt at least one plant for its regular care. A lecture was delivered by Dr S. K. Sharma, Consultant (Horticulture & Forestry) highlighting the importance of tree plantation in the context of growing environmental concerns such as the depletion of the ozone layer, emission of toxic chemicals, desertification and global warming and climate change.

11. Faculty Participation in Conferences/ Trainings/Meetings

The University faculty participated in various conferences/trainings and important meetings organized at international/national level to present papers/ reports and contribute to various academic/research issues.

S. No.	Name of the Conference	Date and Venue	Name and Designation
1.	21 st Annual Group Meet of ICAR-AICRP on Chickpea	August 29-31, 2016 ARS, Kalaburagi.	Dr. Devi Singh, Consultant Dr. Meenakshi Arya, Scientist (Plant Pathology) Dr. Anshuman Singh, Scientist (Genetics & Plant Breeding)
2.	International Conference on Biomedical Engineering and Supportive Technologies.	September 2-3, 2016. BIET, Jhansi.	Dr. Arvind Kumar, Vice-chancellor
3.	Specialized training to learn necessary techniques for screening and evaluation of germ-plasm of chickpea against fungal diseases and also for initiation of sick plot	September 27-29, 2016, Division of Plant Pathology, IARI, New Delhi.	Dr. Meenakshi Arya, Scientist (Plant Pathology)
4.	UPCAR International Congress on Post-harvest Technologies of Agricultural Produce for Sustainable Food and Nutritional Security.	November 10-12, 2016, IIAST, Lucknow.	Dr. Arvind Kumar, Vice-chancellor
5.	Visitors Conference	November 16-18, 2016, Rashtrapati Bhavan, New Delhi	Dr. Arvind Kumar, Vice-chancellor



RANI LAKSHMI BAI CENTRAL AGRICULTURAL UNIVERSITY

S. No.	Name of the Conference	Date and Venue	Name and Designation
6.	Sustainable Natural Resource Management: from Science to Practice (SNRMSP)	January 12-13, 2017, BHU, Varanasi	Dr. Ghanshyam Abrol, Teaching Associate Dr. Shailaja Punetha, Teaching Associate Dr. Susheel Kumar, Teaching Associate Dr. Usha, Teaching Associate
7.	ICAR meeting of Registrars/ Controller of Examinations/ Deans' handling admissions of the accredited AUs	January 16-17, 2017, NASC Complex, New Delhi.	Dr. Meenakshi Arya, Scientist (Plant Pathology)
8.	1 st International Conference on Bio-resource, Environment and Agricultural Sciences (ICBEAS)	February 4-6, 2017, The Institute of Agriculture, Visva-Bharati Santiniketan.	Dr. Ranjit Pal, Teaching Associate
9.	ICAR Conference of Vice-Chancellors of AUs and Directors of ICAR Institutes	February 14-15, 2017, NASC Complex, New Delhi	Dr. Arvind Kumar, Vice-chancellor
10.	3 rd National Brassica Conference on Enhancing Oilseed Brassica Production through Climate-Smart Technologies.	February 16-18, 2017, IARI, New Delhi.	Dr. Arvind Kumar, Vice Chancellor Dr. Meenakshi Arya, Scientist (Plant Pathology) Dr. Anshuman Singh, Scientist (Genetics & Plant Breeding) Dr. Madhulika Pandey, Teaching Associate Dr. Vikas Kumar, Teaching Associate Dr. Amit Tomar, Teaching Associate
11.	NAAS XIII Agricultural Science Congress.	February 21-24, 2017, UAS, GKVK, Bengaluru.	Dr. Arvind Kumar, Vice-Chancellor
12.	National Seminar on Agriculture Renewal Forever Green Revolution: Concept and Approaches	March 10, 2017, Gochar Educational and Welfare Society, Saharanpur	Dr. Ashutosh Singh, Teaching Associate
13.	IAUA Session on Convergence Building for Resource Sharing in Agriculture Research and Extension Sectors- Formation of State Wise Agriculture Cabinet	April 27-28, 2017, SHIATS, Allahabad.	Dr. Arvind Kumar, Vice-Chancellor
14.	The technical meeting of International Consultative Group for Research on Rapeseed (GCIRC)	May 8-11, 2017, Alnarp, Sweden	Dr. Arvind Kumar, Vice-Chancellor

S. No.	Name of the Conference	Date and Venue	Name and Designation
15	International Conference on Advances in Agricultural & Applied Sciences for Promoting Food Security (AAPS-2017)	May 13-14, 2017, Battisputali, Kathmandu, Nepal.	Dr. Ashutosh Singh, Teaching Associate
16	ICAR Meeting of Deans to Review Implementation of the Recommendations of the Fifth Deans Committee	May 25-26, 2017, NASC Complex, New Delhi	Dr. Meenakshi Arya, Scientist (Plant Pathology)
17	Quinquennial Review Meeting (QRT) 2011-15 of ICAR-AICRP on Pulses and Chickpea	June 6-7, 2017, Birsa Agricultural University, Kanke, Ranchi	Dr. Anshuman Singh, Scientist (Genetics & Plant Breeding)

12. Awards and Honours

1. Drs Meenakshi Arya, Madhulika Pandey and Anshuman Singh received First Prize

in Best Oral Presentation for the paper entitled "Potentiality of Oilseed Brassica in Bundelkhand Region" in 3rd National



Best oral presentation award being given by Dr. RB Singh, Chancellor, CAU, Imphal to Drs. Meenakshi Arya & Madhulika Pandey in the presence of Dr. T. Mohapatra, Secretary DARE & DG, ICAR



Brassica Conference on Enhancing Oilseed Brassica Production through Climate-Smart Technologies held on 16-18th February, 2017 at IARI, New Delhi.

2. Drs Madhulika Pandey, Amit Tomar and Meenakshi Arya received third prize under Best Poster Award for the paper entitled "Farmer's Perspective for Rapeseed Mustard Cultivation in Bundelkhand Region" in 3rd National Brassica Conference on Enhancing Oilseed Brassica Production through Climate-Smart Technologies held on 16-18th February, 2017 at IARI, New Delhi.
3. Dr. Arvind Kumar, Vice Chancellor was nominated Chairman of state wise Coordination Committee for Uttar Pradesh for Doubling Farmers Income by ICAR on 6th March, 2017.
4. Dr. Pankaj Lavania received "Excellence in Teaching Award" during National Conference on Advances in Global Research in Agriculture and Technology on 19-20th March 2017 at Agra.
5. Dr. Arvind Kumar, represented India to the International Consultative Group for Research on Rapeseed (GCIRC) and participated in the technical meeting of GCIRC in Alnarp, Sweden on May 8-11, 2017.
6. Dr. Ashutosh Singh, Teaching Associate was awarded Certificate of Merit Young Teacher Award by Society for Agriculture Innovation and Development (SAID), Ranchi in the field of Agriculture Biotechnology during International Conference on Advances in Agricultural and Applied Sciences for promoting Food Security on 13th – 15th May, 2017, Hotel Mirage Lords Inn, Battishputli, Kathmandu, Nepal.

13. Publications

13.1 Conference Papers

1. Pal Ranjit, Abrol G., Punetha S. and Maurya R. P. 2017. Scope and potentiality of underutilized fruit crops in Bundelkhand region. 1st International Conference on Bio-resource, Environment and Agricultural Sciences (ICBEAS). 4-6th February, 2017, Institute of Agriculture, Visva-Bharati, Santiniketan. Bolpur, West Bengal.
2. Pandey Madhulika, Tomar Amit and Arya Meenakshi. 2017. Farmer's perspective for rapeseed mustard cultivation in Bundelkhand Region. Paper presented in 3rd National Brassica Conference on Enhancing Oilseed Brassica Production through Climate-Smart Technologies. 16-18th February, 2017, IARI, New Delhi.
3. Punetha Shailaja, Punetha Parul and Arya Meenakshi. 2017. Scope of organic vegetable production under Bundelkhand region. In: Climate and Environment changes: Impact Challenges and Solution. 28th Feb to 1st March, 2017, Sacred Heart Degree College Sitapur.
4. Singh Anshuman, Arya Meenakshi and Pandey Madhulika. 2017. Potentiality of Oilseed Brassica in Bundelkhand Region in 3rd National Brassica Conference on Enhancing Oilseed Brassica Production through Climate-Smart Technologies. 16-18th February, 2017 IARI, New Delhi.

12.2 Popular Articles

1. Jain Amit, Tamrkar Shailja and Shukla Aditya. 2016. Krishi vaniki anusandhan evam takniki kshetra me computer ka prayog. Krishivaniki Aalok pp Vo.10, 75-76.

2. Singh Ashutosh, Yadav Prashant, Srivastava Deepati and Mishra Anurag. 2016. Nutraceuticals: Sehat Kee Kunji. December, 2016, Phal-Phool, pp 14-17
3. Singh Ashutosh, Yadav Prashant and Mishra Anurag. 2017. Jaivik kheti ka Bartha Mahatva, ICAR- Kheti, May, 2017. pp 8-12
4. Srivastava Madhulika, Kumar Veeresh, Usha Dev, Indera Ram, Asha, Kumar Naresh, Shukla Ashok and Chaturvedi, Om Prakash. 2016. Krishi-vaniki me Jaivik keet Prabandhan. Krishivaniki Aalok, Vol. 10: 58-61p
5. Tamrkar Shailja Vimladevi, Jain Amit and Shukla Aditya. 2016. Krishivaniki Pustkalaya me Koha Software ka Upyog.

Krishivaniki Alok Vol. 10, pp 77-79.

14. Roadmap for the year 2017-18

- Continuation of B.Sc. (Hons.) Agriculture, B.Sc. (Hons.) Horticulture and B.Sc. (Hons.) Forestry Programme.
- Filling-up of approved teaching & non-teaching positions as per recruitment plan.
- EMC/EFC review.
- Construction of Academic & Administrative block, Hostels and VC residence.
- Improved provisions for UG education in agriculture, horticulture & forestry.
- Research and extension education activities in select areas.





Composition of Board of Management of the University

(In accordance with the para 12 (1) of the Schedule of Rani Lakshmi Bai

Central Agricultural University, Act 2014)

S.No.	Composition	Name & Designation	Status
1.	Vice Chancellor [Section 12 (1) (i) of the Schedule]	Dr. Arvind Kumar, Vice Chancellor, RLBCAU, Jhansi	<i>Ex-officio</i> , Chairman
2.	Four Secretaries, from amongst the Secretaries in charge of the Departments of Agriculture and Animal Husbandry, Fishery and Horticulture of the States of Madhya Pradesh and Uttar Pradesh to be nominated by the Visitor by rotation: Provided that there shall not be more than two Secretaries from a State in the Board at a particular time; [Section 12(1) (ii) of the Schedule]	1. Principal Secretary, Department of Agriculture, Govt. of Uttar Pradesh, Lucknow-226001 2. Principal Secretary, Department of Animal Husbandry, Govt. of Uttar Pradesh, Lucknow – 226001 3. Mr Rajesh Rajora, Principal Secretary, Department of Agriculture, Govt. of Madhya Pradesh, Bhopal – 462003 4. Mr. Prabhanshu Kamal, Principal Secretary, Department of Animal Husbandry, Govt. of Madhya Pradesh Bhopal – 462003	Member Member Member Member
3.	Three eminent scientists to be nominated by the Visitor [Section 12(1) (iii) of the Schedule]	1. Dr. S.C. Modgal, Ex-Director General, UPCAR, Lucknow and Ex-Vice-Chancellor, GBPUAT, Pantnagar, 6, Rajdeep Enclave, Ph.II, 100 ft Road, Dayal Bagh, Agra – 282005. 2. Dr. K.R. Dhiman, Ex Vice-Chancellor, YS Parmar University of Horticulture & Forestry, Solan, Himachal Pradesh,. Tashiling Cottage, below BCS, Phase-3, New Shimla, Shimla – 171009. 3. Dr. B.V. Patil, Director of Edn. & Ex-Vice Chancellor, University of Agricultural Sciences, Raichur - 584104	Member Member Member
4.	One distinguished person representing Agro-based industries or a manufacturer having a special knowledge in agricultural development to be nominated by the Visitor; [Section 12(1) (iv) of the Schedule]	Sri N. Kumar, Devarahally, Post: Lakshmisagar, Taluk: Sirsa, Distt-Tumkur-572139, Karnataka, C/o Siddeswara Gowda, Retd. SP. Canna Cottage, 16th Cross, SIT Extension, Nandeesh Layout Tumkur – 572103	Member
5.	The Deputy Director-General (Education) representing the Indian Council of Agricultural Research; [Section 12(1) (v) of the Schedule]	Dr. N. S. Rathore, DDG (Education) ICAR, KAB-II, Pusa, New Delhi - 110012	Member

ANNUAL REPORT 2016-17

S.No.	Composition	Name & Designation	Status
6.	One Dean of college and one Director to be nominated by the Vice-Chancellor on rotational basis; [Section 12(1) (vi) of the Schedule]	1. Dr. (Mrs.) Mridula Billore, Dean, B.M. College of Agriculture, Khandwa-450001. 2. Dr. P.K. Ghosh, Director, IGFRI, Jhansi – 284003.	Member Member
7.	Three persons including at least a woman representing farmers in Bundelkhand to be nominated by the Vice-Chancellor by rotation in the States of Madhya Pradesh and Uttar Pradesh: Provided that there shall not be more than two representatives from a State in the Board at a particular time; [Section 12(1) (vii) of the Schedule]	1. Mrs. Pramod Kumari Rajput, Gondu Compound, Civil Lines, Jhansi – 284001. 2. Sri Mahendra Pratap Singh Yadav, Yadav Complex, near Kumkum Talkies, Panna – 411002. 3. Sri Gopal Das Paliwal, Town-Kurara, Ward 11, Paliwal Muhal, Janpath Hamirpur – 210505.	Member Member Member
8.	An Advisor (Agriculture), Planning Commission; [Section 12(1) (viii) of the Schedule]	Dr. J.P. Misra, Advisor (Agriculture), Niti Aayog, Govt of India, New Delhi – 110049.	Member
9.	A distinguished authority on natural resource or environment management to be nominated by the Visitor; [Section 12(1) (ix) of the Schedule]	Prof. Anil Kumar Singh, Ex-DDG (NRM) ICAR, Vice-Chancellor, Rajmata Vijayaraje Scindia Krishi Vishwavidyalaya, Gwalior – 474002.	Member
10.	Two persons not below the rank of Joint Secretary representing respectively the Departments of Government of India dealing with the Agriculture and Animal Husbandry to be nominated by the concerned Secretary to the Government of India; [Section 12(1) (x) of the Schedule]	1. Mr. Sanjay Lohiya, Joint Secretary (Crops), Dept. of Agriculture and Co-operation, Govt. of India, Krishi Bhawan, New Delhi – 110001. 2. Smt. Rajni Sekhri Sibal, Joint Secretary (C & DD), Dept. of Animal Husbandry, Dairy and Fisheries, Govt. of India, Krishi Bhawan, New Delhi - 110001	Member Member
11.	Nominee of the Secretary representing the Department of Agricultural Research and Education, Government of India; [Section 12(1) (xi) of the Schedule]	Addl. Secretary, DARE and Secretary, ICAR, Krishi Bhawan, New Delhi - 110001	Member
12.	The Registrar of the University [Section 12(1) (xii) of the Schedule]	Dr. Mukesh Srivastava	Secretary



Composition of Finance Committee of the University

(In accordance with the para 17 (1) of the Schedule of Rani Lakshmi Bai

Central Agricultural University Act- 2014)

S.No.	Composition	Name & Designation	Status
1.	Vice Chancellor [Section 17 (1) (i) of the Schedule]	Dr. Arvind Kumar, Vice Chancellor, RLBCAU, Jhansi	Chairman
2.	Financial Advisor, Department of Agricultural Research and Education or his nominee not below the rank of Deputy Secretary; [Section 17(1) (ii) of the Schedule]	Mr. Sunil Kumar Singh, Financial Advisor, Department of Agricultural Research & Education, Government of India, Krishi Bhawan, New Delhi – 110001.	Member
3.	Three persons to be nominated by the Board, out of whom at least one shall be a member of the Board; [Section 17(1) (iii) of the Schedule]	1. Dr. N.S. Rathore, Deputy Director General (Education), I.C.A.R., KAB-II, Pusa, New Delhi – 110012 2. Dr. A.K. Singh, Vice-Chancellor, Rajmata Vijayaraje Scindia Krishi Viswa Vidyalaya, Gwalior – 474002 (M.P.) 3. Dr. M. Premjit Singh, Vice-Chancellor, Central Agricultural University, Imphal - 795004 (Manipur)	Member Member Member
4.	Three persons to be nominated by the Visitor; and [Section 17(1) (iv) of the Schedule]	1. Dr. P.L. Gautam, Ex-Chairman, PPV & FR Authority, & Ex- Vice-Chancellor, GBPUA & T, Pantnagar, H. No. 118, HP Housing Board Colony, Bindraban, Palampur Distt. Kangra – 176061 (H.P.) 2. Prof. D.P. Ray, Ex- Vice-Chancellor, OUA & T, Bhubaneswar HIG-105, Kalinga Vihar, K-5, PO: Patrapada, Distt. Khurda, Bhubaneswar – 751019, Orissa 3. Shri B.S. Ramaswamy, Additional Secretary & Financial Advisor (Retd.), Ministry of Steel & Mines, (GOI), 140, Mandakini Enclave, Alaknanda, New Delhi – 110019	Member Member Member
5.	The Comptroller of the University [Section 17(1) (v) of the Schedule]	Vacant	Member Secretary

Annexure-III

**Teaching Faculty Engaged for B.Sc. (Hons.)
Agriculture First Second and Third Year**

S.No.	Faculty	Designation	Course Title
I. Semester			
1.	Dr. A. B. Majumdar	Retd. Principal Scientist (Animal Nutrition), ICAR-IGFRI, Jhansi	Livestock Production & Management
2.	Dr. Meenakshi Arya	Scientist (Plant Pathology), RLBCAU, Jhansi	Diseases of Horticultural Crops & their Management
3.	Dr. Anshuman Singh	Scientist (Genetics & Plant Breeding), RLBCAU, Jhansi	Fundamental Plant Biochemistry & Biotechnology; Principles of Plant Biotechnology
4.	Dr. Abhishek Kalia	Teaching Associate (Ag. Economics), RLBCAU, Jhansi	Agricultural Finance & Co-operation; Fundamentals of FBM
5.	Dr. Amit Tomar	Teaching Associate (Agronomy), RLBCAU, Jhansi	Fundamentals of Agronomy, Organic Farming; Farm Power & Machinery, Field Crops-I; Farming Systems & Sustainable Agriculture
6.	Dr. Ashutosh Singh	Teaching Associate (Crop Physiology), RLBCAU, Jhansi	Fundamental Plant Biochemistry & Biotechnology; Crop Physiology
7.	Dr. B. S. Rajput	Teaching Associate (Agroforestry), RLBCAU, Jhansi	Introduction of Forestry
8.	Dr. Ghanshyam Abrol	Teaching Associate (Post Harv. Tech.), RLBCAU, Jhansi	Post Harvest Management & Value addition of Fruits and Vegetables
9.	Dr. Gurdeep Kaur	Teaching Assistant, Bundelkhand University, Jhansi	Comprehension & Communication Skills in English
10.	Dr. M. K. Singh	Teaching Associate (Gen. & Plant Breed.), RLBCAU, Jhansi	Introductory Biology; Principles of Seed Technology; Principles of Plant Biotechnology



RANI LAKSHMI BAI CENTRAL AGRICULTURAL UNIVERSITY

S.No.	Faculty	Designation	Course Title
11.	Dr. Madhulika Pandey	Teaching Associate (Agronomy), RLBCAU, Jhansi	Agricultural Heritage, Fundamentals of Agronomy; Organic Farming; Farm Power & Machinery, Practical Crop Production (Kharif); Field Crops-I; Farming Systems & Sustainable Agriculture
12.	Dr. Manoj Yadav	Teaching Associate (Agronomy), RLBCAU, Jhansi	NSS; Diseases of Horticultural Crops and their Management
13.	Dr. R.P. Maurya	Teaching Associate (Horticulture), RLBCAU, Jhansi	Fundamentals of Horticulture
14.	Dr. S. K. Singh	Teaching Associate (Soil Science), RLBCAU, Jhansi	Fundamentals Soil Science
15.	Dr. Shailja Punetha	Teaching Associate (Vegetable Science), RLBCAU, Jhansi	Production Technology of Vegetable & Flower
16.	Dr. Sushma Sharma	Guest Faculty, C/o Dr. Naresh Bhardwaj Sr. Scientist (Agro-forestry), ICAR-CAFRI, Jhansi	Elementary Mathematics
17.	Dr. Usha	Teaching Associate (Entomology), RLBCAU, Jhansi	NSS; Insect morphology & Systematics; Crop Pests & Stored Grain pests and their Management
18.	Dr. Vikas Kumar	Teaching Associate (Agricultural Extension Education), RLBCAU, Jhansi	Human Values & Ethics; Rural Sociology & Educational Psychology; Fundamentals of Rural Sociology and Educational Psychology
II Semester			
1.	Mr. K. Katiyar	Principal, Govt. Ag. College, Chirgaon	Introductory Soil & Water Conservation Engineering
2.	Dr. Mukesh Agrawal	Sr. Scientist, Banda University of Ag. & Technology, Banda	Renewable Energy
3.	Dr. Meenakshi Arya	Scientist, Plant Pathology, RLBCAU, Jhansi	Diseases of Field Crops and their Management

ANNUAL REPORT 2016-17

S.No.	Faculty	Designation	Course Title
4.	Dr. Abhishek Kalia	Teaching Associate (Ag. Economics), RLBCAU, Jhansi	Fundamentals of Agricultural Economics; Agricultural marketing, Trade and Prices; Production Economics & Farm Management;
5.	Dr. Amit Tomar	Teaching Associate (Agronomy), RLBCAU, Jhansi	Practical crop production II (Rabi); Weed Management
6.	Dr. Ashutosh Singh	Teaching Associate (Crop Physiology), RLBCAU, Jhansi	Fundamentals of Crop Physiology; Biochemistry
7.	Dr. B. S. Rajput	Teaching Associate (Agroforestry), RLBCAU, Jhansi	Production Technology of Spices, Aromatic Medicinal & Plantation Crops
8.	Dr. Ghanshyam Abrol	Teaching Associate (Post Harvest Technology), RLBCAU, Jhansi	Protected cultivation and Post-harvest Technology
9.	Dr. Gurdeep Kaur	Teaching Assistant, Bundelkhand University, Jhansi	Communication Skills and Personality Development; Comprehension and Communication Skills in English
10.	Dr. M. K. Singh	Teaching Associate (Gen. & Plant Breed.), RLBCAU, Jhansi	Fundamentals of Genetics; Breeding of Field / Horticultural crops
11.	Dr. Madhulika Pandey	Teaching Associate (Agronomy), RLBCAU, Jhansi	Weed Management; Field crops-II (Rabi)
12.	Dr. Manoj Yadav	Teaching Associate (Plant Pathology), RLBCAU, Jhansi	Fundamentals of Plant Pathology; NSS (II, III, & IV semester students);
13.	Dr. R.P. Maurya	Teaching Associate (Horticulture), RLBCAU, Jhansi	Breeding of Field / Horticultural crops
14.	Dr. S. K. Singh	Teaching Associate (Soil Science), RLBCAU, Jhansi	Manures, Fertilizers and Agrochemicals
15.	Dr. Sadhana Sagar	Teaching Associate (Soil Microbiology), RLBCAU, Jhansi	Agricultural Microbiology; Environmental Science
16.	Dr. Shailja Punetha	Teaching Associate (Vegetable Science), RLBCAU, Jhansi	Production Technology of Spices, Aromatic, Medicinal & Plantation Crops



S.No.	Faculty	Designation	Course Title
17.	Dr. Usha	Teaching Associate (Entomology), RLBCAU, Jhansi	Fundamentals of Entomology; NSS(II, III, & IV semester students); Insect Ecology & IPM including beneficial insects;
18.	Dr. Vikas Kumar	Teaching Associate (Ag. Ext. Edu.), RLBCAU, Jhansi	Fundamentals of Agricultural Extension Education; Extension Methodologies for Transfer of Agricultural Technology; Entrepreneurship Development and Communication Skills

Teaching Faculty Engaged for B.Sc. (Hons.) Horticulture First Year

S.No.	Faculty	Designation	Course Title
Semester I			
1.	Dr. R. K. Saxena	Head (Microbiology), Bundelkhand University, Jhansi	Introductory Microbiology
2.	Dr. Abhishek Kalia	Teaching Associate (Ag. Economics), RLBCAU, Jhansi	Economics and Marketing
3.	Dr. Amit Kumar Jain	Teaching Associate (Computer Sci.), RLBCAU, Jhansi	Elementary Statistics and Computer Application
4.	Dr. Ashutosh Singh	Teaching Associate (Crop Physiology), RLBCAU, Jhansi	Introductory Crop Physiology; Elementary Pl. Biochemistry
5.	Dr. Ghanshyam Abrol	Teaching Associate (Post Harv. Tech.), RLBCAU, Jhansi	Fundamentals of Horticulture
6.	Dr. Gurdeep Kaur	Teaching Assistant, Bundelkhand University, Jhansi	Comm. Skills & Pers. Dev.
7.	Dr. M. K. Singh	Teaching Associate (Gen. & Plant Breed.), RLBCAU, Jhansi	Principles of Genetics & Cytogenetics
8.	Dr. R.P. Maurya	Teaching Associate (Horticulture), RLBCAU, Jhansi	Principles of Landscape Architecture
9.	Dr. S. K. Singh	Teaching Associate (Soil Science), RLBCAU, Jhansi	Fundamental of Soil Science; Introductory Microbiology
10.	Dr. Shailja Punetha	Teaching Associate (Veg. Sci.), RLBCAU, Jhansi	Fundamentals of Horticulture

ANNUAL REPORT 2016-17

S.No.	Faculty	Designation	Course Title
II Semester			
1.	Dr. Abhishek Kalia	Teaching Associate (Ag. Economics), RLBCAU, Jhansi	Physical & Health Education
2.	Dr. Amit Kumar Jain	Teaching Associate (Computer Sci.), RLBCAU, Jhansi	Information & Communication Technology
3.	Dr. Ghanshyam Abrol	Teaching Associate (Post Harv. Tech.), RLBCAU, Jhansi	Growth & Development of Horticultural Crops
4.	Dr. M. K. Singh	Teaching Associate (Gen. & Plant Breed.), RLBCAU, Jhansi	Principles of Plant Breeding
5.	Dr. Manoj Yadav	Teaching Associate (Agronomy), RLBCAU, Jhansi	NSS
6.	Dr. R.P. Maurya	Teaching Associate (Horticulture), RLBCAU, Jhansi	Plant Propagation & Nursery Management
7.	Dr. Ranjit Pal	Teaching Associate (Fruit Science), RLBCAU, Jhansi	Water Management in Horticultural Crops; Tropical & Subtropical Fruits
8.	Dr. S. K. Singh	Teaching Associate (Soil Science), RLBCAU, Jhansi	Soil Fertility & Nutrient Management
9.	Dr. S.K. Sharma	Teaching Associate (Ag. Economics), RLBCAU, Jhansi	Tropical & Subtropical Vegetable Crops
10.	Dr. Sadhana Sagar	Teaching Associate (Soil Microbiology), RLBCAU, Jhansi	Environmental Studies & Disaster Management
11.	Dr. Shailja Punetha	Teaching Associate (Vegetable Science), RLBCAU, Jhansi	Tropical & Subtropical Vegetable Crops
12.	Dr. Usha	Teaching Associate (Entomology), RLBCAU, Jhansi	NSS
13.	Dr. Vikas Kumar	Teaching Associate (Ag. Ext. Edu.), RLBCAU, Jhansi	Physical & Health Education



Teaching Faculty Engaged for B.Sc. (Hons.) Forestry First Year

S.No.	Faculty	Designation	Course Title
Semester I			
1.	Dr. Amit Kumar Jain	Teaching Associate (Computer Sci.), RLBCAU, Jhansi	Basic Mathematics Information & Communication Technology
2.	Dr. Amit Tomar	Teaching Associate (Agronomy), RLBCAU, Jhansi	Introduction to Agronomy & Horticulture
3.	Dr. Ashutosh Singh	Teaching Associate (Crop Physiology), RLBCAU, Jhansi	Plant Biochemistry
4.	Dr. B. S. Rajput	Teaching Associate (Agroforestry), RLBCAU, Jhansi	Introduction to Forestry Dendrology
5.	Dr. Gurdeep Kaur	Teaching Assistant, Bundelkhand University, Jhansi	Communication Skills & Personality Development
6.	Dr. M. K. Singh	Teaching Associate (Genetics & Plant Breeding), RLBCAU, Jhansi	Forest Botany
7.	Dr. Manoj Yadav	Teaching Associate (Agronomy), RLBCAU, Jhansi	NSS
8.	Dr. R.P. Maurya	Teaching Associate (Horticulture), RLBCAU, Jhansi	Introduction to Agronomy & Horticulture
9.	Dr. S. K. Singh	Teaching Associate (Soil Science), RLBCAU, Jhansi	Geology & Soils
10.	Dr. Usha	Teaching Associate (Entomology), RLBCAU, Jhansi	NSS
II Semester			
1.	Dr. Devi Singh	Former Dean (PGS), SVBPUA&T, Meerut	Plant Cytology and Genetics
2.	Dr. Anshuman Singh	Scientist, Genetics & Plant Breeding, RLBCAU, Jhansi	Plant Cytology and Genetics
3.	Dr. Abhishek Kalia	Teaching Associate (Ag. Economics), RLBCAU, Jhansi	Physical Education I Physical Education II
4.	Dr. Amit Kumar Jain	Teaching Associate (Computer Sci.), RLBCAU, Jhansi	Statistical methods & Experimental Design
5.	Dr. Ashutosh Singh	Teaching Associate (Crop Physiology), RLBCAU, Jhansi	Plant Physiology
6.	Dr. B. S. Rajput	Teaching Associate (Agroforestry), RLBCAU, Jhansi	Wildlife Biology Theory & Practice of Silviculture

ANNUAL REPORT 2016-17

S.No.	Faculty	Designation	Course Title
7.	Dr. Manoj Yadav	Teaching Associate (Agronomy), RLBCAU, Jhansi	NSS
8.	Dr. Pankaj Lavania	Teaching Associate (Silviculture), RLBCAU, Jhansi	Forest Protection
9.	Dr. Sadhana Sagar	Teaching Associate (Soil Microbiology), RLBCAU, Jhansi	Statistical methods & Experimental Design
10.	Dr. Usha	Teaching Associate (Entomology), RLBCAU, Jhansi	NSS
11.	Dr. Usha Thakur	Teaching Associate (Forest Products), RLBCAU, Jhansi	Wood Anatomy
12.	Dr. Vikas Kumar	Teaching Associate (Computer Sci.), RLBCAU, Jhansi	Physical Education I Physical Education II



Annexure-IV

Composition of University Building & Works Committee

(Constituted by BOM under provisions of section 37 and para 12(4)(xv) of the Statutes of the Rani Lakshmi Bai Central University Act-2014 vide resolution No. RLBCAU/BOM/3/8/2016 dated 3rd June, 2016)

Sl. No	Members	Name
1.	The Vice Chancellor (Chairperson)	Dr. Arvind Kumar
2.	A Representative of the Construction Agency not below the rank of Executive Engineer.	Sri. A. Mummoorthy, G.M. NBCC, Bhopal (till 29th July, 2016) Sri. Rajesh Bahal, C.G.M., NBCC, New Delhi (From 30th July, 2016)
3.	A member of Finance Committee nominated by Vice Chancellor	Dr. P. L. Gautam, Ex-Chairman, PPV & FR Authority, & Ex- Vice-Chancellor, GBPUA & T, Pantnagar, H. No. 118, HP Housing Board Colony, Bindraban, Palampur Distt. Kangra – 176061 (H.P.)
4.	The Comptroller	Comptroller/ Sri. M. K. Mulani, F&AO.
5.	A Representative of User Department	Dr. Mridulla Billore, Dean College of Agril., Khandwa (M.P.)
6.	Two teachers of the University nominated by the Vice Chancellor	Dr. Meenakshi Arya, Scientist (Plant Pathology) Dr. Anshuman Singh, Scientist, (Genetics & Plant Breeding)
7.	Dean or his nominee not below the rank of Professor from Government Engineering College	Prof. Shailendra Jain, Prof. & Head Electrical Engineering, MANIT, Bhopal
8.	An expert in Civil Engineering/ Construction Management nominated by the Vice Chancellor	Prof. Anil Saxena, Professor, Dept. of Civil Engineering, MITS, Gwalior
9.	The University Engineer/Consultant engaged by the University	University Engineer/Consultant
10.	The Registrar- Member Secretary	Dr. Mukesh Srivastava

Annexure-V

Rani Lakshmi Bai Central Agricultural University, Jhansi Academic Calendar of Year 2016-17

All Undergraduate Programme

1.	Date of Registration and Admission	25.07.2016 (Monday)
2.	Orientation programme	25.07.2016 (Monday)
3.	Commencement of classes	26.07.2016 (Tuesday)
4.	Last Date of Registration with late Registration fee	05.08.2016 (Friday)
5.	Fresher's Day/Cultural eve	15.08.2016 (Monday)
6.	Mid- Term Semester Examination	03.10.2016 to 08.10.2016 (Monday to Saturday)
7.	Mid-Semester Report to Dean from Teachers	18.10.2016 (Tuesday)
8.	Instruction Ends	13.12.2016 (Tuesday)
9.	Preparation Break	14.12.2016 to 18.12.2016 (Wednesday to Sunday)
10.	End Term Examination (Theory & Practical)	19.12.2016 to 31.12.2016 (Monday to Saturday)
11.	Semester Break	01.01.2017 to 15.01.2017 (Sunday to Sunday)

Semester Starts from 16.01.2017 (Monday)

NEXT SEMESTER

1.	Date of Registration	16.01.2017 (Monday)
2.	Commencement of classes	17.01.2017 (Tuesday)
3.	Last Date of Registration with late Registration fee	28.01.2017 (Saturday)
4.	Mid- Term Semester Examination	29.03.2017 to 10.04.2017 (Wednesday to Monday)
5.	Mid-Semester report to Dean from Teachers	20.04.2017 (Thursday)
6.	Instruction Ends	14.06.2017 (Wednesday)
7.	Preparation Break	15.06.2017 to 18.06.2017 (Thursday to Sunday)
8.	End Term Examination (Theory & Practical)	19.06.2017 to 30.06.2017 (Monday to Friday)
9.	Semester Break	01.07.2017 to 24.07.2017 (Saturday to Monday)

New Academic Session 2017-18 to begin on 24.07.2017 (Monday)



Annexure-VI

**Rani Lakshmi Bai Central Agricultural University, Jhansi
Annual Accounts 2016-17**

PRE-AUDITED BALANCE SHEET AS ON 31ST MARCH 2017

(Amount in Rupees)

Corpus/Capital Fund & Liabilities			
	Schedule	Current Year	Previous Year
Corpus/Capital Fund	1	54158972.00	3906027.00
Reserves	2	0.00	0.00
Earmarked/Endowment Fund	3	0.00	0.00
Current Liabilities & Provisions	4	370736972.00	90918317.00
Total		424895944.00	94824344.00
Assets			
Fixed Assets	5	39272277.00	2649927.00
Investments – Earmarked/Endowment Funds	6	0.00	0.00
Current Assets, Loans & Advances	7	385623667.00	92174417.00
Total		424895944.00	94824344.00
Significant Accounting Policies	23		
Contingent Liabilities & Notes to Accounts	24		

Sd/-
Finance & Accounts Officer

Annexure-VII

**Rani Lakshmi Bai Central Agricultural University, Jhansi
Annual Accounts 2016-17**

**PRE-AUDITED INCOME & EXPENDITURE ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED
31ST MARCH 2017**

(Amount in Rupees)

A. Income	Schedule	Current Year	Previous Year
Grants from DARE	8	25051045	7570444
Income from Sales & Services	9	24442	0
Academic Receipts	10	368540	171380
Interest Earned	13	13158968	996925
Other Income	14	78645	31475
Prior Period Income	15	0	0
Total (A)		38681640	8770224
B. Expenditure			
Establishment expenses	16	4320618	1848704
Administrative expenses	17	6914733	1724223
Academic Expenses	18	11858863	3669973
Research Expenses	19	1513332	9215
Extensioin Activities Expenses	20	42476	0
Other Expenses	21	401023	318329
Prior period expenditure	22	0	0
Depreciation	5	692903	214419
Total (B)		25743948	7784863
Balance being surplus/(Deficit) carried to corpus/ Capital Fund		12937692	985361

**Sd/-
Finance & Accounts Officer**



Statutory Officers

The list of the Statutory Officers of the university during the year 2016-17

Visitor

Shri Pranab Mukherjee
Hon'ble President of Republic of India

Chancellor

Prof. Dr. Panjab Singh
(from January, 2016)
Former Secretary, DARE & DG ICAR and
Ex-Vice Chancellor, Banaras Hindu University

Vice-Chancellor

Dr. Arvind Kumar
(from May, 2014)

Registrar

Dr. Mukesh Srivastava
(from April, 2016)



